शुक्रवार
20 सितंबर 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

एक्सप्रेस-वे के निर्माण से पटना पहुंचेंगे महज चार घंटे में : सीएम नीतीश कुमार

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बलिया जिला में सरयू नदी की तेज धार में बही सड़क

एनएच 31 क्षतिग्रस्त : यादव नगर बस्ती की करीब तीन हजार की आबादी पर आफत

केटी न्यूज/बलिया

बलिया जिला में सरयू नदी का बढ़ता जलस्तर लोगों की परेशानी का सबब बनता जा रहा है। बुधवार की देर रात सरयू नदी की लहरें बैरिया मांझी मार्ग एनएच 31 चांददीयर पुलिस चौकी से करीब 200 मीटर की दूरी पर स्थित मुख्य सड़क को बहा ले गई। 15 मीटर चौड़ी सड़क पानी में विलिन हो जाने के कारण यादव नगर बस्ती के करीब तीन हजार की आबादी का मांझी पुल से संपर्क टूट गया है। इस वजह से इस रास्ते से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है।

वहीं सड़क टूटने की सूचना मिलने के करीब 3 घंटे बाद पहुंची एनडीआरएफ की टीम ने दो नावों से 10 से अधिक परिवारों को बाहर निकाला। एनडीआरएफ के इंचार्ज श्रीनिवास मीणा ने बताया कि फंसे परिवारों को बाहर निकालने की कवायद चल रही है। उधर, सूचना पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी बैरिया उस्मान व एसएचओ बैरिया

रामायण सिंह पहुंच कर दोनों तरफ से आने जाने वाले वाहनों को रुकवाते हुए नाव की व्यवस्था कर फंसे लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। वहीं, सूचना पर पूर्व विधायक सुरेंद्र नाथ सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात कर घटना की जानकारी दी। इसके साथ उपजिलाधिकारी सुनील कुमार भी वहां पहुंचे। उन्होंने उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। बताया कि मौके पर पुलिस बल लगाकर वाहनों का डायवर्जन किया जा रहा है।

कोई ताकत धारा 370 वापस नहीं ला सकती: मोदी

- पीएम नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर कटरा में आयोजित रैली को किया संबोधित
- बोले- यह चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भविष्य चुनने के लिए है

एजेंसी/श्रीनगर

पीएम मोदी ने 370 को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि दुनिया की कोई ताकत जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं करा सकती। कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस को डंके की चोट पर कह रहे हैं, हम जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे। कहा कि पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस का खुलकर समर्थन किया है। उनका कहना है कि आर्टिकल 370 और 35A को लेकर कांग्रेस और एनसी का एजेंडा वही है, जो पाकिस्तान का एजेंडा है यानी कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस की पोल खुद पाकिस्तान ने खोल दी है।

कांग्रेस का शाही परिवार, देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को कटरा में पीएम नरेंद्र मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हम दिल और दिल्ली की दूरी को मिटा रहे हैं। ये चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भविष्य चुनने के लिए है। नए जम्मू कश्मीर को और बुलंद बनाने के लिए है। कांग्रेस, पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस के जिन तीन खानदानों ने इस क्षेत्र को सालों-साल घाव दिए, उनकी राजनीतिक विरासत का सूर्य आपको अस्त करना ही होगा। इसके लिए आपको कमल के निशान को चुनना होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार के वारिस ने हाल ही में विदेश जाकर क्या कहा है, वो आपने भी सुना होगा। वो कहते हैं- 'हमारे देवी-देवता भगवान नहीं हैं। हिंदू धर्म में गांव-गांव में देवी-देवताओं को पूजने की परंपरा है। हम ईस्ट देवों को मानने वाले लोग हैं और कांग्रेस वाले कहते हैं कि देवता भगवान नहीं होते। क्या आप इस बात से सहमत हैं? क्या ये हमारे देवी देवताओं का अपमान नहीं है? आगे कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार, देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। ये परिवार, भारत में भ्रष्टाचार की कुरीति का जन्मदाता है, उसका पोषक है। इनकी हिम्मत देखिए... ये डोगरों की धरती पर आकर, यहां के राज परिवार को भ्रष्ट कहते हैं। कहा कि हमारा ये क्षेत्र हमारी आस्था का, हमारी संस्कृति की पहचान है, इसलिए यहां ऐसी सरकार चाहिए, जो हमारी आस्था को सम्मान दे और हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाए।

खबरें फटाफट

नैनी दून एक्सप्रेस को बेपटरी करने की साजिश नाकाम

रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर में पटरी पर लोहे का खंभा रखकर नैनी दून एक्सप्रेस (12091) को बेपटरी करने की कोशिश की गई। हालांकि लोको पायलट की सतर्कता से हादसा होने से बच गया। लोको पायलट ने समय रहते इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। घटना बुधवार रात करीब 11 बजे की है। यह ट्रेन उत्तराखंड के काठगोदाम से देहरादून के बीच चलती है। सूचना मिलने पर जीआरपी और पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर खंभे को ट्रैक से हटवाया। इस दौरान ट्रेन करीब 20 मिनट तक खड़ी रही। रामपुर एसपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि खंभे को हटा दिया गया। रात से ही मामले की पड़ताल शुरू कर दी गई है। जीआरपी तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में लगी आग

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में गुरुवार की तड़के मंगला आरती के दौरान शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। जिससे मंदिर के गर्भगृह के पूर्वी द्वार का ऊपरी हिस्सा आग की चपेट में आ गया और वहां मौजूद श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया। इस घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास करने लगे। सुरक्षाकर्मियों ने वायरलेस के माध्यम से कंट्रोल रूम को सूचित किया और मंदिर परिसर की बिजली आपूर्ति तुरंत बंद कर दी गई। मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर काबू पाया। आग लगने के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन अस्थायी रूप से रोक दिए गए और करीब एक घंटे तक मंदिर में बाबा का दर्शन नहीं हो सका।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर दलित बस्ती का मामला, जमीन विवाद के कारण दिया गया घटना को अंजाम

नवादा में दबंगों ने दलित बस्ती में लगाई आग

- सीएम बोले- मामले में दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई
- तेजस्वी ने इस घटना की तुलना महा जंगलराज, महा दानवराज, महा राक्षसराज से की है

केटी न्यूज/पटना

बिहार के नवादा जिले में जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने दलित बस्ती में आग लगा दी। गांव के लोगों का दावा है कि करीब 80 घर इस आग में जलकर खाक हो गए। हालांकि पुलिस का कहना है कि 21 घर आग में जले हैं और इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। इस मामले में पुलिस ने 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना नवादा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ननौरा के पास स्थित कृष्णा नगर दलित बस्ती की है। यहां दो पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसको लेकर बुधवार की शाम दबंगों ने दलित परिवारों के साथ मारपीट की थी और फिर हवाई फायरिंग के बाद उनके घरों को आग के हवाले कर दिया। पीड़ित पक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कुल 28 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है।

कृष्णा नगर स्थित दलित बस्ती में आगजनी की घटना ने एक बार फिर जातिगत खाई को उजागर कर दिया है। हालांकि ये लड़ाई दलित और सर्वण के बीच नहीं बल्कि दलित और महा दलित के बीच की है, जिसमें मांझी और पासवान जातियां आमने-सामने हैं। खबर है कि नवादा में पासवान बिरादरी के लोगों ने बुधवार देर रात मांझी समाज की बस्ती को आग के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि गांव में जमीन के एक हिस्से पर फिलहाल दलित परिवारों का कब्जा है। इस जमीन पर कब्जे को लेकर दूसरे पक्ष से विवाद चल रहा है। मामले की सुनवाई वरिष्ठ अधिकारियों के पास चल रही है।

पीड़ित परिवारों का आरोप है कि बुधवार की शाम अचानक दबंगों ने हमला कर दिया। मारपीट के साथ उनके घरों में आग लगा दी गई। घटना के संबंध में एसपी अभिनव धीमान ने बताया, करीब 7 बजे ये सूचना मिली थी कि यहां कुछ व्यक्तियों द्वारा घरों को जलाया गया है। इस घटना के जो मुख्य आरोपी बताए जा रहे थे, उनको हमने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी के साथ-साथ हमने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। जब तक यहां हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक पुलिस फोर्स तैनात रहेगी।

दलित परिवार के साथ मारपीट के बाद लगाई गई आग, 21 घर जलकर खाक

पुलिस ने 15 लोगों को किया गिरफ्तार मौके से 3 देशी कट्टा, एक खोखा बरामद

लड़ाई दलित व सर्वण के बीच नहीं, बल्कि मांझी व पासवान जाति आमने-सामने है

सीएम ने डीजीपी व आला अधिकारियों के साथ की बैठक

सीएम नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा है कि किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। इस मामले में जो भी दोषी हैं उनपर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना को लेकर डीजीपी के साथ आला अधिकारियों के साथ बैठक की और पूरे मामले पर फीडबैक लिया। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर को पूरे मामले की जांच के लिए नवादा भेजा है। सीएम ने किसी भी हालत में दोषियों को नहीं छोड़ने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि जो लोग कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें पकड़कर दंडित करें। सीएमओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने राज्य भर के सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था बरकरार रहे। सीएम ने डीएम और एसपी को अपने-अपने जिलों की सभी जेलों की तलाशी लेने का निर्देश दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कोई गैरकानूनी गतिविधि न हो।

सियासी बयानबाजी तेज

पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, महा जंगलराज महा दानवराज महा राक्षसराज। नवादा में दलितों के 100 से अधिक घरों में लगाई आग। नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के राज में बिहार में आग ही आग। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेफिक्र, एनडीए के सहयोगी दल बेखबर। गरीब जले, मरे-इन्हें क्या? दलितों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं होगा।

राज्य के वरिष्ठ मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा, यह घटना बेहद निंदनीय है। मुख्यमंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि जो भी इस वारदात में शामिल हैं, उसे बख्शा नहीं जाएगा। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संस्थापक जीतन राम मांझी ने इस घटना के लिए यादव समुदाय को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों में 12 यादव समुदाय से हैं। मांझी ने दावा किया कि इस समुदाय ने उस स्थान पर रह रहे पासवान समुदाय के लोगों को उकसा कर इस घटना को अंजाम दिया है। केंद्रीय मंत्री और लोजपा प्रमुख चिराग पासवान ने कहा, 'यह घटना जितनी दुखद है, उतनी ही निंदनीय और शर्मनाक भी है।

जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के ठिकानों पर एनआईए का छापा, भारी मात्रा में कैश बरामद

केटी न्यूज/पटना

गया के जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के एपी कॉलोनी स्थित आवास पर गुरुवार की सुबह 5 बजे से ही NIA की टीम छापेमारी करने पहुची। दर्जनों की संख्या में गया जिला पुलिस और एसएसबी के जवान घर के बाहर तैनात किया गया था। मिली जानकारी के मुताबिक, राज्य में नक्सली संगठन के खिलाफ जांच के तहत 5 जगहों पर एनआईए ने छापेमारी की है। एनआईए की टीम जेडीयू नेता का नक्सल कनेक्शन खंगालने में जुटी हुई है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि सूचना के बाद एनआईए की टीम सुबह 5 बजे छापेमारी करने पहुंची। इस दौरान किसी को भी अंदर से बाहर और बाहर से अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। आवास को पूरी तरह से घेराबंदी कर दी गई थी। एनआईए की टीम किसी कनेक्शन के मामले में जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के घर पर छापेमारी की है। इस

संबंध में कोई भी अधिकारी कुछ भी स्पष्ट नहीं बता रहे है। एनआईए ने पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी और घर के सदस्यों से पूछताछ की। ये छापेमारी प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के खिलाफ अपनी जांच के सिलसिले में की गई है।

मनोरमा देवी के आवास से काफी कैश मिलने के बाद एसबीआई मुख्य शाखा से नोट गिनने की 2 मशीन मंगाई गई। एनआईए की टीम नोटों की गिनती कर रही थी। गिनती पूरी होने के बाद ही पता चल सकेगी कि कितना कैश पूर्व एमएलसी के घर से बरामद हुआ है?

मासूम से ज्यादती के मामले में स्कूल सील

भोपाल। राजधानी भोपाल में तीन साल की मासूम से ज्यादती के मामले में रेडक्लिफ स्कूल को प्रशासन ने सील कर दिया है। स्कूल की मान्यता रद्द होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को सुबह से ही आक्रोशित परिजन, एबीवीपी कार्यकर्ता, करणी सेना और संस्कृति बचाओ मंच के कार्यकर्ता स्कूल पहुंचे। उन्होंने स्कूल की मान्यता रद्द करने और आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए। इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना का संज्ञान लेकर आरोपी को सख्त सजा दिलाने की बात कही है। साथ ही उन्होंने स्पेशल कोर्ट में केस चलाने की बात कही है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों को विवि की स्थापना के लिए सौंपा प्राधिकार पत्र

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय उन्नाव की स्थापना पर लगी मुहर

केटी न्यूज/लखनऊ

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए उन्नाव जिले में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सचिवालय में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (सीयू) इंटरनेशनल एजुकेशनल ट्रस्ट, चंडीगढ़ के प्रतिनिधियों को चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्राधिकार पत्र सौंप दिया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को उन्नाव में स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को कैबिनेट द्वारा बाई सकुर्लेशन मंजूरी प्रदान की गई थी। योगी सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का लाभ मिलेगा। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय का यह नया परिसर लखनऊ-कानपुर हाईवे के किनारे स्थापित होगा, जो उन्नाव और आसपास के जिलों के छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर साबित होगा। यह विश्वविद्यालय उन्नाव जिले के ग्राम पदसंदन, परगना गोरिन्दा परसंदन, तहसील हसनगंज में 63.53 एकड भूमि पर निजी क्षेत्र के अन्तर्गत स्थापित किया जाएगा।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम होगा

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने गुरुवार को चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्राधिकार पत्र सौंपने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार का यह निर्णय प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित होगा। इससे न केवल प्रदेश के छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी, बल्कि इससे प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विस्तार के लिए प्रयासरत है। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की उन्नाव में स्थापना प्रदेश के शिक्षा जगत में एक नया अध्याय साबित होगी। इससे प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता में वृद्धि होगी, जो उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार और भविष्य के बेहतर अवसर लेकर आएगी। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, उन्नाव की स्थापना से छात्रों को अत्याधुनिक शिक्षा प्रणाली का लाभ मिलेगा। यह विश्वविद्यालय छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय प्रदेश के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा और उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा।

आपदाओं से निपटने के लिए हमेशा रहें तैयारः उपाध्यक्ष

♦ विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों से भूकंप आपदा के संदर्भ में मांगे सुझाव और विचार

केटी न्यूज/पटना

भूकंप आपदा के लिए एनडीआरएफ के निर्माण पर अहम बैठक हुई। इस दौरान सुझाव और विचार को लेकर हुई गहन चर्चा हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों से भूकंप आपदा के संदर्भ में सुझाव और विचार आमंत्रित किए गए। इसके साथ ही, एनडीआरएफ द्वारा निर्मित बिहार के संदर्भ में गहन चर्चा की गई। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा तैयार किए गए एसओपी ड्राफ्ट के उपाध्यक्ष ने अवलोकन किया और इस पर अपने सुझाव दिए। उन्होंने एनडीआरएफ निर्माण प्रक्रिया में नवीन तकनीकों के समन्वय पर बल दिया।

बैठक में यह चर्चा की गई कि आपदा के समय ड्रोन की भूमिका क्या हो सकती है और एआई, मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग कैसे किया जा सकता है। साथ ही, बीएसडीआरएन ऐप के माध्यम से आपदा के दौरान जरूरी संसाधनों की मदद से जान माल की क्षति को कम करने पर भी विचार किया गया। सदस्य पीएन राय ने भूकंप आपदा की स्थिति में समुचित प्रतिक्रिया के लिए राज्य में रडढ की आवश्यकता और औचित्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि एसओपी के माध्यम से प्रत्येक विभाग और एजेंसी के दायित्व और संसाधन स्पष्ट किए जाने चाहिए। बैठक में सभी हितधारक विभागों और संस्थाओं के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद, आपदा प्रबंधन विभाग के पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया।

जिसमें हितधारक विभागों के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में नामित किया गया। इस समिति को रडढ के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्राधिकरण के सलाहकार (तकनीकी) डॉ. बीके सहाय ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत किया। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग, होमगार्ड और अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा निदेशालय, स्वास्थ्य विभाग, भवन निर्माण विभाग, पुलिस प्रशासन, ठऊक्रक्र रऊक्रक्र वन एवं पर्यावरण विभाग, नगर विकाश विभाग सहित अन्य हितधारक विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बड़े पैमाने पर डीएसपी का तबादला, केके सिंह को पीरो की मिली कमान

केटी न्यूज/पटना

बिहार में बड़े पैमाने पर हुआ तबादला, कई डीएसपी बदले गये है। गृह विभाग ने जारी की अधिसूचना के तहत 11 डीएसपी का तबादला किया है। इसको लेकर गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। ट्रांसफर किये गये डीएसपी की सूची में अमित कुमार, कृष्ण कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, राहुल सिंहम और प्रदीप कुमार सहित कई नाम शामिल हैं।

इमामगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार को पुलिस उपाधीक्षक यातायात पटना की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस उपाधीक्षक यातायात नालंदा सुनील कुमार सिंह को राजगीर का डीएसपी बनाया गया है। बिहार पुलिस अकादमी राजगीर में पदस्थापित पुलिस उपाधीक्षक अमित कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी इमामगंज बनाया गया है। राजगीर में पदस्थापित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रदीप कुमार को मोहनिया का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है। पीरो के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल सिंह को एसटीएफ में डीएसपी बनाया गया है। पुलिस उपाधीक्षक सीआईडी कृष्ण कुमार सिंह को डीएसपी पीरो की जिम्मेदारी दी गई है। गया में पदस्थापित पुलिस उपाधीक्षक विधि व्यवस्था खुर्शीद आलम को नालंदा का यातायात पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने विभाग के मंत्री व अधिकारियों के साथ की समीक्षात्मक बैठक

एक्सप्रेस-वे के निर्माण से पटना पहुंचेंगे महज चार घंटे में : सीएम

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में बिहार राज्य में प्रस्तावित एवं निमार्णाधीन चार एक्सप्रेस-वे, हाईवे गोरखपुर-सिलीगुड़ी, रक्सौल-हल्दिया, पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड तथा असम-दरभंगा पथ से बोधगया-राजगीर की संपर्कता से संबंधित उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में मुख्य सचिव द्वारा मुख्यमंत्री को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी गई कि इन चार प्रमुख परियोजनाओं के तहत 1,575 कि.मी. एक्सप्रेस-वे पथ के निर्माण पर 84 हजार 734 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें बिहार में पथों की लंबाई 1,063 कि.मी. होगी और इस पर 59 हजार 173 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच के अनुरूप आज राज्य के किसी भी कोने से 05 घंटे में राजधानी पटना पहुंचने हेतु पथों का नेटवर्क विकसित किया गया है।

आगामी पांच वर्षों में बदलेगा स्वरूपः अब आगामी 05 वर्षों में राज्य के किसी भी कोने से 04 घंटे में पटना पहुंचने के लक्ष्य की कार्य योजना प्रस्तावित है। इसके अन्तर्गत राज्य में नये एक्सप्रेस-वे, हाईवे के निर्माण हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेस-वे, बिहार राज्य के आठ जिलों यथा-पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया तथा किशनगंज से होकर गुजरेगा जिसकी कुल लंबाई 600 कि.मी. होगी। इसमें बिहार राज्य में 415 कि.मी. लंबा पथांश शामिल होगा।

जल्द होगा प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे का भू-अर्जनः इसके लिए 100 मी॰ चौड़ाई में भू-अर्जन किया जाना है। रक्सौल- हल्दिया एक्सप्रेस-वे रक्सौल अवस्थित अंतर्राष्ट्रीय चेक पोस्ट से निकटतम बंदरगाह, हल्दिया से त्वरित सम्पर्कता प्रदान करने के दृष्टिकोण से इस परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। इसकी कुल लंबाई 702 कि.मी. है, जिसमें बिहार राज्य में 367 कि.मी. हिस्सा पड़ेगा। यह बिहार राज्य में पूर्वी चंपारण, शिवहर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई तथा बांका डोजरेगा। इसके लिए 100 मी॰ चौड़ाई में भू-अर्जन किया जाना है। इन एक्सप्रेस-वे के निर्माण से राज्य में आवागमन को और गति मिलेगी। पटना-पूर्णिया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, पटना रिंग रोड में प्रस्तावित दिघवारा ब्रिज से प्रारंभ होकर यह पथ पूर्णिया तक बनाया जाएगा, जिसकी कुल लंबाई 250 कि.मी. होगी। यह पथ सारण, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा एवं पूर्णिया जिलों से होकर गुजरेगा। इसके लिए 100 मी॰ चौड़ाई में भू-अर्जन किया जाना है। आमस-दरभंगा एक्सप्रेस-वे पथ से बोधगया, राजगीर की सम्पर्कता हेतु 4 लेन स्पर का निर्माण किया जाना है। इसके लिए 45 मी॰ चौड़ाई में भू-अर्जन किया जाना है।

निर्माण से आवागमन में मिलेगी गतिः समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इन एक्सप्रेस-वे के निर्माण से राज्य में आवागमन को और गति मिलेगी। लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर आने-जाने में समय की काफी बचत होगी। वर्ष 2005 में सरकार में आने के बाद से आवागमन को बेहतर करने के लिए सड़कों एवं पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया। राज्य के किसी कोने से राजधानी पटना 5 घंटे में पहुंचने के लिए पथों का नेटवर्क विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे के लिए भू-अर्जन का काम ठीक ढंग से ससमय सुनिश्चित करायें और इस कार्य में लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बाढ़ के पानी में गिरी मंदिर की दीवार, दो बच्चों की मौत

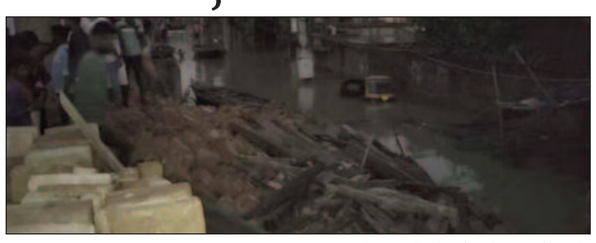

केटी न्यूज/सारण

सारण में बाढ़ का पानी प्रवेश करने के बाद उस पानी में कुछ बच्चे स्नान कर रहे थे। तभी मंदिर की दीवार ढह गई, जिसमें दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। एक बच्चा गंभीर रिप से घायल है, जिसका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना नही कि कुछ बच्चों के दीवार में दबे होने की आशंका है। लेकिन चारों तरफ बाढ़ का पानी होने के कारण राहत कार्य में काफी विलंब हो रहा है। सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। घटना शहर के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनार पट्टी रोड स्थित कठिया बाबा मंदिर के समीप की है, जहां मंदिर के समीप 2 से 3 फुट पानी जमा होने के कारण आसपास के बच्चे वहां स्नान कर रहे थे। तभी मंदिर की पुरानी दीवार भड़भड़ा कर गिर पड़ी, जिसमें बच्चे दब गए है। हालांकि स्थानीय लोगों ने तीन बच्चों को मंदिर के मलवा से निकाल लिया गया है।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार मंदिर के समीप बाढ के पानी में बच्चे स्नान कर रहे थे इस बीच मंदिर की पुरानी मोटी दीवार गिर गई और बच्चे उसमें दब गए। दीवार गिरने से दो बच्चे की मौत हो गई है। जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतक बच्चों में रिविलगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत नेवाजी टोला धर्मशाला अड्डा नंबर 2 निवासी स्व अजय महतों के आठ वर्षीय पुत्र धनराज कुमार जबकि अपनी मौसी के घर आई बनियापुर थाना क्षेत्र के खांखी मठिया मिजार्पुर गांव निवासी तारकेश्वर राउत की 13 वर्षीय पुत्री रंभा कुमारी की मौत घटना स्थल पर ही हो गई है। जबकि शिव शंकर महतों की 09 वर्षीय पुत्री रागिनी कुमारी बुरी तरह से जख्मी बताई जा रही है जिसका इलाज सदर अस्पताल छपरा में चिकित्सको के देखरेख में चल रहा है। इस संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सरयू नदी का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है, जिस कारण पानी पूरी तरह से मोहल्ले में घुस गया है। पानी होने से स्थानीय बच्चें खेल रहे थे। इसी दौरान पुरानी दीवार ढहने के कारण वह गिर गया। जिसके बाद वहां अफरा तफरी का माहौल हो गया है। आनन फानन में स्थानीय लोगों ने बच्चों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने दो बच्चे की मौत की पुष्टि कर दी।

एक नजर

फर्जी तरीके से जख्म प्रतिवेदन के मामले में 12 आरोपियों को किया गया नामजद

पटना। स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर फर्जी नर्सिंग होम सहित कई अन्य प्रकार की सेवा केंद्रों का संचालन होते रहा है। जब कोई मामला या किसी व्यक्ति की मौत इलाज के दौरान हो जाती है तब स्वास्थ्य विभाग की नींद खुलती है। उसके संबंधित संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है, लेकिन इस बार फर्जी तरीके से इंजरी रिपोर्ट बनाने का एक नया मामला सामने आया है। जिसमें मढ़ौरा अनुमंडलीय मुख्यालय स्थित रेफरल अस्पताल के दो पूर्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों के खिलाफ स्थानीय मढ़ौरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। विगत कई महीनों से चले आ रहे इस मामले में एक फर्जी इंजरी का मामला अब रंग पकड़ लिया है। जिसमें रेफरल अस्पताल के दो पूर्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, एक चिकित्सक के अलावा तीन अन्य कर्मियों सहित कुछ ग्यारह लोगों को नामजद किया गया है। मढ़ौरा थाने के प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक (पीएसआई) संजीत कुमार के अनुसार मढ़ौरा थाना कांड संख्या-53/2024 का अनुसंधानकर्ता था। उक्त कांड में वादिनी बिशनपुर जगदीश गांव निवासी राम बच्चन सिंह की पत्नी बबीता देवी ने एक प्राथमिक की दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी में विवेक कुमार सिंह, कामेश्वर सिंह, श्रवण कुमार को आरोपित किया गया था। हालांकि उक्त कांड के अनुसंधान में यह पाया गया की आवेदिका द्वारा सोची समझी साजिश के तहत मन गढ़ंत कहानी रची गई है। इस मामले में रेफरल अस्पताल के चिकित्सक एवं अन्य कर्मियों के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र, जालसाजी कर फर्जी जख्म प्रतिवेदन बनाकर झूठा मुकदमा दर्ज किया गया है। इसका खुलासा सदर अस्पताल छपरा के अधीक्षक के नेतृत्व में तीन सदस्यीय मेडिकल जांच कमेटी की जांच रिपोर्ट में हुई थी।वहीं पुलिस उपाधीक्षक सह सारण के साइबर थाने के थानाध्यक्ष अमन, सारण के सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा और सारण के अपर समाहर्ता के द्वारा बबीता देवी का जख्म जांच प्रतिवेदन की जांच की गई थी। जांच टीम के द्वारा रिपोर्ट को गलत पाया था। जांच टीम ने रेफरल अस्पताल मढ़ौरा के तीन चिकित्सक और तीन अस्पताल कर्मी के कार्यकलापों को भी संदिग्ध पाया था।इस संबंध में मढ़ौरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नरेश पासवान ने बबीता देवी एवं उनके सहयोगियों पर फर्जी तरीके से जख्म प्रतिदेवन (इंज्यूरी) के आलोक में झूठा केस दर्ज कराने का प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर दिशा निर्देश दिया था। जिसके आलोक में पीएसआई संजीत कुमार ने बबीता देवी और उनके सहयोगी मोहित कुमार, अशोक सिंह, श्याम सुंदर सिंह, इंदू देवी के साथ-साथ रेफरल अस्पताल के तीन चिकित्सक सहित तीन कर्मियों पर प्राथमिक दर्ज कराई है। इस प्राथमिकी के बाद चर्चा एक बार फिर से गर्मा गया है। मढ़ौरा थाने में पदस्थापित प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक (पीएसआई) संजीत कुमार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में सभी अरोपितों पर फर्जीवाड़ा का आरोप लगाया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शराब पीकर कर रहे थे ड्यूटी, उत्पाद विभाग ने किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में शराब के नशे में चूर सदर अस्पताल में पदस्थापित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को उत्पाद विभाग की टीम ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी सदर अस्पताल से ही की गई है, जब वह शराब के नशे में ड्यूटी कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार किये गये अधिकारी सदर अस्पताल में पदस्थापित निगरानी मूल्यांकन पदाधिकारी राजेश कुमार झा हैं, जो पूर्व में भी शराब पीकर ड्यूटी करने के मामले में जेल जा चुके हैं।इस संबंध में उत्पाद विभाग के उपायुक्त विजय शेखर दुबे ने बताया कि सदर अस्पताल में एक पदाधिकारी शराब पीकर ड्यूटी कर रहे थे। किसी ने इस बात की सूचना मोबाइल पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस को अस्पताल भेजा गया और सदर अस्पताल में पदस्थापित निगरानी मूल्यांकन पदाधिकारी राजेश कुमार झा को हिरासत में ले लिया गया। फिर उनका वहीं एक्साइज टीम ने ब्रेथ एनालाइजर से उनकी जांच की, जिसमें उनके शराब पीने की पुष्टि हो गई।वहीं एसडीएम पूर्वी अमित कुमार ने बताया की शराब पीने और फिर पीकर सरकार की ड्यूटी करने के मामले में मूल्यांकन सह निगरानी पदाधिकारी को मौके से पकड़ा गया है। उनके पास से शराब पीने की पुष्टि हुई है,शराब पीकर वह ड्यूटी कर रहे थे। उत्पाद विभाग ने पकड़ा है मामले में आगे की करवाई किया जा रहा। पकड़े गए मूल्यांकन सह निगरानी पदाधिकारी राजेश कुमार झा पूर्व में भी शराब पीने के मामले में जेल जा चुके हैं। उनके ऊपर में शराब पीकर ड्यूटी करने और फिर काम ठीक से नही करने का आरोप है।

जदयू की महिला नेत्री को पहनाया चप्पल की माला

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी जदयू महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष को लोगों ने पिटाई कर चप्पल का माला पहनाया। वहीं उसके घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया है। मामला बैरगनिया थाना क्षेत्र की है, जहां लोगो की झुंड ने सीतामढ़ी जदयू महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष कामिनी पटेल को असमाजिक तत्वों ने मारपीट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया है।वहीं, जूते का माला पहनाकर इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया है। वीडियो काफी तेजी वायरल हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार घटना की सूचना मिलने पर उनके परिजनों ने आनन फानन में इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया।

पटना में विज्ञान के मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

तकनीकी शिक्षा पर सरकार दे रही विशेष ध्यान : मंत्री

केटी न्यूज/ पटना

राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा विशेष ध्यान दे रही है। इसके लिए मेधावी छात्रों को विशेष सहयोग भी दिया जा रहा है। उक्त बातें मंत्री सुमित कुमार सिंह ने की। मंत्री नेकार्यकम की शुरूआत दीप प्रज्वलन, सर विश्वश्वरैया की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग सुमित कुमार सिंह द्वारा की गई। बता दें कि मंत्री विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग सुमित कुमार सिंह द्वारा पुरस्कार प्राप्त करने आये छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए यह बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा तकनीकी शिक्षा की गुणवता के उन्नयन हेतु अनेक कार्य किये जा रहे है। कुशल एवं दक्ष ईंजिनियर्स की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सात निश्चय कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक जिला में एक राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय एवं पोलिटेकनिक संस्थान स्थापित कर दिया गया है जिसमें मात्र दस रुपये के वार्षिक शुल्क एवं अन्य खर्च का वहन किये जाने हेतु स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की सुविधा प्रदान की जा रही है ताकि समाज के सभी आय एवं वर्ग के मेधावी छात्रों को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई न हो। मैं यह कहने में गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ कि यह सुविधा किसी भी अन्य राज्य में उपलब्ध नहीं है। डॉ. प्रतिमा, सचिव, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा पुरस्कार प्राप्त करने आये छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए यह बताया गया कि उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं अपने पैतृक संस्थान से हमेशा जुड़े रहे तथा वे समय-समय पर आकर अपने संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मार्ग दर्शन प्रदान करें। डॉ. प्रो एस के वर्मा, कुलपति, बिहार अभियंत्रण विश्व विद्यालय द्वारा पुरस्कार प्राप्त करने आये छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए बताया गया कि छात्र अपने छात्र-छात्राएं देश की प्रगति में देश भक्ति एवं मानवता की भावना के साथ कार्य करें। उदयन मिश्रा, निदेशक सह विशेष सचिव, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के द्वारा बताया गया कि राज्य सरकार की इन नीतियों का अत्यंत ही सकारात्मक असर तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ रहा है। डॉ. अनन्त कुमार, परियोजना निदेशक, बिहार काउंसिल ऑन साईंस एंड टेक्नोलॉजी ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, अभि भावकों का स्वागत किया गया।

टीबी लक्षण वाले मरीजों की जांच में बक्सर जिले का पूरे राज्य में रहा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : सिविल सर्जन

- प्राइवेट संस्थान द्वारा नोटिफिकेशन में भी बक्सर अव्वल
- टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए तत्कालीन सिविल सर्जन को भी मिला सम्मान

केटी न्यूज/बक्सर

सम्मानित होने वालों में ये अधिकारी व कर्मी थे शामिल

सिविल सर्जन डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य से जो सम्मान बक्सर जिले को प्राप्त हुआ है, वो जिला यक्ष्मा केंद्र के अधिकारी व कर्मियों की मेहनत का फल है। उन्होंने बताया कि राज्य स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने टीबी मुक्त पंचायतों की संख्या और टीबी के लक्षण वाले मरीजों की सबसे अधिक जांच में बक्सर जिले में किया गया। जिसके लिए पूर्व सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा को सम्मानित किया गया। साथ ही, बक्सर जिले को इन कार्यों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए जिला यक्ष्मा नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय को भी सम्मानित किया गया। इनके अलावा टीबी मुक्त पंचायत के लिए एनटीईपी के डीईओ विजय प्रताप यादव व एसटीएलएस कुमार गौरव को सम्मानित किया गया। वहीं, टीबी मुक्त पंचायत में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए एसटीएस राहुल कुमार और इंदु कुमारी को सम्मानित किया गया। साथ ही, प्रताप सागर स्थित मेथोडिस्ट अस्पातल को राज्य में सबसे अधिक नोटिफिकेशन करने के लिए अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. राज कुमार सिंह को भी सम्मानित किया गया। साथ ही, कमरपुर, जासो और सरेंजा पंचायत को भी सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने सम्मानित किया है। जिसमें पूरे राज्य में बक्सर जिले में प्राइवेट संस्थान द्वारा नोटिफिकेशन व टीबी के लक्षण वाले मरीजों की जांच में बक्सर अव्वल आया है। वहीं, टीबी मुक्त पंचायत में बक्सर के तीन पंचायतों में बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके लिए जिला यक्ष्मा केंद्र के पदाधिकारी व कर्मियों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया।

सिविल सर्जन डॉ. अरूण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य मंत्री ने पूरे राज्य में 232 टू-नेट मशीनों का लोकार्पण एवं डिफरेंशिएटेड टीबी केअर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर टीबी मुक्त पंचायत पहल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए सीवान, सीतामढ़ी, मुंगेर, बक्सर, मुजफ्फरपुर, खगड़िया तथा 2024 में टीबी जांच, निक्षय पोषण योजना का भुगतान, प्राइवेट चिकित्सकों द्वारा अधिकतम टीबी नोटिफिकेशन आदि के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मान से बढ़ा है जिला यक्ष्मा केंद्र का हौसला : जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि गत दिनों जिला यक्ष्मा केंद्र के अधिकारियों और फील्ड में कार्यरत कर्मियों ने काफी बेहतर कार्य किया है। जिसकी बदौलत आज बक्सर पूरे राज्य में सबसे आगे चल रहा है। इस सम्मान को पाने के बाद जिला यक्ष्मा केंद्र के अधिकारियों और कर्मियों का हौसला और भी बढ़ गया है। जिसके बाद प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम और टीबी मुक्त पंचायत पहल कार्यक्रम में सभी जोश के साथ कार्य करेंगे। ताकि, प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम के सभी घटकों में बेहतर कार्य करते हुए 2025 तक पूरे जिले को टीबी मुक्त घोषित कराया जा सके। हालांकि, इसमें आम लोगों का भी सहयोग अपेक्षित है। क्योंकि बिना जिलेवासियों के सहयोग से हम बक्सर को टीबी मुक्त घोषित करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते हैं।

डीएम के जनता दरबार में आए 52 आवेदन, चार मामलों का हुआ त्वरित निष्पादन

जनता दरबार में मिली लोगों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें अधिकारी: डीएम

- कृषि योजनाओं को विकसित करने में लापरवाही पर डीएम ने डीएओ से मांगा शो-कॉज

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को धरातल पर प्रभावी ढ़ग से लागू करने एवं न्याय के साथ विकास के उद्देश्य से प्रखड से लेकर जिला स्तर तक जनता दरबार लगाकर सुनवाई की जा रही है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरूवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने ब्रह्मपुर प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय में जनता दरबार लगाया गया। जनता दरबार में सुनाई करते हुए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को मिली शिकायत को निवारण करने का आदेश दिया। जो शिकायत निवारण करने योग्य था, उसका तत्काल निवारण भी किया गया। जनता दरबार में सुनवाई के दौरान कुल 52 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें04 आवेदन को तत्काल निष्पादित किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी लोगों की समस्याओं को एक-एक कर सुना एवं संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

सड़क दुर्घटना में मृत बेटे के मुआवजे की राशि दिलाने की लगाई गुहार : प्रखंड के बगेनगोला थाना क्षेत्र के भादा गांव निवासी ने जलाशय पर अतिक्रमण से संबंधित आवेदन दिया। जिसमें बताया गया कि स्कूल के आस पास जल जमाव के कारण छात्र-छात्राओं को आवागमन में काफी समस्या होती है। डीएम ने बीडीओ और बीपीआरओ को स्थलीय जांच कर शीघ्र निराकरण हेतु निर्देश दिया। वहीं, बगेन गांव के निवासी गुलाल शर्मा ने अपने बेटे के सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने की पश्चात मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना से मिलने वाले मुआवजा राशि का लाभ नहीं मिलने के संबंध में आवेदन दिया। डीएम ने तत्काल डीटीओ बक्सर को निर्देश दिया कि संबंधित आवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए त्वरित निष्पादन करेंगे। बगेनगोला थाना क्षेत्र के पोखरहां निवासी वीरेन्द्र कुमार सिंह ने पैक्स के पूर्ण सदस्यता के लिए आवेदन दिया। जिसके आलोक में डीएम ने जिला सहकारिता पदाधिकारी के समक्ष अपील करने के लिए सुझाव दिया। साथ ही, जिला सहकारिता पदाधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

दिव्यांग राकेश ने राशन कार्ड के लिए दिया आवेदन

ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव निवासी बिहारी यादव ने आवेदन देकर बताया कि उन्होंने वंशावली बनाने के लिए आवेदन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिस पर डीएम ने ब्रह्मपुर नगर पंचायत के ईओ को विभागीय मार्गदर्शन के तहत उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। वहीं, रघुनाथपुर निवासी दिव्यांग राकेश कुमार ने राशन कार्ड बनाने की गुहार लगाई। जिसपर जिलाधिकारी ने डुमरांव एसडीओ को नियमानुसार अंत्योदय राशन कार्ड बनाने हेतु अविलंब कारवाई करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में ब्रह्मपुर मुसहर टोली के महादलित परिवार ने कब्रिस्तान घेराबंदी कराने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर डीएम ने स्थानीय सीओ को स्वयं जांच करते हुए नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने को कहा। उसके बाद भदवर गांव के रहने वाले अभय कुमार सिंह ने आवेदन देकर बताया कि नल जल योजना में कार्य के उपरांत उसका भुगतान नहीं किया गया। मामले में बीडीओ ने बताया कि इस संबंध में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के द्वारा भुगतान हेतु आदेश पारित है, राशि का हस्तांतरण शीघ्र कर दिया जाएगा। डीएम ने ब्रह्मपुर बीडीओ को तीन दिनों के अंदर राशि का स्थानांतरण कराने का फरमान जारी किया। इस दौरान प्राथमिक विद्यालय एकरासी की पंचायत शिक्षिका कुमारी मधुबाला राय ने बताया कि उनका वेतन कई दिनों से रोका गया है। जिस पर डीएम ने डीईओ व ब्रह्मपुर को आवेदक के द्वारा दिये गये आवेदन पर वस्तु स्थिति स्पष्ट करते हुए अद्यतन प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया।

परिवादों के निराकरण के लिए दिए निर्देश : राजस्व संबंधी परिवादों की अधिकता को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक सप्ताह में किसी दो दिन सभी राजस्व कर्मचारी संबंधित अंचल कार्यालय में उपस्थित रहेंगे, ताकि आम जनों के परिवादों का त्वरित निराकरण किया जा सके। भूमि सुधार उप समाहर्ता, बक्सर एवं डुमराव इसके लिए रोस्टर बनाते हुए कार्यों का अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। डीएम ने बीडीओ, मनरेगा पीओ, जीविका बीपीओ को निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायत योगियां में जीविका भवन को माह नवंबर 2024 तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। फिर बीडीओ व मनरेगा पीओ को निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायत पोखराहां में मध्य विद्यालय पोखराहा के परिसर में खेल मैदान 15 दिसंबर तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। डीएम ने जनता दरबार कार्यक्रम के दौरान प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी एवं लोक स्वास्थ्य प्रमंडल के कनीय अभियंता के बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण उनसे स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया।

जनप्रतिनिधियों ने पंचायतों की समस्याओं से कराया अवगत

जनता दरबार कार्यक्रम में मुखिया, वार्ड सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने डीएम को स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर डीएम ने त्वरित कार्रवाई हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया। इस दौरान सभी मुखियाओं से अपनी अपनी पंचायतों में स्वच्छता यूजर शुल्क की वसूली हेतु कार्रवाई करने का अनुरोध किया। ताकि सभी स्वच्छता कर्मियों का मानदेय का भुगतान सतत रूप से किया जा सके। वहीं, जनता दरबार में आम जनों के आवेदनों पर सुनवाई के उपरांत प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारियों को निम्न निर्देश दिए गए। सीओ ब्रह्मपुर को निर्देशित किया गया कि नगर भवन ब्रह्मपुर के लिए मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद से समन्वय स्थापित कर भूमि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि बीएओ द्वारा एनएच-922 के समीप कृषि योजनाओं को विकसित करने हेतु कोई अभिरुचि नहीं ली जा रही है। इस संबंध में डीएम ने उनसे स्पष्टीकरण करने देने आदेश दिया।

एक नजर

घटने लगा गंगा का जलस्तर, जलमग्न है कई इलाके, बाढ़ से घिरे इलाकों में कई स्कूल बंद

बक्सर। जिले में फिलहाल बाढ़ का खतरा कम हो गया है। गुरूवार से गंगा का जल स्तर कम होने लगा है। केन्द्रीय जल आयोग की रिपोर्ट की मानें तो गुरूवार की शाम गंगा का जल स्तर 60.27 मीटर आ गया था, जो खतरे के निशान से पांच सेमी कम है। वही, पिछले पांच घंटे में जल स्तर दो सेमी कम हुआ था। जल स्तर घटने से लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि अभी भी खतरा बना हुआ है। गंगा की प्रमुख सहायक नदियों सरयू, यमुना आदि में उफान जारी है। जिस कारण कभी भी जल स्तर बढ़ सकता है। इसे देखते हुए प्रशासन सजग है। इधर गुरूवार को भी चौसा, सिमरी, चक्की तथा ब्रह्मपुर प्रखंडो के दियारा क्षेत्र के कई इलाके जलमग्न है। जिस कारण लोगों की परेशनी बढ़ गई हैं बक्सर में गंगा घाटों के डूबने से सबसे अधिक परेशानी लोगों को शवदाह में हो रही है। मुक्तिधाम स्थित गंगा घाट भी बाढ़ में समा गया है। जबकि शेष इलाकों में लकड़ी बेचने वालों ने कब्जा जमा लिया है। इधर सिमरी व ब्रह्मपुर के साथ ही चक्की प्रखंडों के आधा दर्जन स्कूलों को बाढ़ से घिरने के कारण बंद कर दिया गया है। जिस कारण वहां छात्रों की अर्द्धवार्षिक परीक्षा बंद है। वहीं, दियारा इलाके के खेतों में पानी जमा होने से फसलों के नष्ट होने का खतरा बढ़ते जा रहा है। इस क्रम में गंगा नदी में बढे जलस्तर के मद्देनजर गुरूवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर में स्थलीय निरीक्षण किया गया एवं उपस्थित ग्रामीणों से स्थानीय समस्याओं को सुना। निरीक्षण के क्रम में डीएम को प्रबौद्धपुर एवं बलुआ घाट में कटाव होने की जानकारी मिली। उन्होंने ब्रह्मपुर सीओ को निर्देश दिया कि उक्त स्थल की अविलंब जांच कर उसका प्रतिवेदन उपलब्ध कराए, साथ ही निर्देश दिया कि कार्यपालक अभियंता, बाढ नियंत्रण प्रमंडल बक्सर को बाढ़ के संबध में अवगत कराते हुए कटाव को रोकने के लिए निरोधात्मक कार्य करेंगे। कार्यपालक अभियंता, बाढ नियंत्रण प्रमंडल बक्सर ने डीएम को बताया कि सभी असुरक्षित स्थलों पर सैंड बैग रखा गया है।

दानापुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन में ब्रेक बाइंडिंग से पहिये में लगी आग, मचा हड़कंप

बक्सर। दानापुर-डीडीयू रेलखंड पर बक्सर स्टेशन से पूर्व टुड़ीगंज स्टेशन व वी वी गिरी हाल्ट के बीच अप लाइन पर आ रही 12792 अप दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन में ब्रेक बाइंडिंग होने से पहिये में आग लग गई। इस आग की घटना से यात्रियों में हड़कम्प मच गया। इसकी जानकारी के बाद ट्रेन के चालक द्वारा इमरजेंसी ब्रेक लगा ट्रेन को रोका गया। ट्रेन के रुकते यात्रियों में हड़कम्प मच गया। इसकी सूचना कंट्रोल को दी गई। रेल कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, चालक व गॉर्ड ने मिलकर ब्रेक बाइंडिंग को छुड़ाया गया। तब जाकर ट्रेन को दुबारा चलाया गया। इस दौरान पीछे के स्टेशनों पर कई मेल एक्सप्रेस ट्रेन खड़ी रही। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर 12792 दानापुर- सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन आरा से बक्सर के लिए निकली थी। दोपहर 1 बजकर 28 मिनट पर टुड़ीगंज स्टेशन को पार करने के साथ ट्रेन के पहिये से अचानक चिंगारी निकलने लगी। चिंगारी देख यात्रियों में हड़कम्प मच गया जिन्होंने चिल्लाना शुरू कर दिया। आवाज गार्ड तक पहुंची। गॉर्ड व चालक ने नजदीकी स्टेशन को सूचित करने के साथ कंट्रोल को घटना की जानकारी दी गई। जिससे रेल कर्मियों में हड़कम्प मच गया। हालांकि, गार्ड व चालक ने ट्रेन के रसोईयान में लगे ब्रेक बाईंडिंग को छुड़ाया। इस दौरान लगभग आधा घण्टा लग गए। जिससे अप लाइन पर परिचालन ठप हो गया।

विक्षिप्त महिला को परिजनों को सौंपा

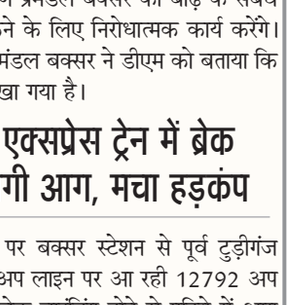

बक्सर। बुधवार को आरपीएफ बक्सर ने एक विक्षिप्त महिला को उसके परिजन से मिलवाया। आरपीएफ को रेल मदद रिफ्रेंस तथा मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष दानापुर से सूचना प्राप्त हुआ कि एक मानसिक रूप से बीमार महिला गाड़ी संख्या 12367 के कोच संख्या एस 4 के सीट नंबर 7 पर बैठी है। जो धनबाद जाने के लिए बोल रही है। उक्त सूचना पर बक्सर पोस्ट के अधिकारी और जवान के द्वारा गाड़ी संख्या 12367 को अटेंड कर ऑपरेशन डिग्निटी के तहत उक्त महिला को बक्सर पोस्ट पर उतार कर रखा गया। पूछने पर उक्त महिला ने अपना नाम टिया गोराई, उम्र 35 वर्ष, पति साधन गोराई, सकिन कापासड़ा मुग्मा, धनबाद, थाना मुग्मा जिला धनबाद बताया।उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए नंबर पर संपर्क कर परिजन साधन गोराई को सूचित किया गया। सूचना पर उक्त महिला की भगिनी जो पटना में रहती है, जिसका नाम पूर्णिमा गोराई, पे. भोला नाथ गोराई, सकिन निरसा, जिला धनबाद रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बक्सर पर उपस्थित हुई। उसने उक्त महिला ने अपनी भगिनी रूप में पहचान किया। जिनको उचित सत्यापन कर सही सलामत सुपुर्द किया गया।

सेंट्रल जेल में डीएम-एसपी का छापा हाई प्रोफाइल बंदियों की विशेष जांच

केटी न्यूज/बक्सर

गृह विभाग के निर्देश पर जिले के केंद्रीय कारा में डीएम-एसपी के संयुक्त रूप से औचक छापेमारी की गई। लगभग एक घंटे तक जेल के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई। इस छापेमारी के तहत हाई प्रोफाइल कैदियों पर विशेष नजर रही। लेकिन, कही से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद न हो सकी। हालांकि, इसके तहत केंद्रीय कारा अधीक्षक को इन कैदियों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया।

गृह विभाग के निर्देश पर हुई कार्रवाई : डीएम अंशुल अग्रवाल ने बताया कि गृह विभाग के निर्देश पर केंद्रीय कारा में छापामारी की गई है। जहा बन्द विशेष कैदियों पर विशेष जांच की गई। हालांकि , इस जांच के तहत कोई आपत्तिजनक सामग्री नही मिली है। वही, एसपी शुभम आर्य ने बताया कि जेल में छापेमारी का मुख्य उद्देश्य यह था कि जेल में बंद कैदियों खासकर हाई प्रोफाइल कैदियों की निगरानी की जाए। जिसके तहत विभिन्न वार्डों तथा अंडा सेल की भी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान जेल परिषद से कोई आपत्तिजनक वस्तु बराबर नहीं हुई है, लेकिन कारा अधीक्षक को बारीकी से निगरानी करते रहने का निर्देश दिया गया है।

इस अभियान में एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा, एसडीपीओ धीरज कुमार, कारा अधीक्षक, कारा उपाधीक्षक, जेल पुलिस व तकरीबन आधा दर्जन थानों की पुलिस मौजूद रही।

गवाह को मारने से पहले ही पांच अपराधी गिरफ्तार

- अवैध शराब की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई
- छापेमारी में शराब के साथ हथियार भी बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस की सजगता से एक बड़ी अपराधिक घटना टल गई। पुलिस ने अंतरजिला गिरोह के पांच कुख्यात अपराधियों को असलहे तथा कारतूस के साथ पकड़ा है। उनकी योजना कोर्ट में गवाही देने जाने से पहले ही एक व्यक्ति की हत्या करना था, लेकिन पुलिस की तत्परता से यह घटना टल गई। एसपी शुभम आर्य ने गुरूवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। पकड़े गए अपराधियों में से एक नाबालिग है ऐसे में उसे रिमांड हो भेजा जा रहा है, अन्य को न्यायालय के समस्त प्रस्तुत करते हुए जेल भेज दिया गया।

प्रेस वार्ता में एसपी ने बताया कि बुधवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मुफस्सिल थाना अंतर्गत पीसी कॉलेज के समीप बुटनी देवी के घर यादव पैलेस में स्थित मां बाल शारदा अस्पताल में अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। इस सूचना पर एसपी के निर्देश पर सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर उक्त स्थल पर छापेमारी की गई, जहां से पांच व्यक्तियों को पकड़ा गया। उनके पास से एक देसी कट्टा, दो कारतूस तथा 1.83 लीटर विदेशी शराब भी मिला।

पूछताछ में अभियुक्तों ने खोला राज : एसपी ने बताया कि जब पुलिस टीम ने अभियुक्तों से पूछताछ की तो अपराधियों ने बताया कि न्यायालय में लंबित किसी मामले में गवाही देने जाने से पहले ही एक व्यक्ति की हत्या करने की नियत से वे लोग यहां आए थे। इसके लिए इनलोगों ने सुपारी लिया था, लेकिन, समय रहते ही शराब की सूचना पर पहुंची पुलिस के हत्थे चढ़ गए। गिरफ्तार अभियुक्तों में रोहतास, भोजपुर तथा बक्सर जिले के भी अभियुक्त शामिल हैं। एसपी ने बताया कि जो लोग गिरफ्तार किए गए हैं उनमें बक्सर जिले के विक्रम इंग्लिश गांव निवासी श्रीभगवान सिंह के पुत्र राजकुमार, इटाढ़ी थाना क्षेत्र के मालिकौंधा गांव निवासी ठाकुर प्रसाद सिंह का पुत्र प्रिंस कुमार यादव, रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के डुमरा गांव निवासी मुन्ना सिंह का पुत्र प्रिंस कुमार, रोहतास जिले के ही नटवार थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी ठाकुर प्रसाद सिंह का पुत्र चंदेल लाल कुमार एवं भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र निवासी एक नाबालिग शामिल हैं।

जिलाधिकारी ने की लैंडफिल साईट समेत कई योजनाओं की समीक्षा, नगर निकायों के ईओ के साथ की बैठक

चयनित साइट पर ही हो कूड़ा डंपिंग, ईओ करें निगरानी: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

रामरेखा घाट पर स्थायी नियंत्रण कक्ष बनाने का दिया निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि रामरेखा घाट पर प्रायः मुंडन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर को निर्देश दिया कि रामरेखा घाट पर स्थायी नियंत्रण कक्ष बनाएं ताकि श्रद्धालुओं का सहयोग एवं भीड़ नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संधारण किया जा सके। साथ ही निकास मार्ग का सुदृढ़ीकरण कराने, सीसीटीवी एवं पब्लिक एड्रेस सिस्टम का अधिष्ठापन का निर्देश दिया गया। बैठक में सभी कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा का सतत निगरानी रखना सुनिश्चित करेंगे। कितने सीसीटीवी कैमरा लगाए गए है तथा कितने सीसीटीवी कैमरा क्रियाशील है, इसकी सूची अगली बैठक में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को अपने नगर निकायों में चौक चौराहों का जीर्णोद्धार, हाई मास्ट लाईट लगाने, स्ट्रीट लाईट लगाने उसका मरम्मती कराने आदि का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में नगर निकायों के लैण्डफिल साईट एवं नगर निकाय अंतर्गत संचालित योजनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में सर्वप्रथम कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय बक्सर, डुमरांव, इटाढी, ब्रह्मपुर के द्वारा बताया गया कि चयनित लैण्डफिल साईट पर कूड़ा डंप किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि चयनित साइट पर ही कूड़ा डंप करेंगे एवं इसका सतत अनुश्रवण करेंगे। जबकि चौसा नगर पंचायत के ईओ को निर्देश दिया गया कि अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र लैण्डफिल साईट का चयन करेंगे।

रात में ही कचरा उठाव का दिया निर्देश : बैठक के दौरान डीएम ने सभी कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जनहित में रात के समय ही सडकों से कचरा का उठाव कराए। ताकि सुबह में आमजनों को भ्रमण करने के दौरान साफ सुथरा वातावरण मिले। व्यवसायिक क्षेत्रों में भी रात्रि के समय कचरा उठाने का निर्देश दिया गया। साथ ही झाड़ूकश के द्वारा साफ सफाई कराने को कहा गया। अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया।

डीएम ने बक्सर नप के ईओ को निर्देश दिया कि शहर के मुख्य चौक चौराहों एवं महत्वपूर्ण स्थान से अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही प्राथमिकता के आधार पर चौक चौराहों का सौंदर्यीकरण कराने का निर्देश दिया गया।

स्मार्ट मीटर का विरोध पर बिजली कंपनी ने काट दी थी पूरे गांव की बिजली, लोगों में आक्रोश

72 घंटे तक अंधेरे में डूबा रहा मुकुंदपुर गांव डीएम के निर्देश पर मिली ग्रामीणों को बिजली

- पूरी रात अंधेर में गुजर बसर को मजबूर हुए ग्रामीण
- ग्रामीणों ने बिजली कंपनी को दी आंदोलन की चेतावनी

केटी न्यूज/सिमरी

पिछले 72 घंटे से सिमरी अंचल का मुकुंदपुर गांव अंधेरे में डूबा था। गुरूवार की शाम डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर बिजली कंपनी ने आपूर्ति बहाल किया। तब जाकर ग्रामीणों ने चैन की सांस ली। इसके पहले दिन में ग्रामीणों ने बैठक कर कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था तथा आंदोलन की चेतावनी दी थी। ग्रामीणों का नेतृत्व कर रहे बिट्टू यादव तथा शिक्षा विभाग के रिटायर्ड डीपीओ रहे परशुराम सिंह ने बताया कि सोमवार से ही लो वोल्टेज के कारण उनके गांव में बिजली आपूर्ति बाधित थी। लो वोल्टेज के कारण दो दिनों तक बिजली रहने के बाद भी उसका लाभ नहीं मिला था।

इधर बुधवार को बिजली कंपनी के जेई चंदन कुमार पूरे लाव लश्कर के साथ गांव में स्मॉर्ट मीटर लगाने पहुंच गए, जिसका ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। ग्रामीणों के विरोध के कारण बिजली कंपनी की टीम को बैरंग लौटना पड़ा। हालांकि, गांव से जाने के दौरान कंपनी कर्मियों ने पूरे गांव की लाइन काटने की चेतावनी दी थी और गांव से बाहर आते ही जंफर से तार छोड़ा लाइन काट दिया, जिससे गांव अंधेरे में डूब गया। बिजली के अभाव में ग्रामीणों की दिनचर्या गड़बड़ा गई थी। यहां तक कि उन्हें मोबाईल चार्ज करने के लिए भी दूसरे गांव में जाना पड़ा जबकि पेयजल के लिए भारी फजीहत का सामना करना पड़ा।

बोले ग्रामीण, अधिकांश लोगों के पास नहीं है स्मॉर्ट फोन, कैसे होगा मीटर रिचार्ज : वही बैठक में मौजूद ग्रामीण बिट्टू यादव, रिटायर्ड डीपीओ परशुराम सिंह, अकबर अली, रमेश यादव, बजरंगबली यादव, सुनील यादव, मोहन यादव के अलावे दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में सभी के पास स्मॉर्ट फोन तक नहीं है। गांव आज भी काफी पिछड़ा है तथा गांव के अधिकांश लोगों के जीविकोपार्जन का साधन मजदूरी है। ऐसे में लोग कैसे स्मॉर्ट मीटर का रिचार्ज करेंगे। बिट्टू ने कहा कि बिजली कंपनी के कार्यालयों से लेकर सभी सरकारी दफ्तरों में पुराना मीटर ही लगा है, जबकि उपभोक्ताओं से आर्थिक दोहन की नियत से स्मॉर्ट मीटर लगाने की साजिश रची जा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि कंपनी ने अपने इरादे नहीं बदले तो ग्रामीण उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

पुलिसिया जुल्म का शिकार रहा है गांव : बता दें कि वर्ष 2009 में इस गांव में सिमरी पुलिस ने तांडव मचाया था। पुलिस पर हमले के खिलाफ रात में पहुंची पुलिस टीम ने ग्रामीणों को बेरहमी से पिटा था। इसकी गूंज बिहार विधानसभा तक सुनाई पड़ी थी। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आना पड़ा था। तब यह गांव वर्षों तक सुर्खियों में रहा था। वही एक बार फिर से पूरे गांव की बिजली आपूर्ति ठप होने के बाद गांव चर्चा में आ गया है।

राजस्व वसूली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगाया जा रहा है स्मार्ट मीटर : जेई

इस संबंध में बिजली कंपनी नया भोजपुर प्रशाखा के जेई चंदन कुमार ने बताया कि मुकुंदपुर गांव के ग्रामीण विपत्र जमा नहीं करते है। उन्होंने कहा कि इस गांव के 20 प्रतिशत लोग भी विपत्र जमा नहीं कर रहे है। जिस कारण कंपनी को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। जेई ने कहा कि कई बार निर्देश देने के बाद भी अधिकांश ग्रामीण विपत्र जमा नहीं कर रहे थे। जिस कारण इस गांव में स्मॉर्ट मीटर लगाया जा रहा था, ताकी लोग जितनी बिजली का उपभोग करेंगे उसका पैसा पहले ही जमा कर देंगे। जेई ने कहा राजस्व वसूली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए स्मॉर्ट मीटर लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब हर जगह स्मॉर्ट मीटर लगाया जा रहा है। ग्रामीणों को इस चीज को समझना चाहिए।

ग्रामीणों ने आंदोलन का लिया निर्णय

इस गंभीर समस्या के प्रति गुरूवार को ग्रामीणों ने एकजुट हो बैठक की तथा बिजली कंपनी के खिलाफ आंदोलन का ऐलान भी किया। हालांकि, इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने सिमरी मध्य के जिला पार्षद केदार यादव को फोन कर यह जानकारी दी कि बिजली कंपनी ने पूरे गांव की बिजली काट दी है। इसके बाद जिप सदस्य ने तत्काल बिजली कंपनी के कार्यपालक पदाधिकारी से बात किया, लेकिन वे उन्हें कोई स्पष्ट जबाव नहीं दिए बल्कि टाल मटोल करने लगे। इसके बाद जिप सदस्य ने डीएम अंशुल अग्रवाल को फोन कर पूरे गांव की बिजली काटने की जानकारी दी। यह सुनते ही डीएम सख्त हो गए तथा तत्काल बिजली कंपनी के एजक्यूटिव ऑफिसर को तलब किए तथा उन्हें अविलंब गांव की लाइन जोड़ने का निर्देश दिए। डीएम के निर्देश के बाद बिजली कंपनी में शाम करीब पौने छह बजे आपूर्ति बहाल किया। आपूर्ति बहाल होने के बाद ग्रामीणों ने चैन की सांस ली।

एक नजर

13 ट्रक जब्त, सभी चालक गिरफ्तार

बक्सर। रेलवे स्टेशन के आगे तथा गुड्स यार्ड की जमीन पर बालू लदे ट्रकों के परिलचान की शिकायत पर आरपीएफ ने अभियान चला 13 ट्रकों को जब्त कर उनके चालक को गिरफ्तार कर रेल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया। रेलवे सुरक्षा बल ने रात के समय रेलवे माल गोदाम के रास्ते आने जाने वाले ट्रकों को जब्त किया। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि ट्रक चालक लापरवाही के साथ माल गोदाम के रास्ते लगातार ट्रक का परिचालन कर रहे थे। जिस चलते आए दिन जाम की समस्या रेल यात्रियों तथा रेलवे के माल की ढुलाई में होती थी। कई बार निर्देश देने के बाद भी ट्रक चालक मानने को तैयार नहीं थे। बुधवार की रात रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई किया गया। इस दौरान 13 ट्रक चालकों को धर पकड़ कर उन्हें अग्रिम कार्रवाई के लिए रेलवे कोर्ट आरा भेजा गया। रेलवे स्टेशन बक्सर पर आए दिन शाम होते ही ट्रकों का रात भर लाइन लग जाने की वजह से यात्रियों को स्टेशन पर आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण बहुत से यात्री जाम में फस जाते है । मालगोदाम सड़क के खराब होने की वजह से कई ट्रक रेलवे ट्रैक के ऊपर से भी गाड़ी पार करते है। जिसके वजह से दुर्घटना भी घटित हो सकती है। सुरक्षा को ध्यान में रख आरपीएफ बक्सर के निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के दिशा निर्देशन में अधिकारियों एवं स्टाफ द्वारा रेलवे माल गोदाम यार्ड से गुजरने वाले ट्रक चालकों के विरुद्ध रेल अधिनियम के तहत विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की गई।

भाजयुमो ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

बक्सर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 से 2 अक्टूबर तक भाजपा द्वारा सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरूवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा बक्सर के द्वारा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में रेडक्रॉस भवन पुलिस चौकी बक्सर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 25 युवाओं ने रक्तदान किया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में रेडक्रॉस के सचिव श्रवण तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में 80 से ज्यादा बार रक्तदान कर चुके भाई प्रियेश और युवा मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता अमित पांडेय उपस्थिति रहे। कार्यकर्म में जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, रक्तदान कार्यक्रम प्रभारी सह युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दुर्गेश विद्रोही और दोनों कार्यक्रम सह प्रभारी चंदन ओझा व आशु राय के अलावे मोर्चा के मल्लिकार्जुन राय, राहुल दुबे, अरविन्द पासवान, अभिषेक पाठक, चेतन पाठक, अमर पाठक, अक्षय ओझा, चन्दन ओझा व अन्य मौजूद रहे।

कचरा को कूड़ेदान में डालने का लिया संकल्प

केसठ। प्रखंड के पंचायत सरकार भवन केसठ में पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान के नेतृत्व में एवम बस स्टैंड स्थित जीविका कार्यालय में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत जीविका दीदियों को गुरुवार को संकल्प दिलाया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान और बीसी त्रिभुवन कुमार ने की। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में स्वच्छता का बहुत बड़ा महत्व है। इसलिए हमें अपने घर समेत आसपास की जगहों को साफ रखना है। इसके लिए कूड़े को निर्धारित कूड़ेदान में ही डालना है। ताकि गंदगियां नहीं फैलें। वही जागृति जीविका महिला संकुल संघ के जीविका दीदियों समेत अन्य कर्मियों ने कचरा को कूड़ेदान में रखने को लेकर संकल्प लिया। मौके पर स्वच्छता पर्यवेक्षक प्रदीप कुमार, संजय प्रसाद , दशहरी देवी, शांति देवी, धर्मेंद्र कुमार, सोनू कुमार, संतोष कुमार समेत अन्य जीविका दीदी मौजूद रही।

तीन पंचायतों के वार्डों में लगे ग्रामीण सोलर लाइट बंद

केटी न्यूज/डुमरांव

पंचायत को शहर की तरह बनाने के लिए सरकार योजनाओ को संचालित तो कर देती है। योजना धरातल पर आते ही दम तोड़ने लगती है। कारण योजनाओ के संचालन में हो रहे अनियमितताओं पर लगाम नहीं लग रहा है। एक माह पूर्व ही डुमरांव प्रखंड के सभी 14 पंचायत के 1 से 4 वार्डो में 10 सोलर लाइट मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर लाइट योजना के तहत लगाया गया है। इस योजना का उद्देश्य था कि सूर्य की रोशनी ढलने के साथ ही पंचायत की गलियां सोलर लाइट के दूधिया रौशनी से जगमग हो जाए।

प्रखंड क्षेत्र में प्रथम चरण के तहत लाइट को स्थापित किया गया है। लाइट लगाने के लिए सन एनर्जी को चयन किया है। लेकिन इस प्रखंड के आधा दर्जन से अधिक पंचायत के वार्डो में लगे लाइट लगने के 10 दिन

बाद ही बंद हो गए है। बंद लाइट को लेकर ग्रामीण में आक्रोश है। ग्रामीणों ने कहा की इसी तरह वर्ष 2011 में भी गांव की गलियों में लाइट लगाया गया था। जो एक दिन भी जला नहीं बंद हो गया। ग्रामीणों ने कहा कि यह लाइट भी उसी तरह का तो नहीं न लगा है। स्थानीय प्रखंड के मुंगाव पंचायत के वार्ड दो में लगे दो लाइट बंद है। उसी प्रकार कंझरुआ पंचायत के वार्ड 1,2 चुआड़ एवं कमधरपुर में भी लाइट बंद हो गया है। वही अरियाव पंचायत के नाटा डेरा में भी इस योजना के तहत लगा लाइट बंद पड़ा है। मुखिया इंदल सिंह, असगर अली ने कहा कि लाइट लगाने वाली कंपनी घटिया क्वालिटी का लाइट स्थापित किया है। जिसका बाजार में कीमत 15 हजार से भी कम है। लेकिन इस लाइट के लिए विभाग 37 हजार रुपया भुगतान करवा रहा है। मुखिया ने कहा कि लाइटों का तकनीकी जांच होना चाहिए। जांच में कई खामियां सामने आ सकती है। इस योजना में पूर्व में भी चारा घोटाला की तरह भ्रष्टाचार हुआ था।

लिखित शिकायत मिलने पर होगा कार्रवाई

“ मुख्यमंत्री ग्रामीण स्ट्रीट लाइट जिस पंचायत में बंद हुआ है वहां से कोई लिखित शिकायत नहीं मिला है शिकायत मिलने पर संबंधित कंपनी पर कार्रवाई की जाएगी।

– संदीप कुमार पांडेय, बीडीओ डुमरांव।

अकालूपुर गांव में बिजली चोरी करते 8 धराये, केस दर्ज

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के अकालूपुर गांव में बिजली विभाग के अधिकारियों ने बिजली चोरी रोकने को लेकर छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौंगाई के कनीय विद्युत अभियंता शैलेश कुमार ने किया। इस दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों ने आठ उपभोक्ताओं को अवैध रूप से बिजली चोरी करते हुए पकड़ा तथा उन पर जुमार्ना लगाते हुए स्थानीय थाने में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराया है। इस दौरान इन उपभोक्ताओं पर कुल 33 हजार 413 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। स्थानीय पुलिस ने बताया कि इन उपभोक्ताओं पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत मामले को दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

आधी कीमत पर वितरित किये जा रहे हैं गेहूं, चना, मसूर एवं मटर के बीज

केटी न्यूज, डुमरांव

कृषि विभाग ने रबी फसल की बुआई के लिए तैयारी शुरू कर दिया है। किसानों को उन्नत किस्म के बीज का वितरण प्रखंड कृषि कार्यालय से शुरू हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार बीज का वितरण 25 अक्टूबर तक किया कजाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन किसानों को करना जरूरी होगा। किसान परेशानी आने पर किसान सलाहकार और कृषि समन्वय से मदद लेकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। रबी फसल के मिलने वाले बीज में गेहूं, चना, मसूर और मटर का बीज शामिल है।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी गोपालजी प्रसाद ने बताया की गेहूं का बीज दो हेक्टेयर के लिए मिलेगा, वहीं चना, मसूर आधा एकड़ के लिए 8 किलो और चना के लिए 16 किलो दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा गेहूं का बीज 2 क्वींटल तक किसानों को दिया जा रहा है। बीज किसानों को 50 प्रतिशत अनुदानित दर पर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया की किसान अपने से ऑनलाइन आवेदन दे सकते हैं, यदि कोई परेशानी हो तो कृषि समन्वयक और कृषि समन्वयक से संबंध स्थापित कर ऑनलाइन आवेदन करा सकते हैं। कृषि सलाहकार राजीव रंजन, मृत्युंजय मिश्रा, दीलीप, मनीष, हरिभगवान, जीतेन्द्र, अमरीश को किसानों से जानकारी लेकर उन्हें बीज वितरण की जानकारी दे रहे हैं। कृषि विभाग द्वारा किसानों को इस तरह की सहुलियत मिलने से किसानों में काफी खुशी है। अबतक तो बीज का वितरण समान्य रूप से किया जा रहा है।

तकिया मोहल्ले में सफाई व्यवस्था दुरूस्त नहीं होने से नमाजियों को हो रही परेशानी

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में की सफाई व्यवस्था चरमरा कर रह गई है। रोड पर कूड़े का अंबार दिखाई पड़ता है तो मोहल्लों की नालियां कूड़-कचरे से भरकर जाम हो गई हैं। नगर के तकिया मोहल्ला के नमाज पढ़ने के लिए जाने रास्ते में कूड़े का जहां ढेर लगा हुआ है, वहीं नाली कचरे भरा हुआ है। नाली भर जाने से पानी का बहाव अवरूद्ध हो गया है, जिससे रोड पर कभी भी पानी बहकर आ सकता है।

मालूम हो कि सफाई व्यवस्था पर प्रतिमाह नप 46 लाख रूपया खर्च करता है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि कूड़ा का उठाव डोर टू डोर प्रतिदिन करना है, लेकिन सप्ताह में दो दिन से ज्यादा नहीं होता है।

दरवाजे पर कूड़ा रखे-रखे फैलना शुरू हो जाता है। वहीं पॉलीथीन में रखा कूड़े को रात्रि में जानवर आकर चारोतरफ पैल देते हैं, जिससे परेशानी बढ़ जाती है। इस संबंध में जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया की इसकी जानकारी लेकर सफाई एनजीओ से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। सुधार नहीं हुआ तो राशि में कटौती की जाएगी। बहरहाल आगे जो भी इस समय नगरवासी परेशानी झेल रहे हैं।

डुमरांव बीडीओ का निर्देश जारी: पंचायतों में बने आरटीपीएस की अब माह में चार बार होगी जांच

केटी न्यूज/डुमरांव

पंचायत स्तर पर विकासात्मक कार्यों को त्वरित गति देने और लोगो की समस्या के समाधान के लिए कई प्रकार की कार्य योजना तैयार की जाने लगी है। साथ ही इसके लिए पंचायती राज व्यवस्था को भी सशक्त बनाए जाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर पंचायती राज व्यवस्था के सशक्त व मजबूत होने पर इसका सीधा असर प्रखंड व जिला मुख्यालय से संपादित किए जाने वाले कार्यों पर पड़ेगा।

वहीं, इससे स्थानीय नागरिकों को भी सहूलियत होगी। स्थानीय स्तर पर ही हर प्रकार की समस्या का त्वरित गति से निष्पादन होने से लोगो को लाभ प्राप्त होगा। इसके लिए प्रखंड

विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पाण्डेय के द्वारा पत्र भी जारी कर दिया गया है। पत्र में बीडीओ ने सख्त निर्देश दिया है की सभी पंचायत के कार्यपालक सहायक, तकनीकी सहायक, कृषि समन्वयक एवं एनी पंचायत से जुड़े कर्मियों को अपने-अपने पंचायत में रोस्टर के अनुसार उपस्थित होना आवश्यक है। अगर कोई उपस्थित नही होते है उनपर कार्यवाई भी होगा।

रोस्टर के मुताबिक कार्यरत कर्मियों की होगी जांच : सभी कर्मियों को पंचायत सरकार भवन पर रोस्टर के मुताबिक अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इसमें राजस्व कर्मचारी एक दिन, पंचायत सचिव दो दिन, ग्राम कचहरी सचिव प्रतिदिन, तकनीकी सहायक तीन दिन, लेखापाल दो दिन, कार्यपालक सहायक प्रतिदिन, पंचायत रोजगार सेवक तीन दिन, आवास सहायक तीन दिन, विकास मित्र प्रतिदिन व किसान सलाहकार तीन दिन मौजूद रहेंगे। बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों पर कार्रवाई होगी। जिला स्तर से भी अधिकारियों की ओर से औचक निरीक्षण किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान कार्य क्षेत्र से अनुपस्थित रहने पर अनिवार्य रूप से कार्रवाई की जाएगी

भोजपुर जदीद पैक्स बैंक मामले में आखिरकार बीसीओ ने लिया संज्ञान

बीसीओ ने मांगी नया भोजपुर पैक्स के खाताधारकों की सूची

केटी न्यूज/डुमरांव

- प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी ने तीन दिनों के अंदर सूची देने का दिया निर्देश
- अधिकारी के हस्तक्षेप से लोगों में जगी आस

नया भोजपुर में पैक्स के माध्यम से संचालित बैंक में खाताधारकों की बाधित बकाया राशि के भुगतान को लेकर चल रहे विवाद पर आखिरकार बीसीओ जयवर्धन सिंह ने संज्ञान लिया है। बीसीओ पहली बार बैंक संदर्भ में जानकारी लेने के लिए न सिर्फ नया भोजपुर पहुंचे बल्कि पैक्स अध्यक्ष मेराज खान तथा बैंक प्रबंधक सेराज कुरैशी से वार्ता कर बैंक के सभी खाताधारकों की सूची उपलब्ध कराने की निर्देश दिया। इसके लिए उन्होंने बैंक प्रबंधन को तीन दिनों का मोहलत देकर बैंक के खाता धारकों की सूची तलब की है। उन्होंने पूछा है कि कितने खाताधारकों को कितना राशि का ऋण बैंक से दिया गया है तथा कितने खाताधारकों को किस मद में कितनी राशि का भुगतान करना बाकी है। उन्होंने सभी जमा एवं बचत योजनाओं तथा बैंक द्वारा की गई ऋण योजनाओं की अलग-अलग सूची मांगी है। बीसीओ ने बताया कि बैंक प्रबंधन को ऋण राशि की वसूली में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। जिससे लंबे समय से प्रतीक्षारत जरूरतमंद खाताधारकों को तत्काल पैसा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि बैंक प्रबंधन द्वारा दिए गए सूची के आलोक में जरूरी होने पर अलग-अलग जांच प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिससे यह पता चल सकेगा की बैंक प्रबंधन द्वारा दी गई सूची में कोई गड़बड़ी तो नहीं है। उन्होंने उम्मीद व्यक्त किया कि बैंक द्वारा दी गई ऋण राशि की वसूली से खाताधारकों का बकाया राशि के भुगतान के बाद सब कुछ ठीक ही हो जाएगा।

उधर पैक्स अध्यक्ष मेराज खान ने बताया कि प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी तथा नया भोजपुर थाना अध्यक्ष द्वारा बैंक के सभी खाताधारियों की सूची मांगी गई है। जिसमें जमाकताओं तथा ऋण प्राप्त कताओं का नाम अलग-अलग देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि निर्धारित समय पर सूची दोनों पदाधिकारी को दे दी जाएगी। दूसरी तरफ पदाधिकारियों के हस्तक्षेप होने के बाद खाता धारकों को बकाया राशि मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

रिटायर सैनिकों के बीच चलाया गया स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/जहानाबाद

♦ नौवीं बिहार बटालियन बिहार रेजिमेंट अपनी 60वीं वर्षगांठ समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित किया अभियान

भारतीय सेना के नौवीं बिहार बटालियन रेजिमेंट ने पूर्व सैनिक एवं वीरांगनाओं का हाल चाल लेने एवं स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूक किया गया। इसके लिए नौवीं बिहार बटालियन बिहार रेजिमेंट अपनी 60वीं वर्षगांठ समारोह के उपलक्ष्य में योजना संबंध कार्यक्रम 10 दिन का चला रहा है जिसकी शुरुआत गुरुवार को काको में की गई। सैन्य दल में शामिल हवलदार अरुण कुमार एवं उनके सहयोगी ने बताया की बिहार रेजिमेंट ने एक छोटे छोटे सैन्य दल कई राज्यों में भेजें है हमलोगो को बस एक ही मकसद है की हमारा नौवीं बिहार रेजिमेंट के पूर्व सैनिक जो रिटायर्ड होकर घर आ गए है उन्हे तथा उनके परिवारजनों से मिलकर उनसे संवाद कर उनकी समस्याओं को निवारण किया जा सके। और साथ हीं सेना के परिवार कल्याण समिति द्वारा चलाए जा रहे लाभकारी योजनाओं के बारे में सही जानकारी देंगे। यह अभियान विहार रेजिमेंट के अधिकारी अरुण कुमार के नेतृत्व में एवं लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष पोखरियाल के निर्देशन में चलाया जा रहा है। योजना संबंध कार्यक्रम के तहत नौवीं बिहार बटालियन बिहार रेजिमेंट के दो सदस्य काको पहुंचे और पूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं से संपर्क स्थापित कर उनके घरों पर जाकर उन्हें योजना संबंध कार्यक्रम के बारे में बताया एवं सरकार से मिलने वाली लाभों के बारे में जानकारी जुटाई।

आर्मी के अधिकारियों ने परिजनों से किया भेंट

इस पर काको पहुंचे अधिकारी अरुण कुमार ने बताया की नौवीं बिहार बटालियन बिहार रिजिमेंट 15 अक्तूबर 1965 में पहली बार बना था इस उपलक्ष्य में हमारा नौवीं बिहार बटालियन बिहार रेजिमेंट 12 नवंबर से 16 नवंबर तक अपनी 60वीं वर्षगांठ मेरठ में मनाने जा रहे है। इस बीच अधिकारी अरुण कुमार ने बताया की जिले के मखदुमपुर, टेहटा,जहानाबाद, काको,घोसी समेत कई जगहों पर पहुंचकर दर्जनों पूर्व सैनिक एवं उनके परिवार से मिला। उन सभी से आग्रह किया कि आप सचेत होकर रहेंगे। तब आप खुद भी सुरक्षित रहेंगे। साथ ही आसपास के लोग भी स्वस्थ्य रहेंगे। जागरूकता के अभाव में कई लोग बीमार हो जाते है। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि किसी भी बीमारी का तत्काल इलाज के लिए प्राथमिक उपचार करें। इसके बाद स्वस्थ्य नहीं होने पर तत्काल बड़े अस्पताल की ओर रूख करें। इस दौरान आर्मी के अधिकारियों ने रिटायर फौजी व उनके परिजनों से संपर्क स्थापित कर उनके स्वास्थ्य सेवा के बारे में पूरी जानकारी ली। यह पूरा विश्वास दिया गया कि रिटायर होने के बाद फौजी भाई व उनके परिजनों को छोड़ा नहीं गया है। बल्कि पूरी फौज उनकी सेवा में हमेशा तैयार है। उन्हें हर तरह की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसमें कमी नहीं होगी।

एक नजर

ग्रामीण इलाकों में लोगों की सुविधा के लिए दो टीका केंद्र का हुआ उद्घाटन

तिलौथू। प्रखंड क्षेत्र में नियमित टीकाकरण को लेकर प्रभारिक प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर डी एन प्रसाद ने दो केंद्रों का उद्घाटन किया है। जिसमें हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर सरैया एवं हुरका शामिल है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ डीएन प्रसाद ने बताया कि इन केंद्रों पर सप्ताह में 3 दिन सोमवार, मंगलवार व गुरुवार को टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जहां गर्भवती महिलाएं एवं जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों को सभी प्रकार के टीके दिए जाएंगे। वही स्वास्थ्य प्रबंधक अमरेंद्र कुमार लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप लोग अपने परिवार व बच्चों के टीकाकरण के लिए इन दोनों केंद्र का अधिक से अधिक लाभ उठाने का प्रयास करें। इन जगहों पर आधुनिक सुविधाओं से लैस टीकाकरण केंद्र में बेहतर सेवा उपलब्ध होगी। मौके पर बीसीएम निक्की कुमारी, सीएचओ मनीषा किस्को, नेहा कुमारी, एएनएम कांति सिंह, बबिता कुमारी, श्रवण चौधरी आदि उपस्थित थे।

पटना-गया रेलखंड पर कार और ट्रेन के बीच टक्कर, गाड़ी से कूदकर बचाई जान

जहानाबाद। पटना-गया रेलखंड पर भीषण हादसा हो गया। ट्रेन से एक कार टकरा गयी। कार सवार ने गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचायी। घटना जहानाबाद और नदौल स्टेशन के बीच सलेमपुर गांव स्थित अवैध रेलवे क्रॉसिंग की है जहां एक रेलवे लाइन पार करने के दौरान कार ट्रैक में फंस गया तभी अचानक ट्रेन आ गई। गनीमत यह रही कि कार सवार सभी लोग ट्रेन को देखते ही किसी तरह से कार से कूद गये। जिसके बाद ट्रेन के टकराने के बाद कार रेलवे ट्रैक के पास गड्ढे में जा गिरा। कार में कुल चार लोग सवार थे अचानक कार से कूदने से सभी घायल हो गये। जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय लोगों ने जहानाबाद सदर अस्पताल पहुंचाया। घायल ने बताया कि हम लोग इस रास्ते के बारे में बिल्कुल अनजान थे। हमलोग पहली बार इस रास्ते से जा रहे थे और हमें इस बात का जानकारी नहीं थी। अंजान रास्ता रहने के कारण कार रेलवे ट्रैक में जाकर फंस गया और इसी बीच में ट्रेन आ गई। किस्मत अच्छी थी की ट्रेन आते हम लोगों ने देख लिया और गाड़ी से कूद गये। तब जाकर जान बची। ट्रेन से टकराने के बाद गाड़ी क्षतिग्रस्त होकर एक गड्ढे में जा गिरी।

पुलिस ने चोरी की हुई ऑल्टो कार को मध्य विद्यालय नटवार के कैम्पस से किया बरामद

दिनारा। नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत मउ-डीहरा गांव से बीते दिन 17 सितंबर को अज्ञात चोरों के द्वारा ऑल्टो कार की चोरी कर ली गई थी । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत मउ-डीहरा निवासी श्रीराम ओझा अपने गांव के मुख्य सड़क पर 17 सितंबर विश्वकर्मा पूजा दिन पूजा करने के उपरांत अपनी कार को खड़ा कर घर चले गए । जब वे अपने घर से बिक्रमगंज लौटने के वास्ते अपनी गाड़ी के पास आये तो देखा कि उक्त स्थल पर उनकी ऑल्टो कार नही थी । उस वक्त घटना को देख श्रीराम ओझा सन्न हो गए। उस वक्त श्रीराम ओझा अपने सपरिवार के साथ अपनी गाड़ी की खोजबीन में जुट गए लेकिन कहीं से कोई सुराग नहीं मिला। तत्पश्चात उनके द्वारा गाड़ी चोरी की सूचना स्थानीय पुलिस को दूरभाष के माध्यम से दी गई । तत्पश्चात चोरी की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई । उक्त मामले में पीड़ित द्वारा गाड़ी चोरी की घटना के संदर्भ में एक लिखित आवेदन स्थानीय थाना में दी गई । जब इस घटना के संदर्भ में नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार से ली गई तो बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत मउ-डीहरा गांव से श्रीराम ओझा के ऑल्टो कार को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई है । जिस मामले में पीड़ित के द्वारा लिखित आवेदन थाना में दी गई है । मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए कांड दर्ज कर चोरी की गई गाड़ी को खोजबीन करने के लिए स्थानीय पुलिस की गश्ती की गाड़ी घूमने लगी । थानाध्यक्ष ने बताया कि चोरी की गई ऑल्टो कार को बुधवार की देर शाम थाना क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय नटवार कैंपस के अंदर से पुलिस ने बरामद कर लिया।

जिनवाणी मैनेजमेंट कॉलेज में लगा दो दिवसीय रोजगार मेला, छात्र-छात्राओं ने लिया भाग

आरा। स्थानीय जिनवाणी मैनेजमेन्ट कॉलेज में दो दिवसीय रोजगार मेला 2024 का भव्य उद्घाटन लाल दास राय, भाई ब्रह्मेश्वर, बी.डी. सिंह, सहित कॉलेज के चेयरमैन डॉ. आदित्य बिजय जैन, डॉ.सीपी जैन, डॉ. हर्षित जैन, अरिहन्त एवं सिद्ध बिजय जैन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि स्वरूप पधारे पूर्व विधान पार्षद लाल दास राय ने उपस्थित जन समूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज भोजपुर जिला के युवाओं में कुशलता की कमी नहीं है। युवाओं को अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए संस्कार के साथ प्लानिंग करते हुए कुशलता के साथ धैर्य रखते हुए काम करना चाहिए। मौर्या होटल पटना के महा प्रबन्धक बीडी सिंह ने युवाओं को कहा कि आप केवल अच्छी और अधिक वेतन वाली नौकरी के लिए ही न रहें, बल्कि जानकारी के लिए काम करें। आज आप जो भी काम करते हैं उसके लिए अच्छा सोंचे साथ ही उंचा सोंचे। प्रबन्धन का सिधान्त बताते हुए कहा कि कोई भी कार्य स्टेप बाई स्टेप करना चाहिए। एक एक सीढ़ी आगे बढ़ना श्रेयष्कर होता है। भाई ब्रम्हेश्वर ने अपने उद्गार में कहा कि भोजपुर जिला के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है।

खबरें फटाफट

ट्रांसफार्मर चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के कोल्हा टोला के पास बिक्रमगंज-नटवार मुख्य सड़क पर गुरुवार की दोपहर विद्युत ट्रांसफार्मर चोरी करते दो चोरों को स्थानीय लोगों द्वारा पकड़ा गया। इसकी सूचना विद्युत विभाग को दी गई। स्थल पर पहुंचे विद्युत कर्मियों ने दोनों युवकों को ट्रांसफार्मर कर बताते हुए थाना को सूचना दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दी। थाना अध्यक्ष ने बताया कि काराकाट थाना क्षेत्र के बीलवाई निवासी हीरालाल यादव का पुत्र रोहित कुमार और जून ही महावीर टोला निवासी पिंटू शाह का पुत्र सूरज कुमार को स्थानीय लोगों ने 63 केवीए का ट्रांसफार्मर खोल कवाल निकाल कर टेंपो पर रखने का प्रयास किया जा रहा था। स्थानीय लोगों को पूछे जाने पर दोनों अपने को विद्युत विभाग का कमी बता रहे थे। परंतु संदेह होने पर इसकी सूचना विद्युत विभाग को दी गई। कर्मियों ने पहचान कर उन्हें पुलिस के हवाले किया। बताते चलें कि इसके पूर्व में भी इन युवकों द्वारा कई ट्रांसफार्मर की चोरी की गई है। सबके बारे में जानकारी ली जा रही है।

रिविलगंज व सदर प्रखंड के 35 गांव को बाढ़ के पानी ने घेरा

छपरा शहर के निचले इलाके में घुसा बाढ़ का पानी, बढ़ी परेशानी

♦ गांव में 5 से 15 फीट तक पानी फैल गया
♦ शहर के नगर पालिका चौक, नगर निगम व कलेक्ट्रेट परिसर में भी पानी घुस गया

केटी न्यूज/छपरा

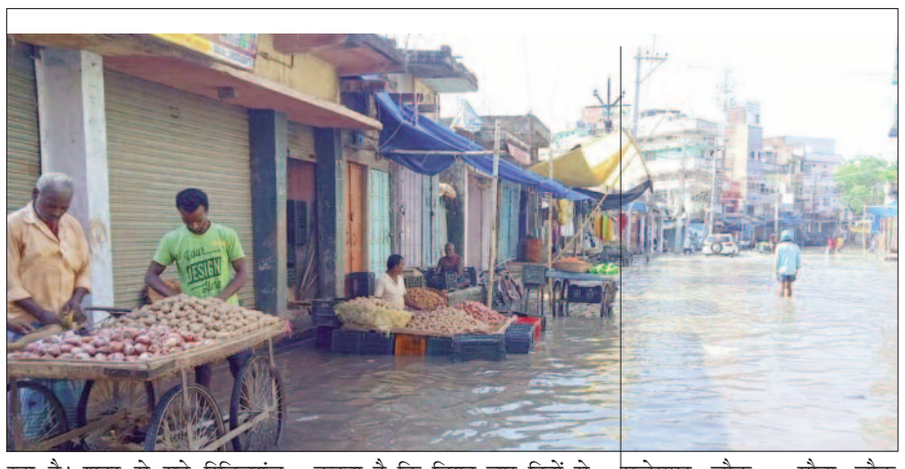

नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के कारण छपरा शहर के निचले इलाके में बाढ़ का का पानी अब रिहायशी इलाकों में घुस गया है। रिविलगंज प्रखंड और सदर प्रखंड के 35 गांव को बाढ़ के पानी ने घेरा लिया है। गांव में 5 से 15 फीट तक पानी फैल गया। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग अपने-अपने घरों के छत और ऊंचे स्थानों पर शरण लिए हुए हैं। चार दिनों से लगातार सरयू नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। शहरी क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से में बाढ़ का कर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। शहर से सटे रिविलगंज प्रखंड के दीलिया रहीमपुर पंचायत सहित नगर निगम के कई वार्ड में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। जिससे लोगों को खास परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चार दिनों से बाढ़ में गिरे होने के बावजूद भी अभी तक जिला प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जिसको लेकर बाढ़ पीड़ित लोगों में बेहद आक्रोश देखने को मिल रहा है। बाढ़ से प्रभावित लोगों का कहना है कि विगत चार दिनों से जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। घर में खाने को न अन्न है और ना पीने के लिए साफ पानी। बावजूद इसके जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। छत पर सभी लोग शरण लिए हुए हैं। अत्यधिक पानी बढ़ जाने से जहरीले कीड़े मकोड़े का भी खतरा बढ़ गया है। बिजली नहीं होने से रात के अंधेरे में और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इधर छपरा में शहर के सलेमपुर चौक , मौना चौक सरकारी बाजार तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। शहर के नगर पालिका चौक, नगर निगम व कलेक्ट्रेट परिसर में भी पानी घुस गया है। शहर के कई मुख्य पथों पर नाला के माध्यम से बाढ़ का पानी घुसने लगा है। साहेबगंज मौना चौक सब्जी मंडी, सलेमपुर रोड, बूटन बारी, डीएवी गली, साहेबगंज सोनार पट्टी समेत अन्य हिस्सों में बाढ़ का पानी फैलने लगा है।

चाची के दाह संस्कार में गए भतीजे की नदी में डूबने से मौत

आरा। भोजपुर जिले के इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा गांव स्थित तेलहर नदी में डूबने से चाची के दाह-संस्कार में गए भतीजे की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक इमादपुर थाना क्षेत्र के बिहटा गांव निवासी छेदी राम का 40 वर्षीय पुत्र नन्हक डोम है एवं वह पेशे से मजदूर था। इधर मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि सोनी देवी की मौत हो गई थी। गुरुवार की सुबह उसी का दाह-संस्कार करने के लिए सभी लोग बिहटा गांव स्थित तेलहर नदी के किनारे गए थे। जहां दाह-संस्कार करने के बाद जब उसका चचेरा भाई नन्हक डोम तेलहर नदी में स्नान करने गया। तभी पानी अधिक गहरा होने के कारण वह उसमे डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद वहां मौजूद ग्रामीणों के सहयोग से उसके शव पानी से बाहर निकला गया। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने छह भाई में चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में पत्नी पूनम देवी व पांच पुत्र करण, अर्जुन, विशाल, मुतन, छोटू एवं एक पुत्री तेतरिया है।

पुलिस ने अंतर जिला लुटेरा गिरोह का किया पदार्फाश, छह गिरफ्तार

♦ लूटे गए मोबाइल और लैपटॉप के साथ- साथ दो देसी कट्टा और छह गोली बरामद
♦ आने जाने वाले राहगीरों को बनाते थे अपना निशाना

केटी न्यूज/ जहानाबाद

पुलिस ने एक अंतर जिला लुटेरा गिरोह का का पदार्फाश करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के पास से लूटे गए एक लैपटॉप तथा मोबाइल की बारामदगी की गई है। गिरफ्तार लुटेरों के पास से दो देसी कट्टा और छह कारतूस की बरामदगी भी की गई है। एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने मामले का उद्वेदन करते हुए बताया कि लूट तथा चोरी की घटना को लेकर एक टीम का गठन घोसी एसडीपीओ के नेतृत्व में की गई थी। जिसके आधार पर यह गिरफ्तारी हो सकी। गिरफ्तार लोग राह चलते राजगीरों को अपना निशाना बनाते थे। उन्होने बताया की घोसी एसडीपीओ तथा उसी थाने की पुलिस अधिकारियों ने तकनीकी आधार पर इन लूटेरो तक पहुंचे और गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार लोगों के पास से लूटे गए एक लैपटॉप के साथ-साथ आठ मोबाइल बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि आठ मोबाइल में से एक मोबाइल लूट का है। उन्होंने बताया की सभी गिरफ्तार लोग घोसी तथा सीमावर्ती नालंदा जिले के इलाके में अपने करतूत को अंजाम देते थे। मामले का उद्भेदन करते हुए एसपी ने बताया कि पिछले महीने में घोसी इलाके से लैपटॉप तथा एक शिक्षक की मोबाइल की लूट हुई थी। बरामद सामानों में से लैपटॉप और वह मोबाइल भी शामिल है। उन्होंने बताया कि हम लोग फिलहाल गिरफ्तार लोगों के आपराधिक रिकार्ड को खंगाल रहे हैं। नालंदा जिले से भी इन लोगों के बारे में आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी हासिल की जाएगी। उन्होंने कहा कि उद्भेदन में शामिल पुलिस अधिकारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए वरीय पदाधिकारियों को पत्र लिखा गया है। गिरफ्तार लोगों में घोसी थाना क्षेत्र के गोड़सर निवासी मंशु कुमार, रोशन कुमार, नालंदा जिले के एकंगरसराय थाना क्षेत्र के मोसिमगंज निवासी नीतीश कुमार तथा घोसी थाना क्षेत्र के गराई निवासी शंकर कुमार, गुलशन कुमार तथा रवि कुमार शामिल है।

ज्ञान के मार्ग पर चलने वालों को मिलती है कामयाबी : डीएम

सासाराम। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय स्टार्टअप कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में स्टार्टअप की बहुत सारी संभावनाएं हैं, जरूरत है एक सही दिशा निर्देश की और इस क्षेत्र में हमारे होनहार छात्रों को प्रवेश करने की। उन्होंने गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आईआईटी मंडी के विद्वान उत्प्रेरकों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बहुत ही सराहनीय कदम है और उनके द्वारा भविष्य में जो यहां स्टार्टअप के प्रोजेक्ट हेतु कार्य किए जाने हैं , निश्चित रूप से बिहार के युवाओं को एक सही दिशा प्रदान करेगी एवं प्रदेश के साथ-साथ देश का भी नाम रोशन होगा। इस अवसर एसडीओ सूर्य प्रताप सिंह, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गोपाल नारायण सिंह ,सचिव गोविंद नारायण सिंह एवं हिमाचल प्रदेश आईआईटी मंडी के महाप्रबंधक अनिल कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डीएम उदिता सिंह ने बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए स्टार्टअप से जुड़े लोगों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की।

निजी स्कूल वाहन ने शौच करने जा रहे बुजुर्ग को मारी टक्कर, मौत

♦ बगेन थाना क्षेत्र के अकौढ़ी गांव के समीप हुई घटना
♦ गंभीर रूप से जख्मी वृद्ध को ले जाया गया अस्पताल, डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

केटी न्यूज/आरा

बक्सर जिला के बगेन थाना क्षेत्र के अकौढ़ी गांव स्थित मेन रोड पर गुरुवार की सुबह निजी स्कूल वाहन ने शौच करने जा रहे कारपेंटर को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक बक्सर जिला के बगेन गोला थाना क्षेत्र के अकोरही गांव निवासी स्व.सीता शर्मा के 59 वर्षीय पुत्र ललन शर्मा है एवं वह पेशे कारपेंटर थे। इधर मृतक के परिजन ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह शौच करने के लिए मेन रोड पड़कर बधार की ओर जा रहे थे। उसी दौरान पीछे से आ रही निजी स्कूल वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए रघुनाथपुर पीएचसी ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी हालत को चिंताजनक देखते हुए आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी गई। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने मां-बाप की इकलौते चिराग थे। उनके परिवार में पत्नी धर्मशिला देवी,चार पुत्री पूजा देवी, मंजू देवी,संध्या कुमारी,सोनी कुमारी व दो पुत्र रवि शर्मा एवं पवन शर्मा है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी धर्मशाला दिन परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दूसरी ओर वाहन चालक गाड़ी लेकर भागने में कामयाब हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

कृषि विज्ञान केंद्र गंधार में धान, मक्का, मुंगफली के बीजों पर किया शोध

कृषि वैज्ञानिकों ने तकनीकी खेती पर दिया जोर

केटी न्यूज/जहानाबाद

मोदनगंज प्रखंड क्षेत्र के कृषि विज्ञान केंद्र गंधार में जिला के कृषि से सम्बंधित अधिकारियों ने भ्रमण किया। इस अवसर पर केंद्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ मुनेश्वर प्रसाद ने बताया कि केन्द्र प्रक्षेत्र में जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के अंतर्गत दीर्घकालिन प्रायोगिक प्रक्षेत्र में रेज्डवेड तकनीक से मूंगफली, मक्का, मडुआ का प्रत्यक्षण किया गया। धान फसल में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन के लिए ग्रीन सीकर यंत्र के इस्तेमाल से नाइट्रोजन की मात्रा का आंकलन किया जाता है। धान की सीधी बुआई एवं क्रमबद्ध गिला सूखा सिचाई विधि का प्रत्यक्षण भी लगाया गया है। ई जितेन्द्र कुमार वैज्ञानिक कृषि अभियंत्रण ने प्रयोग किए जा रहे विभिन्न कृषि यंत्रों की उपयोगिता के बारे मे मौजूद अधिकारियों को बताया। इस मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी संभावना एवं पूरी टीम उपरोक्त तकनीकों के प्रत्यक्षणों की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु अनुकूल खेती के लिए यह सभी तकनीक काफी उपयोगी सिद्ध होगा। इससे समय पर खेती के साथ साथ लागत में भी बचत होगा। साथ ही किसानों को कम लागत में अच्छी पैदावार होगी। यह फसलें किसानों को आर्थिक मदद करेंगी। यह सीधे तौर पर किसानों को आगे बढ़ने में मदद करेगा। भ्रमण टीम में सहायक निदेशक शस्य प्रक्षेत्र इंदु सिन्हा, सहायक निदेशक भूमि संरक्षण रामलखन ठाकुर,उप परियोजना निदेशक आत्मा राकेश कुमार,उप निदेशक कृषि अभियंत्रण अजित कुमार,अनुमंडल कृषि पदाधिकारी नेहा सहित कृषि विज्ञान केंद्र के सभी वैज्ञानिक एवं कर्मी मौजूद थे।

मारपीट में आंगनबाड़ी सेविका समेत तीन जखमी

जहानाबाद। मखदूमपुर थाना क्षेत्र के बाला बिगहा गांव में संपति विवाद में गोतिया ने घर पर चढ़कर मारपीट कर दिया। घटना में आंगनबाड़ी सेविका समेत तीन लोग घायल हो गए है। घायलों में आंगनबाड़ी सेविका इंद्रा कुमारी ,पुत्र मनीष कुमार एवं पुत्री सोनी कुमारी शामिल है। घायलों को पुलिस सहायता वाहन 112 नम्बर के सहयोग से रेफरल अस्पताल मखदूमपुर लाया गया। जहाँ चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार किया है। घायल आंगनबाड़ी सेविका इंद्रा कुमारी ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ घर पर थी।

काराकाट में स्वच्छता ही सेवा अभियान का हुआ शुभारंभ, किया गया श्रमदान

केटी न्यूज/काराकाट

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत प्रखंड क्षेत्र के सोनवर्षा और किरही पंचायत में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । जिसका नेतृत्व प्रखंड समन्वयक आलोक आनंद ने किया । कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मियों के अलावा स्कूली बच्चों ने अभियान की शुरुआत विद्यालय, पंचायत भवन और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाकर किया। इस अवसर पर सोनवर्षा पंचायत भवन परिसर सहित चारों तरफ झाड़ू लगाकर परिसर की साफ-सफाई की गई तथा परिसरों में श्रमदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों, कर्मियों, कस्तूरबा गांधी एवं अन्य स्कूली छात्र- छात्राओं को स्वच्छता शपथ दिलाते हुए रैली निकाली गई। एक किलोमीटर में ह्यूमन चैन बनाकर स्वच्छता ही सेवा है और बिना स्वच्छ कुछ भी स्वस्थ्य नहीं है जैसे नारे लगाते हुए स्कूली बच्चों के साथ रैली निकालकर लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की शुरूआत की गई। मौके पर प्रखंड समन्वयक आलोक आनंद, स्वच्छता पर्यवेक्षक सोनवर्षा पंचायत कन्हैया सिंह, रविन्द्र कुमार, पंचायत सचिव रंजन कुमार, स्कूली छात्र-छात्राएं सहित अन्य मौजूद थे।

बलिया जनपद में घाघरा नदी में उफान के कारण एनएच-31 कटा, यूपी और बिहार का संपर्क टूटने का खतरा बढ़ा

द्वाबा में सरयू नदी ने मचाया तांडव, छतों पर शरण लिये हैं सैकड़ों घरों के लोग, एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

2000
से अधिक आबादी सहित सैकड़ों घर बाढ़ प्रभावित इलाके में

केटी न्यूज/बैरिया

राष्ट्रीय राजमार्ग को बचाने के लिये बाढ़ खंड विभाग मझौंवा, रामगढ़ इलाके में गंगा की कटान से बचाने के लिये अब तक करोड़ो रुपए का बोल्डर बिछा रखा है। विभाग को इसका अंदाजा नहीं था कि घाघरा भी एनएच-31 को तोड़ सकती है।

यही वजह रहा कि बचाव से संबंधित कार्य गंगा नदी के किनारे एनएच-31 मझौंवा रामगढ़ में ही होता रहा। चांददियर स्थित यादव नगर के निवासियों को यह नहीं पता था कि इनके घरों और गांव में घाघरा का पानी पहुंचेगा। लेकिन एनएच जैसे ही टूटा गंगा ने अपना रास्ता यादव नगर की तरफ भी बना लिया। यहां करीब 2000 से अधिक आबादी निवास करती है और सैकड़ों घर भी यहां मौजूद है। वैसे एनडीआरएफ ने तीन बजे रात को ही चांददियर में मोर्चा संभाल लिया। लोगों को सुरक्षित स्थान की तरफ निकालते हुए मुख्य सड़क तक पहुंचाने का काम करने लगे। वहीं लोग भूमि तल छोड़कर छतों को ही अपना सुरक्षित स्थान बना लिया। लेकिन वे अपने जानवरों, गाय, भैंस, बकरियों को पानी से बचाकर उपर नहीं ले सके।

लेकिन जानवरों को उन्होंने जहां भी रखा था सुरक्षित रखा था। एनडीआरएफ की टीम ने जानवरों को सुरक्षित निकाला। जहां एक तरफ एनडीआरएफ टीम बाढ़ पीड़ितों को बचाने में लगी थी वहीं दूसरी तरफ घाघरा की धारा से टूटा एनएच को बचाने के लिये बोल्डर बिछाये जा रहे थे। यहां स्वयं डीएम प्रवीण कुमार, एसपी विक्रांत वीर और सीडीओ ओजस्वी राज भी पहुंचे हुए थे।

छपरा की तरफ से आने वालों को हुई फजीहत

बैरिया। छपरा से अपने गांव बैरिया, हल्दी की तरफ लौट रहे ग्रामीणों को उस वक्त फजीहत हुई जब उन्हें यह पता चला कि चांददियर में एनएच ध्वस्त हो चुका है। वह किसी तरीके से घटनास्थल तक पहुंचे लेकिन वहां से वह एनडीआरएफ के सहारे नदी पार कर उनको बैरिया की तरफ पहुंचाया गया।

खाली हाथ पहुंचे जनप्रतिनिधि

बैरिया। बाढ़ क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे विधायक जयप्रकाश अंचल और सांसद सनातन पांडेय के पुत्र रामेश्वर पांडेय बाढ़ पीड़ितों के बीच खाली हाथ देखे गये। चर्चा यह होती रही कि कम से कम विधायक को पानी, बिस्कट या अन्य सामान लेकर बाढ़ पीड़ितों के बीच जाना चाहिए था। लेकिन इसमें वह चूक गये। वहीं पूर्व सांसद भरत सिंह की बेटी विजय लक्ष्मी भोजन और पानी का पाउच लेकर बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंची लेकिन वह भी पर्याप्त नहीं था। लेकिन फिर भी सेवा के लिये इतना बहुत था। वहीं पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह अपने लोगों के साथ खाली हाथ नजर आये। उनके साथ भी उस वक्त कुछ राहत सामग्री नजर नहीं आयी।

टूटा रिकार्ड : सात दशक में एक खरब रुपए की हुई लूटमार

खिलवाड़... मलाई काटने में लगे रहे अधिकारी और माननीय, बलिया में बह गया नेशनल हाईवे-31

तिलक कुमार/बलिया

हर साल बोल्डर गिराने के बजाय यदि गंगा और सरयू किनारे पक्का सिमेंटेड बांध का निर्माण हो गया होता तो आज चांददीयर के पास नेशनल हाईवे इस तरह बह नहीं जाता और न ही हजारों की आबादी का जनजीवन प्रभावित होता। लेकिन अंधेर नगरी चौपट राजा के राजपाट में यह बात उन्हें समझाए तो कौन समझाए। लगभग सात दशकों में अलग–अलग पार्टी से अनेकों माननीय सदन में गए, एक से बढ़कर एक तेज तर्रार अधिकारी भी आए, लेकिन सब मलाई खाने के चक्कर में लगे रहे। नतीजा आज बलिया में एनएच–31 बह गया।

बैरिया जिसे द्वाबा क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है, इस इलाके के लिए बाढ़ और कटान की समस्या एकदम से नासूड़ है। हर साल बरसात के महीने एक बड़ी आबादी गांव छोड़कर अन्यत्र पलायन करने पर मजबूर होते हैं। हां समय–समय पर सफेदपोशों ने उम्मीदें जरूर जगाई, पर अफसोस आज तक किसी भी सरकार वह चाहे कांग्रेस हो, सपा हो, बसपा हो या फिर भाजपा, इसका स्थायी समाधान नहीं निकाल पाए और समाधान निकालेंगे भी क्यूं, मलाई काटने का जरिया जो बंद हो जाएगा।

हर सरकार में इस क्षेत्र में कटान को रोकने के लिए प्रत्येक वर्ष बोल्डर गिराकर कटाने रोकने का खेल चलता है, करोड़ों रूपए का टेंडर निकलता है और इन टेंडरों में सफेदपोशों से लेकर अधिकारीगण खेल करते हैं, नतीजन ठीक से काम भी नहीं हो पाता। स्थानीय निवासी की मानें तो आजादी के बाद से सात दशक में कटान और बाढ़ के लिए अब तक लगभग एक खरब रूपए खर्च किए गए, लेकिन इसका लाभ यहां की जनता को नहीं मिला। स्थानीय लोगों की मानें तो इतने पैसे से यदि गंगा और घाघरा किनारे पक्का सिमेंटेड बांध बना दिया गया होता तो कटान और बाढ़ की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल जाता।

हर साल इन गांवों में तबाही मचाती है गंगा और सरयू

बलिया। दो नदी गंगा और सरयू के मिलन के चलते इस इलाके को द्वाबा भी कहा जाता है। हर साल बरसात के समय यहां गोपालपुर, चांददीयर, इब्राहिमाबाद नौबरार, बहुआरा, शिवपुर कपूर दीयर, जगदेवा, टेंगरही आंशिक को जहां गंगा जी प्रभावित करती है। वहीं गोपालनगर, शिवाल, चांददीयर, नौबरार को घाघरा प्रभावित करती है।

यहां भी कभी भी कट सकता है एनएच–31 : गंगा और घाघरा जिस तरह से उफान पर है, वक्त रहते ठोस काम नहीं हुआ तो सुघर छपरा से दूबे छपरा के बीच भी कभी भी एनएच– 31 कट सकता है।

कमीशन के चक्कर में 200 करोड़ रूपए का कार्य हुआ बंद

बलिया। 16 सितंबर 2019 को जब दूबे छपरा रिंग बंधा टूट गया, तब अगले ही दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हवाई सर्वे किया फिर 200 करोड़ रूपए की लागत से ड्रेनेज कार्य कराने की स्वीकृति प्रदान की। लेकिन सूत्र की मानें तो कमीशन के चक्कर में ठेकेदार बीच रास्ते में ही काम छोड़कर भाग गए।

एक खरब रूपए की हुई लूट मार : आजादी के बाद से सात दशकों में कांग्रेस, सपा, बसपा और भाजपा सरकार में लगभग एक खरब रूपए बोल्डर गिराने और जिगो बैग विधि के नाम पर खर्च किए गए हैं।

खबरें फटाफट

गुरु द्रोणाचार्य एकेडमी की दो बालिकाएं नेशनल कबड्डी मे चयनित

मऊ। मिजार्पुर में आयोजित विद्यालयी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में ज्योति राय एवं आचल साहनी द्वारा प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया गया। इनके कुशल प्रदर्शन के आधार पर इनका चयन नेशनल कबड्डी किया गया है। ज्योति राय पुत्री स्वङ्ग अनिल राय, ग्राम कुड़हनी पोस्ट रामपुर मऊ की रहने वाली हैं ये अंडर 17 एवं आचल साहनी पुत्री चंद्रदेव साहनी ग्राम और पोस्ट रामपुर अंडर 14 जनपद मऊ की रहने वाली हैं। दोनों बालिकाएं गुरु गुरु द्रोणाचार्य एकेडमी में प्रैक्टिस कर मेहनत एवं लगन एवं दृढ़ शक्ति से यह मुकाम हासिल किया है। अब दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभा कर जिले का नाम रोशन करेंगी।

कृषकों की समस्याओं का होगा त्वरित निस्तारण : कृषि अधिकारी

केटी न्यूज/मऊ

जिला कृषि अधिकारी सोम प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में किसान दिवस कृषि भवन के सभागार में संपन्न हुआ। बैठक के दौरान कृषि विभाग से संबंधित विभागों द्वारा शासन द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में जानकारी दी गई तथा कृषकों द्वारा किसान दिवस की बैठक में कृषकों की समस्याओं को सुना गया तथा संबंधित विभाग को कृषकों की समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु अवगत कराया गया।

किसान दिवस की बैठक में देव प्रकाश राय प्रगतिशील कृषक एवं समाजसेवी द्वारा शारदा सहायक खंड 32 से संबंधित नहरों में समय से पानी न मिलने के कारण धान की फसल प्रभावित हो रही है, उसके संबंध में उच्चाधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराने हेतु कहा गया। जिला कृषि अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि कृषको की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए इसमें किसी प्रकार लापरवाही न बरती जाए।

किसान दिवस की बैठक के दौरान जिला अग्रणी प्रबंधक, अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, मत्स्य अधिकारी तथा विद्युत विभाग के अधिकारी गण एवं काफी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे।

रेवतीपुर में 35 बाढ़ पीड़ितों को प्रभारी मंत्री ने वितरित की राहत सामग्री, कहा-

बाढ़ से प्रभावित सभी गांवों में पीड़ितों के बीच बांटी जाएगी राहत सामाग्री : रविंद्र जायसवाल

केटी न्यूज/सेवराई

बाढ से प्रभावित रेवतीपुर ब्लॉक के नेहरू विद्यापीठ इंटर कालेज में गुरुवार को जिले के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र प्रभार स्टांप एवं पजिंयन मंत्री रविद्र जायसवाल ने हसनपुरा, नसीरपुर, रेवतीपुर, परमानंद पुर, दुल्लहपुर, साधोपुर, अठहठा, बीयऊपुर बाढ़ से प्रभावित गांवों के 35 लोगों को राहत सामाग्री का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने रामलीला मैदान में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत झाड़ू लगाकर सफाई अभियान में जुटे रहे।

♦ सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति सरकार की योजना से वंचित न रहे

लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित सभी गांवों में पीड़ितों को राहत सामाग्री बांटी जाएगी। कहा कि भाजपा सरकार हर व्यक्ति के सेवा के प्रति संकल्पित है। सीएम व पीएम आवास लाभार्थी को दिया जा रहा है। कहा कि बाढ़ को देखते हुए सभी अधिकारियों को राहत व बचाव के लिए लगा दिया गया है। सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति सरकार की योजना से वंचित न रह जाए। इसके लिए सभी अधिकारियों, विभागों को निर्देशित किया गया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी आर्यका अखौरी, जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक बलवंत चौधरी, एसपी सीटी ज्ञानेंद्र कुमार,एडीएम, सीडीओ संतोष कुमार, एसडीएम संजय यादव,डीपीआरओ अंशुल मौर्य, बीडीओ कौस्तुभ पाठक, पूर्व प्रमुख मुकेश राय, दीनबंधु, जयशंकर राय, संतोष कनौजिया, डॉ अमर कुमार, डॉ मनीष कुमार, एडीओ पंचायत शशिप्रकाश राय, विनित राय, दीपक यादव आदि मौजूद रहे।

एक नजर

मऊ के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक संपन्न

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक कलेक्ट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त राजेश रोमन ने बताया की जनपद में 52 प्रस्ताव जिसमें लगभग 1084 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं वह धरातल पर आ चुके हैं। विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, हस्तशिल्प विपणन योजना एवं मुख्यमंत्री विशिष्ट हस्तशिल्प पेंशन योजना में कोई भी लक्ष्य अभी प्राप्त नहीं है। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत 775 लाभार्थियों का लक्ष्य प्राप्त है। लक्ष्य के सापेक्ष 775 लाभार्थियो का चयन कर प्रशिक्षणदाई संस्था को प्रेषित कर दिया गया है तथा संस्था द्वारा 275 लाभार्थियों की ट्रेनिंग पूर्ण कर ली गई है।औद्योगिक क्षेत्र शहादत पुरा के नाला एवं पानी निकासी के संबंध में अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि कार्य प्रारंभ हो चुका है।

हनुमान मंदिर के पास कूड़े का ढेर, प्रदूषण के साथ विषैले जीव-जंतुओं को मिल रहा प्रश्रय

सिपाह इब्राहिमाबाद (मऊ)। नागरिक जागरूकता के अभाव में गाँवों को स्वच्छ बनाने की सरकारी कोशिशें असफल होती नजर आ रहीं हैं। स्थानीय बाजार स्थित हनुमान मंदिर तथा उससे सटे कंपोजिट विद्यालय के आस - पास अरसे से कूड़े का ढेर जमा है । जानकारी के अनुसार मंदिर तथा विद्यालय के इर्द - गिर्द कतिपय बाजार वासी अरसे से कूड़ा-कचरा डालते रहे हैं। लगातार बड़ी मात्रा में कूड़ा-कचरा डाले जाने से जहाँ इन पवित्र स्थानों का वातावरण प्रदूषित हो रहा है वहीं विषैले जीव-जंतुओं ने भी अपना आशियाना बना रखा है। हालांकि अब ग्राम पंचायत में कूड़ा ढोने वाले वाहन की उपलब्धता के साथ ही कूड़ा निस्तारण केंद्र भी स्थापित है बावजूद इसके इन प्रदूषणरोधी संसाधनों का उपयोग न हो पाना शासन की मंशा को गतिरुद्ध करता प्रतीत होता है।

एसडीएम ने नगर क्षेत्र में किया अभियान का शुभारंभ, 2 अक्टूबर तक प्रस्तावित है अभियान

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान पखवाड़ा का आगाज

केटी न्यूज/सेवराई

शासन के निर्देश पर जमानियां तहसील मुख्यालय पर गुरुवार को आदर्श नगरपालिका परिषद जमानिया नगर क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवारा का शुभारंभ एसडीएम अभिषेक कुमार ने किया। इस दौरान कस्बा स्थित विभिन्न जगहों पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान दो अक्टूबर तक चलाया जाना प्रस्तावित है। यह स्वच्छता अभियान एसडीएम अभिषेक कुमार और नगर पालिका अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में स्वच्छता कार्यक्रम रामलीला मैदान, तहसील परिसर, पिंक बूथ और शिलाफलकम आदि जगहों पर झाड़ू लगाकर साफ-सफाई कर चलाया गया।

इस दौरान एसडीएम ने स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर लोगों को शपथ भी दिलाई और संकल्प दिलाया कि दूसरें लोगों को भी इसके प्रति जागरूक किया जाएगा।

एसडीएम ने कहा कि स्वच्छता सभी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। जीवन में स्वच्छता के महत्व को गंभीरता से लिया जाना आवश्यक है। नगर पालिका अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता ने कहा कि जीवन में हम स्वच्छता के जरिए ही समाज को बीमारियों से मुक्त रख सकते हैं। कहा कि शुरू किए गए इस स्वच्छता पखवाड़ा के प्रति सबको गंभीरता से लेना होगा। कहा कि स्वच्छता के जरिए समाज व देश में व्याप्त गंदगियों को भी हमें दूर करने में सफलता मिल सकती है।

जिसने स्वच्छता को अपना लिया वह खुद ही नहीं समाज को भी गंदगियों से बचाने के साथ ही उसके जरिए होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है। कहा कि हर व्यक्ति को स्वच्छता को लेकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा और स्वच्छता के अभियान को सफल बनाना होगा। तभी इस महत्वपूर्ण मिशन को अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग है। जिसमें स्वच्छता बनाए रखने और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई तरह की प्रथाएं शामिल हैं। इसमें हानिकारक कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस के प्रसार को रोकने के लिए हमारे शरीर, आस-पास और दैनिक आदतों का ध्यान रखना शामिल है। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी संतोष कुमार, संजीत यादव, सभासद ऐनाम, उद्धव पाण्डेय, सत्यवीर, राजेश गुप्ता, रत्नेश, दानिश, सफाई नायक रमेश राम, तारकेश्वर वर्मा आदि मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय कृषक खरीफ गोष्ठी का आयोजन, खेती की तकनीक पर चर्चा

केटी न्यूज/बलिया

कृषि विभाग द्वारा आफीसर्स क्लब के प्रांगण में बृहस्पतिवार को त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद स्तरीय कृषक खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजित गोष्ठी के माध्यम से जनपद के किसानों को मक्का की खेती के साथ तिलहनी फसलों की खेती की तकनीक पर विस्तार से चर्चा/ज्ञानवर्धन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री संतोष कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा के द्वारा की गयी। कृषि विज्ञान केन्द्र सोहांव- बलिया के वैज्ञानिकों के द्वारा किसानों को मक्का, तोरिया, सरसों के साथ मशरूम की व्यवसायिक खेती के बारे में बताया गया। जिला कृषि अधिकारी श्री पवन कुमार प्रजापति के द्वारा बीज वितरण पर देय अनुदान, फसल सुरक्षा एवं रसायनों के समुचित प्रयोग पर चर्चा की गयी। उप कृषि निदेशक मनीष कुमार सिहं के द्वारा जनपद में संचालित कृषि योजनाओं के बारे में कृषकों को अवगत कराते हुये अनुदानित धनराशि की जानकारी दी गयी। उप कृषि निदेशक के द्वारा अवगत कराया गया कि एक जिला एक उत्पाद हेतु जनपद बलिया से सत्तू का प्रस्ताव उ0प्र0 शासन को प्रेषित किया गया है, जिसके जिये जनपद में चने की खेती के लिये 10000 हैक्टेयर का लक्ष्य रखा गया है। किसानों के इस सम्बन्ध में अनुरोध किया गया कि ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रफल में चने की खेती की जाये। जनपद में चालू सत्र 2024.25 के लिये सोलर पम्प की बुकिगं चल रही है, किसान भाई अधिक से अधिक संख्या में आनलाईन टोकन प्राप्त करते हुये योजना का लाभ उठायें।

आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम बन रहा गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी

- रामगढ़ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का सीएम योगी ने किया उद्घाटन
- ग्रीनवुड अपार्टमेंट आवासीय योजना के आवंटियों को सीएम ने दिया आवंटन प्रमाण पत्र

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस गोरखपुर के नाम से 15-20 साल पहले भय होता था, सात वर्ष पूर्व जहां सुविधाओं की कल्पना ही बेमानी थी, वही गोरखपुर अब आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम और नया पर्यटन हब बन रहा है। सीएम योगी गुरुवार को रामगढ़ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 'फ्लोट' का बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद ताल की जेटी पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की आवासीय परियोजना ग्रीनवुड अपार्टमेंट के सात आवंटियों को आवंटन प्रमाण पत्र का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग आज से डेढ़ दशक पहले गोरखपुर के नाम से डरते थे। सात वर्ष पूर्व तक भी गोरखपुर विकास से कोसों दूर था। आज जिस स्थान (रामगढ़ताल क्षेत्र) पर यह आयोजन हो रहा है, वहां तो आना ही सपना था। मुख्यमंत्री ने कहा रामगढ़ताल गोरखपुर की गंदगी और अपराध का गढ़ बन चुका था। सर्किट हाउस में रुकने वाले अतिथियों और मंत्रियों के लिए अलग से फोर्स लगानी पड़ती थी। गोरखपुर का खाद कारखाना बंद हो चुका था। यहां का बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं बीमार हो गया था।

गोरखपुर में गेस्ट और पर्यटकों को मिलेगी फाइव स्टार सुविधा

सीएम योगी ने कहा कि अब गोरखपुर आने वाले अतिथियों और पर्यटकों को फाइव स्टार सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि रामगढ़ताल के चारों तरफ रिंग रोड बन रहा है। इससे लोगों को परिवार के साथ निकलने, गेस्ट और पर्यटकों के लिए दिनभर का कार्यक्रम बन जाएगा। चारों तरफ झील की खूबसूरती को देखने के बाद क्रूज और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट चले गए और फिर चिड़ियाघर जाकर प्रकृति के साथ आनंद उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शानदार लाइटिंग से गोरखपुर में रात्रि का नजारा बेहद आकर्षक लगता है। सीएम ने विश्वास व्यक्त किया कि फ्लोटिंग रेस्टोरेंट स्थानीय लोगों और देश-दुनिया के पर्यटकों को बेहतरीन सुविधाएं देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शानदार कनेक्टिविटी से अब यहां होटलों की चेन खुलने जा रही है। जल्द ही कन्वेंशन सेंटर भी बनने जा रहा है।

फाइव स्टार सुविधाओं वाला है फ्लोटिंग रेस्टोरेंट

रामगढ़ताल में बना है फ्लोटिंग रेस्टोरेंट फाइव स्टार सुविधाओं वाला है। जीडीए का दावा है कि यह उत्तर भारत का पहला फ्लोटिंग रेस्टोरेंट है। कुल 9600 वर्गफुट क्षेत्रफल और तीन मंजिला इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में एकसाथ 100 से 150 आगंतुक बैठ सकते हैं। ह्यफ्लोटह्ल का संचालन करने वाली कंपनी के प्रबंध निदेशक आलोक अग्रवाल बताते हैं कि ग्राउंड फ्लोर से पहले और दूसरे फ्लोर तक लिफ्ट की भी सुविधा है। ग्राउंड फ्लोर पर बने फूड कोर्ट में शुद्ध शाकाहारी लजीज व्यंजनों की लंबी श्रृंखला है। जबकि पहले फ्लोर पर संगीतमय अंदाज में पार्टी की जा सकेगी। दूसरा फ्लोर ओपन रूफटॉप का है जहां खुले में बैठकर ताल का दीदार करने के साथ व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकता है। पूरे फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की डिजाइन ऐसी है कि इसमें बैठने वालों को रामगढ़ताल की खूबसूरती पूरी तरह दिखेगी।

सीएम योगी के नेतृत्व में हुआ ऐतिहासिक विकास : रविकिशन

इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि गोरखपुर पहले क्या था यह किसी से छिपा नहीं है और अब क्या हो गया है यह भी सभी लोग देख रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मात्र सात साल में गोरखपुर में ऐतिहासिक विकास हुआ है। गोरखपुर में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की सौगात सीएम योगी की प्रेरणा से ही मिली है। उन्होंने कहा कि एक फिल्म स्टार होने के चलते मैं मुंबई से भी जुड़ा हूं लेकिन अब मुझे गोरखपुर मुंबई से भी सुंदर लगता है।

खबरें फटाफट

हादसे में बाल-बाल बचे भदोही सांसद डा. विनोद

चंदौली। भदोही से सांसद और चंदौली निवासी डा. विनोद बिंद के काफिले की तीन गाड़ियां गुरुवार की सुबह आपस में टकरा गई। घटना के बाद हड़कंप मच गया। संयोग था कि हादसे में सांसद बाल-बाल बच गए। वे दूसरी गाड़ी से गंतव्य के लिए रवाना हो गए। घटना वाराणसी के बड़ागांव थाना के हरहुआ के समीप हुआ। भदोही सांसद का काफिला हाईवे पर गुजर रहा था। उसी दौरान एक कार को बचाने के चक्कर में काफिले में तीन कारें अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गईं। इससे सांसद की फार्च्यूनर के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन कार में बैठे सांसद पूरी तरह से सुरक्षित रहे। वहीं सांसद के साथ चल रहे कुछ लोगों को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद हड़कंप मच गया।सांसद दूसरी कार से गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

तीन अपराधियों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई

चंदौली । पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे ने गुरुवार को कानून व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त बनाए रखने के लिए तीन आदतन/पेशेवर और मनबढ़ अपराधियों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की। इसमें अवधेश यादव निवासी ग्राम कवई पहाडपुर, वसीम ग्राम कटेसर व दृग प्रताप सिंह उर्फ नारद निवासी ग्राम सिसौडा शामिल हैं। एसपी ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कार्रवाई की गई है। इन अपराधियों को छह माह के लिए जिले की भौगोलिक सीमाओं से निष्कासित किया गया हैं। यदि इसके बाद भी कोई शहर की सीमा में भटकता या सक्रिय दिखा तो उसके ऊपर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला बदर आरोपितों पर पुलिस की पैनी नजर है।

सीएम का आरोप- जनता पिसती थी तो बबुआ घर से बाहर नहीं निकलता था

माफिया सरकार चलाते थे, 'बबुआ' 12 बजे तक सोता था : सीएम योगी

केटी न्यूज/अयोध्या/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विद्या इंटर कॉलेज मिल्कीपुर में आयोजित जनसभा में सपा पर आक्रामक रहे। समाजवादी पार्टी के नेताओं को आईना दिखाते हुए सीएम ने कहा कि हर जिले का बड़ा माफिया व गुंडा सपा से जुड़ा था। इनका पदाधिकारी या शागिर्द था। वहां संगठित अपराध, पशु, वन, खनन, भूमाफिया थे। माफिया समानांतर सरकार चलाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव करते थे तो बबुआ घर से बाहर नहीं निकलता था। बबुआ 12 बजे सोकर उठता था। जनता पिसती थी। मुस्लिम तुष्टिकरण की हद को पार करते हुए पर्व व त्योहारों में इन लोगों ने अराजकता फैलाई थी। होली, दीवाली, रक्षाबंधन-शिवरात्रि, रामनवमी-जन्माष्टमी को बैन कर दिया था। जन्माष्टमी के आयोजनों पर इन्होंने थाना, पुलिस लाइन, जेलों में रोक लगा दी थी। कहते कि जन्माष्टमी में भजन न गाओ। हरे रामा, हरे कृष्णा की धुन कुछ लोगों को पसंद नहीं थी, इसलिए सपा इसे बैन करती थी। कांवड़ यात्रा पर बैन लगाती थी। दुर्गा पूजा में अयोध्या का दंगा हर किसी ने देखा। सपा सरकार में देवकाली मंदिर में मूर्ति चोरी हो गई थी। बतौर सांसद गोरखपुर से आकर मैंने आंदोलन किया था।

मिशन मिल्कीपुर में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को रामनगरी अयोध्या को विकास की नई सौगात दी। उन्होंने यहां एक हजार करोड़ से अधिक की 83 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी चेक, चाबी, प्रमाण पत्र, सिलाई मशीन आदि प्रदान किया। सीएम ने मिल्कीपुर में कराए जाने वाले विकास कार्यों को भी गिनाया। बताया कि मिल्कीपुर में मिनी स्टेडियम बनने जा रहा है। 30 मार्गों का शिलान्यास हो रहा है। रेवना में ग्रामीण स्टेडियम के निर्माण के लिए 9 करोड़ रुपये दिए हैं।

गुर्गों पर की गई कार्रवाई तो सरगना कहता है कि अयोध्या में जमीन घोटाला हुआ है : सीएम ने कहा कि सपा के लोग गोतस्करी, वनों की कटान, जमीन कब्जा कराते थे, लेकिन आज जमीनों से कब्जे हट चुके हैं। हमारी सरकार ने 2017 के बाद एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स बनाया और सपा के भूमाफिया-गुंडों से 64 हजार हेक्टेयर लैंड को मुक्त कराया। भदरसा में भी जमीनों को कब्जामुक्त कराया गया है। गुर्गों से जमीन मुक्त कराने पर परेशानी हुई तो सरगना कहता है कि अयोध्या में जमीन घोटाला हुआ है। यहां जमीन घोटाला नहीं हुआ, बल्कि किसानों को 1700 करोड़ रुपये मुआवजा बांटा गया है। यह लोग अपने गुर्गों के काले कारनामों के पक्ष में बोल रहे हैं। एक भी मामला ऐसा नहीं है, जहां पीड़ित को मुआवजा न मिला हो।

गरीबों का राशन हजम कर जाते थे सपा के गुंडे

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के आर्थिक विकास का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश भारत के विकास का बैरियर माना जाता था। अराजकता चरम पर थी। विकास योजनाओं में भेदभाव व महापुरुषों का अपमान होता था। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने साढ़े सात वर्ष में विकास के कार्यों को तेज गति से बढ़ाया। आज फोरलेन, टू लेन सड़कें, गांव की बेहतर कनेक्टिविटी, गांव-मजरे में बिजली-पानी की व्यवस्था दिखती है। उत्तर प्रदेश में 2.62 करोड़ परिवारों को शौचालय व 56 लाख गरीबों को आवास दिया गया। 1.20 लाख मजरों तक बिजली, 1.56 करोड़ से अधिक परिवारों को फ्री बिजली कनेक्शन, 1.83 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला योजना में फ्री सिलेंडर दिए गए।

एक नजर

पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर अवांछनीय तत्वों ने की पत्थरबाजी

चंदौली। गोमतीनगर से पटना जा रही पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर मंगलवार की रात ब्लाक हट केबिन और न्यू वेस्ट केबिन के बीच अवांछनीय तत्वों ने पत्थर मार दिया। यह संयोग ही था पत्थर से खिड़की की कांच नहीं टूटी और कोई यात्री चोटिल नहीं हुआ। इस मामले में आरपीएफ और जीआरपी मामले की जांच कर रही है। देर रात तक मुकदमा दर्ज नहीं हुआ था। ट्रेनों पर पत्थरबाजी का सिलसिला कम नहीं हो रहा है। शरारती तत्व अक्सर ट्रेनों पर पत्थर मार रहे हैं। इसके लिए लगातार आरपीएफ रेलवे ट्रैक के किनारे बसे गांवों में पहुंच कर जागरूकता अभियान चला रही है। बावजूद इसके पत्थरबाजी का सिलसिला जारी है। मंगलवार की रात 22346 पटना वंदे भारत एक्सप्रेस वाराणसी से स्थानीय रेलवे स्टेशन के लिए चली। ट्रेन सवा आठ बजे के करीब डीडीयू स्टेशन से पहले ब्लाक हट केबिन को पार कर रही थी। इसी बीच ट्रेन के कोच संख्या सी एक के सीट संख्या 35 और 37 के बीच खिड़की पर बड बड़ा सा पत्थर आकर लगा। जिससे ट्रेन में बैठे यात्री तेज आवाज सुनकर सहम गए।यात्रियों ने इसकी सूचना ट्रेन के अधिकारियों को दी। अधिकारियों की सूचना पर कंट्रोल से स्थानीय स्टेशन पर सूचना मिली।रात साढ़े आठ बजे ट्रेन डीडीयू स्टेशन पर पहुंची। यहां ट्रेन की जांच की गई। इसमें किसी प्रकार की दिक्कत न होने पर ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। हालांकि घटना के घंटों बीतने के बाद भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। डीडीयू और वाराणसी रेल प्रशासन घटना स्थल को लेकर एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाला जा रहा है। इस संबंध में जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना वाराणसी क्षेत्र में हुई है। वहीं व्यासनगर के आरपीएफ निरीक्षक सुमन कुमार ठाकुर ने कहा कि घटना स्थल डीडीयू स्टेशन के पास हुई है। ऐसे में वहीं आगे की कार्रवाई की जाएगी।

26 सितंबर को जन आक्रोश मार्च निकालेगा पेंशन बचाओ मंच

चंदौली। पुरानी पेंशन की मांग को लेकर अटेवा पेंशन बचाओ मंच अब लड़ाई तेज करेगा। इसके लिए आगामी 26 सितंबर को जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश मार्च निकाला जाएगा। इसके बाबत अटेवा के जिला संयोजक देवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में बुधवार को प्रतिनिधिमंडल अपर जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह से मिलकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठन के जिला संयोजक देवेन्द्र सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों के सामाजिक सुरक्षा व सम्मान की लड़ाई है। सरकार ने इसे छीनकर एक असुरक्षित नवीन पेंशन योजना थोप दी है। इतना ही नहीं अब यूपीएस लागू कर कर्मचारियों के साथ धोखा किया जा रहा है। जबकि इसकी धनराशि कहां जा रही है। इसकी जानकारी न तो सरकार को है और न ही विभागीय अधिकारियों को है। पुरानी पेंशन बहाली होने तक अटेवा का संघर्ष जारी रहेगा। कहा कि पुरानी पेंशन शिक्षक कर्मचारी के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी हितकारी है। बताया कि आगामी 26 सितंबर को जिला मुख्यालय स्थित धरना स्थल से प्रारंभ होकर कलक्ट्रेट तक जाएगा। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक कर्मचारियों को इसमें शामिल होने की अपील की। प्रतिनिधिमंडल में दिवाकर सिंह, दुर्गेश कुमार सिंह, रिंकू यादव, निर्मल सिंह आदि शामिल रहे।

प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला/पुरूष टेबल-टेनिस प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन

मऊ। जिला क्रीड़ा अधिकारी डीपी सिंह ने बताया कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला/पुरूष टेबल-टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 26-28 सितम्बर, 2024 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय, अलीगढ़ में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सीनियर महिला/पुरूष टेबल-टेनिस प्रतियोगिता हेतु मऊ का जनपदीय चयन/ट्रायल्स दिनांक 20 सितम्बर, 2024 को प्रातः 10:00 बजे से जिला खेल कार्यालय, डॉ0 भीम राव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, मऊ में चयन/ट्रायल्स से किया जायेगा।

सकारात्मक दृष्टिकोण से होता है व्यक्तित्व विकासः प्रो. प्रदीप कुमार

केटी न्यूज/जौनपुर

- प्लेसमेंट सेल द्वारा व्यक्तित्व विकास पर कार्यशाला आयोजित

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा गुरुवार को व्यक्तित्व विकास` पर कार्यशाला आयोजित की गयी। वर्कशॉप में छात्रों को व्यक्तित्व विकास के फाइव फैक्टर मॉडल एवं हेक्साको मॉडल के बारे में प्रशिक्षित किया गया। कुलपति प्रो वंदना सिंह के निर्देश पर सेन्ट्रले ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए लगातार सॉफ्ट स्किल और हार्ड स्किल कि ट्रेनिंग आयोजित कर रहा है। सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि स्व समझ व्यक्तित्व विकास आपको अपनी ताकतों और कमजोरियों और क्षमताओं को समझने में मदद कर सकता है।

व्यक्तित्व विकास छात्र जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो शैक्षिक उपलब्धि से परे है। यह आत्मविश्वास और संचार कौशल को बढ़ाता है। इसके साथ ही भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सुधार करता है। इससे नेतृत्व गुणे विकसित होते है। छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल ने बाटला हाउस मुठभेड़ की बरसी पर डीएम को सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/जौनपुर

राष्ट्रीय उलेमा कॉउंसिल के पदाधिकारी व कार्यकताओं ने बाटला हाउस एनकाउंटर की 16 वीं बरसी पर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी कर प्रधानमंत्री के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश उपाध्यक्ष अंसार अहमद खान ने कहा कि 2008 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के इशारे पर दिल्ली पुलिस द्वारा सरकार की किरकिरी होने से बचने व मुस्लिम नौजवानों को बलि का बकरा बनाने की नीयत से साजिश रच कर 19 सितंबर 2008 को दिल्ली के बटला हाउस में फर्जी मुठभेड़ के दौरान दो बेकसूर मुस्लिम नौजवानों व एक जांबाज पुलिस इंस्पेक्टर को मौत के घाट उतार दिया गया था। और अनेक मुस्लिम नौजवानों को इस केस में फंसा कर उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी गई। इस फर्जी एनकाउंटर के खिलाफ राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल ने आजमगढ़ से लेकर दिल्ली तक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था। और न्यायिक जांच की मांग की थी। जो कि आज भी जारी है। जिसे न सिर्फ मुसलमान बल्कि मुल्क के हर न्याय प्रिय नागरिक की सहमति मिली और हर दिशा में न्यायिक जांच के लिए आवाज उठने लगी।लेकिन यूपीए की निवर्तमान केंद्रीय सरकार ने इस एनकाउंटर की न्यायिक जांच ना कर कर लोकतंत्र का गला घोट दिया।

बीजेपी कार्यकताओं संग कांग्रेस नेता का पुतला फूंक जताया विरोध

राहुल गांधी के बयान से सिख समाज में आक्रोश

केटी न्यूज/चंदौली

राहुल गांधी की ओर से अमेरिका यात्रा के दौरान समाज के लोगों को लेकर दिए गए बयान से सिख समाज के लोगों में गहरा आक्रोश है। समाज के लोगों ने गुरुवार को 3:00 बजे बीजेपी कार्यकताओं के साथ मिलकर भाजपा जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह विधायक पीडीडीयू नगर रमेश जायसवाल के नेतृत्व में राहुल गांधी का पुतला फूंका। इस दौरान कांग्रेस नेता के बयान पर आपत्ति जताते हुए सिख दंगों समेत तमाम गंभीर आरोप लगाए। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के जनरल सेक्रेटरी सरदार महेंद्र सिंह ने कहा कि राहुल गांधी का अमेरिका में सिख समाज के लोगों को लेकर दिया गया बयान आपत्तिजनक है। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। इनके पूर्वजों ने 1984 में सिख दंगे के नाम पर समाज के लोगों का कत्लेआम कराया। सुनियोजित तरीके से समाज के लोगों की हत्याएं कराई गईं। सिख समाज के लोगों के जेहन में वो मंजर आज भी याद है। उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता कि किस तरह सरकार ने समाज के लोगों की हत्याएं करवाईं। कहा कि सिख समाज के लोगों की हत्या कराने के बाद भी जी नहीं भरा तो राहुल गांधी विदेश में समाज के लोगों को लेकर अपमानजनक बयान देने लगे। समाज के लोग इसे कदापि बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने भी राहुल गांधी के बयान की निंदा की। वहीं बीजेपी जिलाध्यक्ष ने काशीनाथ सिंह ने भी इसको लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को आड़े हांथों लिया। इस दौरान काफी संख्या में बीजेपी कार्यकताओं और सिख समाज के लोग मौजूद रहे। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष रणजीत सिंह सम्मी, जनरल सेक्रेटरी सरकार महेंद्र सिंह , सतपाल सिंह कुलदीप सिंह मनमीत सिंह राजन, केडी सिंह सुक्कू सिंह सुक्कू सिंह लकी सिंह डिंपल सिंह रोशी सिंह गुरदीप सिंह, चढातीकला सेवा के अध्यक्ष कवलदीप सिंह, सचिव मनमीत सिंह (राजन), सुखविन्दर सिंह जी, बलबीर सिंह (लकी) जी, हरदीप सिंह (लकी), राणा सिंह, रोशी सिंह, राजेश सिंह जी, हरवंश उपाध्याय जी, अभिषेक मिश्रा, कुन्दन सिंह, संतोष सिंह, राहुल जायसवाल सतीश चौहान, आलोक सिंह, राकेश मिश्रा, संतोष खरवार, आशीष रघुवंशी, राजू इकबाल, प्रियंका तिवारी, रीना तिवारी, रंजन शाह, राजेश चौहान, प्रभु नारायण यादव, विशाल तिवारी, सौरभ चन्द्रा, दीपक दुबे, सुरेन्द्र चौहान, मनीष गुप्ता, सुनील श्रीवास्तव, भानु तिवारी, डब्बा तिवारी, महेन्द्र पटेल, सागर कनौजिया, बंशनरायन चौहान, अशोक सोनकर, विकेश कुमार, राहुल सोनकर, मैनेजर सोनकर, राकेश कनौजिया, धीरज चौहन, पंकज शर्मा, अजय गुप्ता (मानु), पप्पू शर्मा, कमलाकर दुबे, विकाश वर्मा, आदर्श जायसवाल, प्रभुनाथ जायसवाल, अजीत मौर्या, पवन कुमार, मनोज जायसवाल, अखिल सिंह, सौरभ जायसवाल, शादाब अशरफ, राघवेंद्र सिंह, नवनीत गुप्ता, गौरव चौहान सहित सैकड़ों लोग सहित सिख समाज के लोग, वह भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दोहरा मुक्त जौनपुर के लिए जौनपुर के जिलाधिकारी को दिया गया ज्ञापन

केटी न्यूज/जौनपुर

जनपद में बनने व बिकने वाले दोहरो पर प्रतिबंध लगाने की मांग वर्षो से होती चली आ रही है। तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट द्वारा वर्ष 2009 में दोहरे पर प्रभावी रोके के लिए कार्यवाही की गईं। दोहरे पर रोक लगाने के लिऐ पूर्व के जिलाधिकारी सर्वज्ञ राम मिश्र, अरविंद मलप्पा बंगारी, दिनेश कुमार सिंह व मनीष कुमार वर्मा द्वारा प्रभावी रोक के लिए प्रयास किया जाता रहा तथा जिलाधिकारी द्वारा जनपद जौनपुर के समस्त उपजिलाधिकारीयो को दिनांक 18/01/2018 को आदेशित किया गया, कि क्षेत्राधिकारीगण का सहयोग लेते हुऐ दोहरो के विनिर्माण ,भंडारण व विक्रय पर प्रभावी रोक लगाया जाय तथा जनपद जौनपुर के समस्ते दोहरो लाइसेंस को निरस्त कर दिया गया।

दोहरो कारोबारियों द्वारा वर्तमान समय में दोहरो के स्थान पर पान मसाला के नाम से पुनः लाइसेंस प्राप्त कर लिया गया तथा वृहद स्तर पर पुनः दोहरो वर्तमाने परिवर्तित नाम (पान मसाला) का व्यवसाय किया जा रहा है। जौनपुर में दोहरो खाने से युवाओ का एक बड़ा समूह पीड़ित हैं इसलिए विकास तिवारी व अतुल सिंह की अगुवाई में युवाओं का एक समूह जो पिछले कई वर्षों से दोहरो पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता चला आ रहा है।आज जिलाधिकारी से मुलाकात कर 85 पृष्ठओ का साक्ष्य सहित ज्ञापन देकर जिलाधिकारी से उक्त खाद्य मादक पदार्थ दोहरो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की मांग की है। उक्त अवसर पर विकास तिवारी व अतुल सिंह ने समुहिक रूप से कहा कि दोहरो का परिणाम है कि जनपद जौनपुर में काफी युवा मुँह में फाइवोसिस ,दांत की बीमारी, गले का कैंसर, पेट का कैंसर व मुँह के कैंसर से पीड़ित होता चला जा रहा है।

सुभाषितम्

व्यथा और वेदना की पाठशाला में जो पाठ सीखे जाते हैं, वे पुस्तकों तथा विश्वविद्यालयों में नहीं मिलते। - अज्ञात

इस दौर में कोई पिछड़ तो नहीं रहा

एक समय था जब पत्राचार कुशलक्षेम जानने से लेकर प्रेम और स्नेह को जतलाने के लिए किया जाता था। इससे पहले राजा-महाराजाओं के समय में संधी या युद्ध की धमकी के लिए पत्रों का अदान-प्रदान होता था। खास बात यह है कि तब पत्र जिसे लिखा जाता था वही पत्र का जवाब देता था, भले ही वह पढ़ा-लिखा हो या न हो। अब चूंकि दुनियां अत्याधुनिक दौर में प्रवेश कर चुकी है। अब कागज व कलम-दवात की जगह इंटरनेट के साथ ही कंम्प्यूटर, लेपटॉप व मोबाईल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संदेशों का अदान-प्रदान ज्यादा होने लगा है। ऐसे में समय की बचत के साथ ही पत्र सही जगह पहुंचेगा या नहीं इसकी समस्या भी अब जाती रही है। बावजूद इसके राजनीतिक गलियारे में पत्रवार या पत्रों की सियासी जंग जारी है। इस पत्रवार में एक बात जरुर देखने को मिल रही है कि जिसे पत्र लिखा जाता है, वह जवाब दे या न दे, लेकिन दूसरे लोग उसके जवाब में लंबा-चौड़ा पत्र लिखकर सामने वाले को पस्त करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। यकीन नहीं आता तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र के जवाब में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पत्र को ही देख लें। वैसे भी भारतीय राजनीति इस दौर में है जहां भाषा की सुचिता का कोई मेल ही नहीं है। जिसके जो मर्जी आता है बोल देता है। इससे लोकतंत्र भी आहत होता है। ऐसी भाषा जो दूसरों को आहत करे, लोगों को मरने-मारने पर उतारु कर दे, इसका अहिंसावादी देश भारत में क्या काम हो सकता है? लेकिन ऐसी भाषा का इस्तेमाल सियासी गलियारे में खूब हो रहा है। जिसे रोकने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष और विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व की है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन देखने में आ रहा है कि इसे रोकना तो दूर बढ़ाने के प्रयास ज्यादा हो रहे हैं। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो पत्र लिखा उसमें उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को एनडीए नेताओं के द्वारा आतंकवादी कहे जाने पर आपत्ति दर्ज कराते हुए इस तरह के बयानों पर लगाम लगाए जाने की बात कही। पत्र में उन्होंने लिखा कि, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान एनडीए नेताओं द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ की गई असभ्य टिप्पणियों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं... मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अनुशासन और शिष्टाचार के जरिए ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं...ऐसे बयानों के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भारत की राजनीति को पतन की ओर जाने से रोका जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र में भाषा को संयमित रखा। पर इससे क्या, क्योंकि उन नेताओं को बोलने का अवसर तो मिल ही गया, जो हर मुद्दे पर अपनी राय रख कर देश और दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं, ताकि उनकी राजनीति किसी भी कीमत पर चमकती रहे। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के पत्र का जवाब प्रधानमंत्री ने फिलहाल तो नहीं दिया, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक लंबा पत्र बतौर जवाब लिखा और सख्त लहजे में बतला दिया कि कांग्रेस और उसके नेता यथार्थ और सत्य से कोसों दूर हैं। पत्र के जवाब में सवाल करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने पूछा कि क्या आप राहुल गांधी की करतूत भूल गए? राहुल गांधी जाति जनगणना और आरक्षण के नाम पर भड़का रहे हैं। यही नहीं राहुल गांधी ने कई बार पीएम मोदी का अपमान किया। सोनिया गांधी ने तो पीएम को मौत का सौदागर कहा था। नड्डा ने पत्र में कहा है कि कांग्रेस ने कई बार पीएम का अपमान किया है। कांग्रेस ने देश को शर्मसार किया है। बात इतनी सी है कि भूतपूर्व नेताओं और वर्तमान नेताओं को अपशब्द कहने से बचा जाना चाहिए, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। पर सभी जानते हैं कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। दरअसल इस कलयुग की राजनीति रसातल की ओर जा रही है। जहां चुनाव जीतना मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए तमाम लोकतांत्रिक मूल्य और लाज-शर्म ताक पर रख मैदान मार लेना ही वीरता की निशानी मानी जाती है।

चिंतन-मनन

पाप कर्म का फल हानिकारक है

कहहिं कबीर यह कलि है खोटी। जो रहे करवा सो निकरै टोटी।। एक छोटा सा पहाड़ी गांव था। ग्राम के सभी लोग शराब व मांस का सेवन करते थे। जो शराब नहीं पीता था, जो मांस नहीं खाता था उसे ग्राम सजा के रूप में ग्राम बाहर कर देते थे। उसी ग्राम का एक आदमी अपने संबंधी के गांव गया। ग्राम में संतजन आए हुए थे। अत? अपने समधी के साथ सत्संग में चला गया। उपदेश का जादू ऐसा कर गया कि वह तत्काल प्रभाव से शराब व मांस सेवन छोड़ दिया। गांव वापस आने पर पूरा परिवार इस दुर्व्यसन को छोड़ दिए। यह तथ्य ग्राम में फैल गई। बैठक हुई और उसे गांव बहिरा की सजा दे दी गई गांव वाले उस परिवार से कटने लगे। नाई, धोबी, नौकर आदि सब ने उसके यहां काम करना बंद कर दिया। कुछ दिन उसे जीवनयापन में अड़चन हुई परंतु धीरे-धीरे सब सामान्य हो गया। गांव के और लोग उनसे प्रभावित होकर शराब मांस छोड़ दिए। साहेब कहते हैं कि, हे अभागा मनुष्य! तुम्हें बुरे कार्य करने के लिए किसने सम्मानित किया है जो रात दिन चोरी, झूठ, नशापान, मांस खाने में आनंद मानते हो और विषयों में सुख का भ्रम पाल रहे हो आज कल में तेरा अंत हो जाएगा। जीवन भर अशुभ कार्य करते हुए इस उत्तम मानव शरीर का दुरुपयोग ही किए हो अत? मृत्यु पश्चात तुम्हारा कहां निवास होगा इसका तुम्हें होश नहीं है। राम न रमसि कौन डंड लागा। राम भजन है शुभ कार्य। शुभ कार्य छोड़कर अशुभ काम में लिप्त रहने तुम्हें किसने दंडित या गांव बहिरा किया है? साहेब कहते हैं, पाप कर्म बहुत बुरी बात है। पाप कर्म का फल हानिकारक है, पाप कर्म काटने के लिए तीर्थ जाते हो। पूजा पाठ करते हो। केश-मुंडन कराते हो। तंत्र-मंत्र तथा पाखंड युक्त कर्म करके मुक्त होना चाहते हो। ये सब तुम्हारा भ्रम है अपने अंदर की पशुत्व को मिटाना छोड़ पशुबलि पर मुक्ति पाने का भ्रम पालते हो। साहेब कहते हैं, जीवन में जिसकी कमाई होगी उसी का फल मिलेगा। मनुष्य जो कुछ जीवन भर करता है उन्हीं सबका संस्कार मन में इकट्ठे होकर भीतर जमा होते हैं।

अमेरिका-भारत-ऑस्ट्रेलिया व जापान करेंगे सहयोग

- किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियां के देशों में आपस के समूह से बनाए गए अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की उपस्थिति का आगाज आज दुनियां महसूस करती है। इसलिए हम देखते हैं कि भारत, न सिर्फ.हर एक अंतरराष्ट्रीय मंच का एक हिस्सा रहा है बल्कि आज की स्थिति में भारत का दम और प्रतिष्ठा बढ़ गई है। भारत अफ्रीकी यूनियन, ग्लोबल साउथ व अपने पड़ोस में एक मजबूत अर्थव्यवस्था वाला विकसित देश की ओर बढ़ने वाली महत्वपूर्ण हस्ती हो चला है, जिसके कारण भारत का दबदबा बढ़ा है, यही कारण है कि जब भारत बोलता है तो विश्व ध्यान से सुनता है। यह इसने अंदाज लगाया जा सकता है कि भारतीय पीएम का नाम संयुक्त राष्ट्र की तरफ से जारी यूनाइटेड नेशन असेंबली के 79 वें सत्र के आम बहस के वक्ताओं की अंतिम सूची में उन लोगों में शामिल हो जो 26 सितंबर 2024 को हाई लेवल मीटिंग को संबोधित करेंगे,परंतु अभी असमंजस बरकरार है परंतु अब विदेश मंत्रालय द्वारा पीएम के अधिकृत दौरे का प्रोग्राम जारी कर 21-23 सितंबर 2024 का विवरण जारी कर दिया है, इसलिए अब माननीय विदेश मंत्री 28 सितंबर 2024 को आम बहस को संबोधित कर सकते हैं व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अपने कार्यकाल का अंतिम संबोधन करेंगे। चूंकि चौथा क्वॉड शिखर सम्मेलन 21 सितंबर 2024 को अमेरिका में है,जिसमें जलवायु परिवर्तन, सुरक्षा चिंताओं,इंफ्रास्ट्रक्चर पर रणनीतिक सहयोग मुद्दों पर चर्चा तथा भारत 2025 में क्वॉड की मेजबानी व अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के चलते पीएम का 21-23 सितंबर 2024 अमेरिका दौरा कई मायनों में खास रहेगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से,इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,क्वॉड स्ट्रेटेजिक फोरम पर अमेरिका भारत ऑस्ट्रेलिया और जापान रणनीतिक संबंधों को मजबूत करेंगे। साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम 21 से 23 सितंबर 2024 को अमेरिका यात्रा के दौरान चौथे क्वॉड शिखर सम्मेलन में शामिल होने की करें तो, विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक डेलावेयर के विलमिंगटन में आयोजित होगी और इसकी मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन करेंगे। इनके अलावा, पीएम न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। यह समिट काफी अहम माना जा रहा है, जहां सदस्य देश भारत, अमेरिका जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं इस बैठक के दौरान, क्वाड के नेताओं द्वारा पिछले एक साल में हासिल की गई प्रगति कीसमीक्षा की जाएगी और आगे का प्लान तय की जाएगा। यह प्लान खासकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के डेवलपमेंट के लिए अहम साबित होगा। पीएम न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इस समिट में क्वाड सदस्य देशों के बीच पिछले एक वर्ष की प्रगति की समीक्षा और आने वाले समय के लिए प्लान तय किए जाएंगे।पीएम की यात्रा का महत्व इस बात से और बढ़ जाता है कि क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर सदस्य देश गंभीरता से चर्चा करेंगे। मसलन, यूरोपी और मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के लिहाज से यह बैठक और भी अहम है, जहां गाजा में भारी संख्या में मासूम जानें जा रही हैं हालांकि,क्वाड एक मिलिट्री सहयोग संगठन नहीं है, बल्कि इसको आर्थिक सुरक्षा, पर्यावरण में सुधार और अन्य पहलुओं पर फोकस करने के लिए डिजाइन किया गया है। अगला 2025 का क्वॉड समिट भारत में होगा न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए, पीएम वैश्विक मुद्दों पर भारत की स्थिति और भारत का नजरिया पेश करेंगे इस संबोधन में अन्य देशों के साथ साझेदारी, वैश्विक चुनौतियों और विभिन्न मुद्दों पर भारत के विजन को सामने रखेंगे क्वाड के अगले समिट की मेजबानी भारत करेगा। साथियों बात अगर कर हम क्वॉड सम्मिट को समझने की करें तो,क्वाडीलेटरल सिक्योरिटी डायलाग , क्वाड एक इनफॉर्मल स्ट्रैटेजिक फोरम मंच है, जिसमें अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। क्वाड की स्थापना 2007 में की गई थी। जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे 2007 में क्वाड के गठन का विचार रखने वाले पहले व्यक्ति थे।ऑस्ट्रेलिया के पीएम के कार्यालय ने बयान जारी किया। बताया गया किअल्बनीज शिखर सम्मेलन में क्वाड के सकारात्मक और व्यावहारिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय मुद्दों और अवसरों पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा,मैं हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों और भागीदारी को मजबूत करने पर चर्चा करने के लिए अपने क्वाड भागीदारों के साथ बैठक करने के लिए, तत्पर हूं। उन्होंने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के भविष्य के लिए,गहराई से निवेश किया है। उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया,अमेरिका,भारत और जापान एक ऐसे क्षेत्र के लिए एक दृष्टिकोण साझा करते हैं, जो स्वीकृत नियमों और मानदंडों द्वारा शासित होता है,जहां सभी देश सहयोग,व्यापार और कामयाब हो सकते हैं। इसके अलावा राष्ट्रपति अल्बनीज ने कहा कि हम जिस तरह के क्षेत्र में रहना चाहते हैं, उसे आकार देने के लिए मिलकर काम करेंगे।जब हम अपने करीबी दोस्तों और साझेदारों के साथ मिलकर काम करते हैं तो हम हमेशा बेहतर होते हैं। इसने आगे कहा, इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना, एक स्वतंत्र और खुला हिंद प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करना और इस क्षेत्र के सहयोगियों को ठोस लाभ प्रदान करना है। इस बैठक में स्वास्थ्य सुरक्षा, प्राकृतिक आपदाओं पर प्रतिक्रिया, समुद्री सुरक्षा, उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे, महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीक, जलवायु और स्वच्छ उर्जा और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर फोकस किया जाएगा। साथियों बात अगर हम वैश्विक अशांति के बीच हो रहे क्वॉड शिखर सम्मेलन की करें तो पीएम की यात्रा का महत्व इस बात से और बढ़ जाता है कि क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर सदस्य देश गंभीरता से चर्चा करेंगे।मसलन, यूरोपी और मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के लिहाज से यह बैठक और भी अहम है, जहां गाजा में भारी संख्या में मासूम जानें जा रही हैं।हालांकि, क्वाड एक मिलिट्री सहयोग संगठन नहीं है, बल्कि इसको आर्थिक सुरक्षा, पर्यावरण में सुधार और अन्य पहलुओं पर फोकस करने के लिए डिजाइन किया गया है।न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए, पीएम वैश्विक मुद्दों पर भारत की स्थिति और भारत का नजरिया पेश करेंगे। इस संबोधन में अन्य देशों के साथ साझेदारी, वैश्विकचुनौतियों और विभिन्न मुद्दों पर भारत के विजन को सामने रखेंगे। क्वाड के अगले समिट की मेजबानी भारत करेगा, जो पीएम की इस यात्रा की अहम बात है। साथियों बात अगर हम 25 हजार भारतीयों से मुलाकात की करें तो 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में पहला कार्यक्रम लॉन्ग आइलैंड में 16, हजार सीटों वाले नासाऊ वेटरंस मेमोरियल कोलिजीयम में सुबह 10 बजे से दोपहर 12बजे तक प्रवासी कार्यक्रम मोदी और यूएस, प्रोग्रेस टुगेदर होगा, जहां वे भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करेंगे। आयोजकों के अनुसार, प्रवासी कार्यक्रम के लिए 25, हजार से अधिक लोगों ने टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन किया है। इस कार्यक्रम से भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच मजबूत संबंधों को मजबूती मिलेगी। बता दें कि प्रवासी समुदाय की अमेरिका-भारत संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके बाद दोपहर में, प्रधानमंत्री मोदी अपने होटल में टेक्नोलॉजी, एनर्जी और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिकी व्यापार जगत के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। बैठक के बाद, प्रधानमंत्री मोदी वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे, जो रात 10बजे तक जारी रहेगी। साथियों बात अगर हम 23 सितंबर 2024 को वैश्विक संयुक्तराष्ट्र शिखर सम्मेलन में भाग लेने की करें तो,23 सितंबर को पीएम भविष्य का संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जहां वे एक संक्षिप्त भाषण देंगे। शिखर सम्मेलन में भविष्य की वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी, जिसमें सस्टेनेबल डेवलपमेंट, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और ग्लोबल गवर्नेंस शामिल है। रविवार को जब भविष्य का शिखर सम्मेलन शुरू होगा, तब प्रधानमंत्री मोदी अप्रवासी रैली में मौजूद रहेंगे और 23 सितंबर की सुबह के सत्र में 72 वक्ताओं में से उन्हें 35 वें वक्ता के रूप में जगह मिली है। अगर उनसे पहले के सभी वक्ता अपने समय पर आते हैं, तो उनकी बारी दोपहर के आसपास (भारत में रात 9:30 बजे) होगी।

केजरीवाल राहुल के लिए चुनौती बनने वाले हैं?

-दिलीप कुमार पाठक

सीएम केजरीवाल को इस्तीफा देना ही था, लेकिन केजरीवाल के इस्तीफे के पीछे उनका एक मास्टर स्ट्रोक भी है. अन्यथा केजरीवाल इस्तीफा पहले ही दे देते. दरअसल केजरीवाल दिल्ली से निकलकर अब केंद्र की राजनीति में हाथ आजमाना चाहते हैं. आतिशी को दिल्ली सौंपकर आम आदमी पार्टी प्रमुख इसकी शुरूआत हरियाणा से करेगें. केजरीवाल जेल जाने के बाद लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर से जनता के सामने होंगे? दरअसल हरियाणा केजरीवाल का गृह प्रदेश है, दिल्ली से सटे हरियाणा में केजरीवाल का ज़्यादा वर्चस्व नहीं है, लेकिन किसान आंदोलन, पंजाब विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उन्होंने हरियाणा में जीतने के ख्वाब जरूर देखे होंगे. और बड़ी बात आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के बाद केजरीवाल पूरे देश में अपने लिए कैंपेन कर सकते हैं, उन्हें देश की जनता जानती है, केजरीवाल एक चर्चित, शिक्षित, राजनेता तो हैं ही साथ ही दिल्ली के स्कूल, पानी, बिजली, मोहल्ला क्लिनिक के बाद उनके पास एक विकास मॉडल भी है. केजरीवाल के पास एक दशक से ज्यादा बतौर मुख्यमंत्री का अनुभव भी साथ है. ऐसी नाजुक परिस्थितियों में राजनेता जनता के सामने जाकर अपनी बेगुनाही साबित करने के प्रयास करते हैं. केजरीवाल ने यह पांसा भी फेंक दिया है कि अब जनता की अदालत में जाऊँगा जनता जो कहेगी वो करूंगा, और यह भी सिद्ध है जनता की सहानुभूति मिल जाना बहुत आसान होता है. देश की राजनीति में नरेंद्र मोदी की राजनीति अब कुंद पड़ चुकी है. खासकर लोकसभा चुनाव के बाद सर्मथन से सरकार चलाने वाले पीएम मोदी की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है. वहीँ महाराष्ट्र, हरियाणा चुनाव की सम्भावित असफलता नरेंद्र मोदी को भाजपा के अंदर भी कमजोर करेगी, और अब भाजपा में मोदी के बाद कौन? फि लहाल यह बीजेपी के लिए अंदरुनी मामला हो सकता है, लेकिन मोदी के बाद भाजपा का सत्ता में वापस आना बड़ा कठिन है. अतः अब राजनीति अपने विकल्पों को तलाश रही है. पीएम बनने के लिए किसी भी राजनेता के पास जनाधार, लोकप्रियता, के साथ प्रशासनिक अनुभव को वरीयता दी जाती है. इस लिहाज अरविन्द केजरीवाल राहुल गांधी के सामने एक बड़ी चुनौती हैं. केजरीवाल कैंपेन करने, हेडलाइंस बनाने में प्रबुद्ध हैं. अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस के विकल्प के रूप में दिल्ली में उभरे थे, आज उनके पास जितना भी कोर वोटर है, सब के सब कांग्रेस के साथ जुड़े परंपरागत वोटर्स हैं. कांग्रेस भावनात्मक राजनीति कर रही है, वहीँ राहुल गांधी के उलट केजरीवाल मास्टर स्ट्रोक खेलने में माहिर हैं. अभी कांग्रेस केजरीवाल के साथ इंडिया सर्मथन के नाम पर विपक्षी एकता का झंडा बुलन्द किए हुए हैं, लेकिन केजरीवाल अपनी राजनीति अपने अंदाज से करते हैं. केजरीवाल, नरेंद्र मोदी की कट्टर हिन्दुत्व की राजनीति के सामने सॉफ्ट हिन्दुत्व की राजनीति करते हैं. राहुल गांधी सामाजिक न्याय की राजनीति के पक्षधर हैं, राहुल ने मोदी - शाह के तिलिस्म को जरूर तोड़ा है लेकिन राहुल गांधी के सामने केजरीवाल की चुनौती आसान नहीं होने वाली. राहुल ठेठ राजनेता की तरह नहीं बल्कि एक जननायक बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं, जबकि केजरीवाल देश के नेता के रूप में अपने आप को देखना चाहते हैं. उफान के बाद कुंद हो चुकी भाजपा अब केजरीवाल को रोक नहीं पा रही, वहीँ केजरीवाल को बदनाम करने का दांव भाजपा के गले की हड्डी बन चुका है. केजरीवाल को पता होता है कब क्या करना हैं, केजरीवाल जो एक दौर में कांग्रेस के विकल्प थे जिन्होंने कांग्रेस के दो राज्य जीत लिए, जनाधार में सेंधमारी कर ली, उन्हीं केजरीवाल ने कांग्रेस का समर्थन लेकर सरकार बनाई थी, जबकि कुछ दिनों में इस्तीफा दे दिया था, कि कांग्रेस काम नहीं करने दिया. अतः अब आप मुझे पूर्ण बहुमत दीजिए. दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को प्रचंड बहुमत दे दिया, लेकिन सोचना चाहिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को समर्थन क्यों दिया था? जिन केजरीवाल ने कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद की थी, उन्हें ही बार-बार समर्थन देना हैरान करने वाला है. कांग्रेस के निर्णय भावनाओं के आधार पर दिखते रहे हैं. एक तरफ राहुल गांधी इन्डिया गठबंधन में एकता बनाए रखने के लिए आतुर हैं वहीँ आम आदमी पार्टी ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है. आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस और 'आप' के एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने की फिलहाल कोई संभावना नहीं है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या केजरीवाल राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला करते दिखेंगे?? या नहीं! क्योंकि दिल्ली में केजरीवाल कांग्रेस के विरुद्ध रहकर ही अपनी जमीन बचाए रख सकते हैं. भूलना नहीं चाहिए, जो नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल को राजनीतिक रूप से खत्म करना चाहते थे, जिनकी राजनीतिक पहिचान मिटाना चाहते थे, क्या अब केजरीवाल के नाम पर राहुल को रोकना चाहते हैं? फि लहाल राहुल गांधी के सामने हिन्दुत्व की राजनीति का उभार अब कम हो गया है, राहुल गांधी के सामने अमित शाह भी कुछ कर नहीं पा रहे राहुल अपनी जननायक की शख्सियत के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जबकि केजरीवाल ठेठ राजनेता की तरह ... एक सवाल यह भी है क्या केजरीवाल के जरिए राहुल गांधी को रोका जा सकता है? इसका जवाब तो भविष्य में पता चलेगा लेकिन उसके लक्षण हरियाणा चुनाव के साथ दिखने लगे हैं, वहीँ दिल्ली चुनाव बाद खुलकर सामने आएंगे... केजरीवाल राहुल गांधी के विकल्प बनते हैं या नहीं हालांकि उसकी रूपरेखा स्पष्ट दिखाई दे रही है.

सरदार पटेल ने आश्वासन दिया था नेहरू को

- एल.एस. हरदेनिया

सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा 28 मार्च 1950 को जवाहरलाल नेहरू को लिखे गए पत्र के कुछ अंश, जिनमें वे नेहरूजी को अपनी पूरी वफादारी और मैत्री का आश्वासन देते हैं जो आपने बापू की मृत्यु के पहले लिखा वह मेरे मस्तिष्क में भी प्रभावशाली रूप में दिख रहा है। परंतु मेरी बापू के साथ जो बातचीत हुई थी और उस बातचीत में उन्होंने अपनी राय प्रकट की थी वह बहुत महत्वपूर्ण है। बापू ने कहा था कि मैं और तुम मिलकर काम करें। क्योंकि यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो वह कदापि देश के हित में नहीं होगा। मैंने पूरी कोशिश की है कि मैं बापू के इन अंतिम शब्दों के अनुसार चलने की कोशिश करूं। बापू के इन शब्दों को याद करते हुए मैंने पूरी कोशिश की है कि मैं आपके हाथों को मजबूत करूं। ऐसा मैंने जितना संभव हो सकता है वह किया। ऐसा करते हुए मैंने अपने विचारों को हर संभव ढंग से बताने की कोशिश की। मैंने तुम्हें पूरी वफादारी के साथ समर्थन किया। ऐसा करते समय मैंने अपने पर पूरा नियंत्रण रखा। इन पिछले दो वर्षों में मैंने ऐसा कोई भी रास्ता नहीं अपनाया जो तुम्हारे द्वारा अपनाई गई नीति के विरूद्ध हो। इस दरम्यान मेरे और तुम्हारे बीच में कुछ मतभेद भी हुए। इस तरह के मतभेद स्वभाविक हैं। परंतु इन मतभेदों के बावजूद हमने मिलाजुला रास्ता अपनाया। इस दरम्यान अपने विचारों को स्पष्ट रूप से बताते हुए मैंने कोई भी ऐसा काम नहीं किया जो तुम्हारे द्वारा निर्धारित नीतियों के विरूद्ध हो। जहां तक हमारे बीच कुछ मतभेदों का सवाल है मुझे ऐसा याद नहीं पड़ रहा है जो सेक्युलर उद्देश्यों के विरूद्ध हो। मैं यह कहने की स्थिति में हूँ कि हम दोनों के बीच इस मुद्दे पर कभी मतभेद हुआ हो। मैं भी पूरी तरह इस राय का हूँ कि अल्पसंख्यकों को पूरा संरक्षण दिया जाये और उनके विरूद्ध की जाने वाली हिंसा जो हमारे देश के भीतर हो या बाहर हो, हम पूरी तरह से उसकी भर्त्सना करें और उसे रोकें। जहां तक विदेश नीति का सवाल है मुझे याद नहीं पड़ता कि इस मामले में मैंने कभी भिन्न मत जारी किया हो, सिवाए उस समय जब कैबिनेट में ऐसे किसी विषय पर चर्चा हुई हो। मैंने ऐसी राय से तुमको अवगत कराया है। वह भी कुछ विशेष नीति के संदर्भ में। शायद मैं यह कहने की स्थिति में हूँ कि विदेशी मामलों में मैंने तुम्हारी नीति में किसी किस्म की बाधा पहुंचाई हो। यह संभव है कि हमने प्रायवेट तौर पर किसी विशेष मामले में तुमसे असहमति प्रगट की हो, पर वह असहमति एक विशेष मुद्दे तक ही सीमित रही। परंतु मैं सोचता हूं कि तुम भी इस राय के हो कि प्रायवेट में भी असहमति जाहिर न करें। मैं भी इस राय का हूं कि हमारे मिलेजुले कदम देश की प्रगति के लिये आवश्यक हैं। सच पूछा जाये तो बापू ने जो 1948 के जनवरी माह में कहा था वो आज भी पूरी तरह से उचित है। इसलिये मैंने उस संदर्भ में तुमसे अपील की थी कि तुम कोई भी ऐसा कदम न उठाओ जिसमें पद को छोड़ने की संभावना हो। क्योंकि ऐसा कोई भी कदम कदापि राष्ट्र के हित में नहीं होगा। इस तरह का कोई भी कदम देश के लिए पूरी तरह हानिप्रद होगा और इसलिए मैं सदा सोचता रहा हूं कि मुझे तुम्हारा पूरा विश्वास प्राप्त है। मेरी कदापि यह इच्छा नहीं है कि मैं किसी पद पर रहूं, यदि मैं बापू द्वारा दिये गये मिशन को पूरा करने की स्थिति में नहीं हूं। बापू ने मुझे स्पष्ट कहा था कि मैं तुम्हारे हाथों को मजबूत करूं और मैं गलती से भी यह बात महसूस करने कि स्थिति में नहीं हूँ कि तुम्हारे प्रति मेरी वफादारी नहीं है, या तुम यह सोचो कि तुम्हारे द्वारा बनाई गई नीतियों के पालन में मैं किसी किस्म का रोड़ा बन रहा हूं।

आज का राशिफल

मेष आज दिन शुभ है और भाग्य आपका साथ देगा। महत्वाकांक्षी प्रकृति वालों को लाभ होगा।

तुला आपके भाग्य में वृद्धि होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

वृषभ आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक सफलता से भरा होगा। दूसरों की मदद करने के बाद आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

मिथुन करियर में हानि की आशंका है। वरना आपका नुकसान हो सकता है।

धनु आज करियर के मामले में नुकसान होने की आशंका है। आपका किसी काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क आज दिन भाग्योदय कारक है। आपके लिए धन की प्राप्ति के शुभ योग बन रहे हैं।

मकर भाग्य साथ दे रहा है और आपको अचानक किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा।

सिंह आज दिन मिश्रित फल देने वाला रहेगा और आपकी अच्छी छवि का निर्माण होगा।

कुंभ किसी महान सफलता का हर्ष होगा। बड़ी मात्रा में रुपया हाथ में आने से संतोष होगा।

कन्या लोगों के लिए दिन भाग्य में वृद्धि का है और आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के संकेत मिल रहे हैं।

मीन आज करियर के मामले में लाभ होगा। संतान पक्ष से संतुष्टि और हर्षदायक है। दिन अच्छा है।

विशेष

विपक्ष से सत्ता पक्ष को नुकसान?

इन दोनों विपक्ष ने बड़े कड़े तेवर अपना लिए हैं। सत्ता पक्ष कह रहा है, अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की सफलता हासिल की है। उसके बाद उनका अहंकार सर चढ़कर बोल रहा है। हाल ही में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यदि 20 सीट इंडिया गठबंधन और जीत जाता। तो भाजपा के सभी नेता जेल में होते। इसे सत्ता पक्ष अहंकार बता रहा है। वहीं विपक्ष का कहना है, जनता हमेशा आक्रामक तेवर को पसंद करती है। कोई समय था, जब भाजपा या मोदी के बारे में कुछ कहा जाता था। तो उसकी प्रतिक्रिया से विपक्ष को नुकसान होता था। लेकिन अब विपक्ष को आक्रामक रुख अपनाने का लाभ हो रहा है। मोदी ने जो वादे किए थे। वह सब झूठे साबित हुए। जनता को अब मोदी और भाजपा पर विश्वास नहीं है। विपक्ष पर विश्वास है।

हुड्डा और खट्टर का बोलबाला

हरियाणा के 2 लाल इस समय चर्चाओं में है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भारतीय जनता पार्टी की टिकट को बांटा। कांग्रेस की टिकट को भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बांटा। भारतीय जनता पार्टी ने लगभग सभी सीटों पर मनोहर लाल खट्टर की सलाह पर उम्मीदवारों को टिकट दी है। वहीं भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने 89 में से 82 सीट अपनी पसंद की बांटी हैं। हुड्डा ने हाई कमान को समझाया, पिछली बार उनकी पसंद के 50 उम्मीदवार को टिकट दी गई थी। जिसके कारण सरकार नहीं बन पाई थी। मनोहर लाल खट्टर ने भी हरियाणा में वही तेवर अपनाए। तमाम विरोधों के बाद उनके ही पसंदीदा उम्मीदवारों को टिकट दी गई।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1388: दिल्ली के सुल्तान फिरोज तुगलक शाह तृतीय का निधन. 1519: पुर्तगाली नाविक 'फडीनांड मैगेलान नयी दुनिया की खोज में निकला. 1857: ब्रिटिश सैनिकों ने दिल्ली पर पुनः कब्जा कर लिया. 1870: इटली का संपूर्ण एकीकरण हुआ. 1878: ह्नद हिंदू' समाचार पत्र साप्ताहिक के रूप में प्रकाशित हुआ. 1960: अफ्रीका के नव स्वतंत्र तेरह राष्ट्रों और साइप्रस ने राष्ट्रसंघ की सदस्यता ग्रहण की. 1963: अमरीकी राष्ट्रपति जान एफ केनेडी ने सोवियत संघ के साथ चांद के लिए संयुक्त अभियान का प्रस्ताव किया. 1974: होंडरास में समुद्री तूफान से हजारों लोगों की मौत हो गयी. 1977: वियतनाम राष्ट्रसंघ का सदस्य बना. 1988: हैती में सेना में विद्रोह बड़े पैमाने पर भड़क उठा. 1989: भारतीय शांति सेना ने श्रीलंका में संघर्ष विराम की घोषणा की.

दैनिक पंचांग

20 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.33 बजे से
चंद्र	मीन में	तुला	07.48 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.03 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.19 बजे से
गुरु	वृष में	मकर	14.24 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.10 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	17.43 बजे से
राहु	मीन में	मेष	19.14 बजे से
केतु	कन्या में	वृष	20.54 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मिथुन	22.52 बजे से
		कर्क	01.05 बजे से
		सिंह	03.21 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 264 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 21.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 02.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ध्रुव 15.19 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 10.56 बजे तदनन्तर विष्टि 21.16 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 00° 59' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872108 **जूलियन दिन** 2460573.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 16 **विशेष** तृतीया श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

16 दिनों की हर तिथि में छुपा है राज, हर श्राद्ध से मिलता है खास आशीर्वाद

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली तिथियों को ही पितृ पक्ष या श्राद्ध पक्ष कहा जाता है। श्राद्ध पक्ष की शुरुआत 17 सितंबर से हो गई है और 2 अक्टूबर को श्राद्ध महालय पर इसकी समाप्ति होगी।

पितरों का ऋण चुकाना एक जीवन में तो संभव ही नहीं, अत: उनके द्वारा संसार त्याग कर चले जाने के उपरांत भी श्राद्ध करते रहने से उनका ऋण चुकाने की परंपरा है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। श्राद्ध पक्ष सोलह दिन तक आश्विन मास की पूर्णिमा से अमावस्या तक रहता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है।

पितृ प्रार्थना : हे प्रभु मैंने अपने हाथ आपके समक्ष फैला दिए हैं, मैं अपने पितरों की मुक्ति के लिए आपसे प्रार्थना करता हूं, मेरे पितर मेरी श्रद्धा भक्ति से संतुष्ट हो'। ऐसा करने से व्यक्ति को पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है। जो पूर्णमासी के दिन श्राद्धादि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करनेवाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती।

द्वितीया को श्राद्ध करने वाला व्यक्ति राजा होता है। उत्तम अर्थ की प्राप्ति के अभिलाषी को तृतीया विहित है ।चतुर्थी शत्रुओं का नाश करने वाली और पाप नाशिनी है। पंचमी तिथि को श्राद्ध करने वाला उत्तम लक्ष्मी की प्राप्ति करता है। जो षष्ठी तिथि को श्राद्धकर्म संपन्न करता है उसकी पूजा देवता लोग करते हैं। जो सप्तमी को श्राद्धादि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्यफल प्राप्त होते हैं और वह गणों का स्वामी होता है।

जो अष्टमी को श्राद्ध करता है वह सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है। नवमी तिथि को श्राद्ध करने वाला प्रचुर ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है। दशमी तिथि को श्राद्ध करने वाला मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त करता है। एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान है। वह समस्त वेदों का ज्ञान प्राप्त कराता है। उसके सम्पूर्ण पापकर्मों का विनाश हो जाता है तथा उसे निरंतर ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। द्वादशी तिथि के श्राद्ध से राष्ट्र का कल्याण तथा प्रचुर अन्न की प्राप्ति कही गई है। त्रयोदशी के श्राद्ध से संतति, बुद्धि, धारणाशक्ति, स्वतंत्रता, उत्तम पुष्टि, दीर्घायु तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

यह आशीर्वाद चाहते हैं तो अवश्य करें अपने पूर्वजों का श्राद्ध

तुलसी से पिण्डार्चन किए जाने पर पितरगण (पितृ) प्रलयपर्यन्त तृप्त रहते हैं। तुलसी की गंध से प्रसन्न होकर गरुड़ पर आरुढ़ होकर विष्णुलोक चले जाते हैं। पितर (पितृ) प्रसन्न तो सभी देवता प्रसन्न, श्राद्ध से बढ़कर और कोई कल्याणकारी कार्य नहीं है और वंशवृद्धि के लिए तो पितरों की आराधना ही एकमात्र उपाय है.

आयु: पुत्रान्यश: स्वर्ग कीर्तिं पुष्टिं बलं श्रियम।
पशुन सौख्यं धनं धान्यं प्राप्नुयात पितृपूजनात।।

(यमस्मृति, श्राद्धप्रकाश)

यमराजजी का कहना है कि

- श्राद्ध-कर्म से मनुष्य की आयु बढ़ती है।
- पितरगण (पितृ) मनुष्य को पुत्र प्रदान कर वंश का विस्तार करते हैं।
- परिवार में धन-धान्य का अंबार लगा देते हैं।
- श्राद्ध-कर्म मनुष्य के शरीर में बल-पौरुष की वृद्धि करता है और यश व पुष्टि प्रदान करता है।
- पितरगण (पितृ) स्वास्थ्य, बल, श्रेय, धन-धान्य आदि सभी सुख, स्वर्ग व मोक्ष प्रदान करते हैं।
- श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करने वाले के परिवार में कोई क्लेश नहीं रहता वरन वह समस्त जगत को तृप्त कर देता है।

श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है श्राद्ध कर्म

भाद्रपद की पूर्णिमा से आश्विन माह की अमावस्या तक श्राद्ध पर्व रहता है। यानी 16 दिनों तक श्राद्ध पर्व मनाया जाता है। इसे पितृपक्ष भी कहते हैं। इस दौरान हर घर के लोग अपने पूर्वज और मृतकों की शांति और सद्गति के लिए पिंडदान, तर्पण और पूजा करते हैं।

श्राद्ध कर्म करना एक सभ्य मनुष्य की निशानी है। पशु और पक्षियों में जो संवेदनशील होते हैं वे भी अपने परिवार के मृतकों के लिए निश्चित स्थान पर एकत्रित होकर संवेदना व्यक्त करते हैं। जिस पिता ने, दादा ने या पूर्वज ने आपका पालन-पोषण किया और आपको एक जीवन दिया उसके प्रति श्रद्धा रखते हुए उसकी शांति और मुक्ति का कर्म करने के लिए श्राद्ध करना चाहिए।

पूर्वजों और अतृप्त आत्माओं की सद्गति के लिए श्राद्ध कर्म करना चाहिए। अतृप्त की तृप्ति के लिए करना होता है श्राद्ध। प्रत्येक पुत्र या पौत्र या उसके सगे संबंधियों का उत्तरदायित्व होता है कि वह उक्त आत्मा की तृप्ति और सद्गति के उपाय करें ताकि वह पुन: जन्म ले सके।

अतृप्ति का कारण

अतृप्त इच्छाएं। जैसे भूखा, प्यासा, संभोगसुख से विरक्त, राग, क्रोध, द्वेष, लोभ, वासना आदि इच्छाएं और भावनाएं रखने वाले को और अकाल मृत्यु मरने वालों के लिए। जैसे हत्या, आत्महत्या, दुर्घटना या किसी रोग के चलते असमय ही मर जाना। आदि के लिए श्राद्ध करना जरूरी है। क्योंकि ऐसी आत्माओं को दूसरा जन्म मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है या कि वह अधोगति में चली जाता है। उन्हें इन सभी से बचाने के लिए पिंडदान, तर्पण और पूजा करना जरूरी होता है। अतृप्ति के और भी कई कारण होते हैं। जैसे धर्म को नहीं जानना, गलत धारणा पालना, अनजाने में अपराध या बुरे कर्म करना, हत्या करना, आत्मत्या करना, बलात्कार, हर समय किसी न किसी का अहित करना या किसी भी निर्दोष मनुष्य या प्राणियों को सताना, चोर, डकैत, अपराधी, धूर्त, क्रोधी, नशेड़ी और कामी आदि लोग मरने के बाद बहुत ज्यादा दु:ख और संकट में फंस जाते हैं, क्योंकि कर्मों का भुगतान तो सभी को करना ही होता है। पितृ पक्ष एक ऐसा पक्ष रहता है जबकि उक्त सभी तरह की आत्माओं की मुक्ति का द्वारा खुल जाता है। तब धरती पर पितृयाण रहता है। जैसे पशुओं का भोजन तृण और मनुष्यों का भोजन अन्न कहलाता है, वैसे ही देवता और पितरों का भोजन अन्न का सार तत्व है। सार तत्व अर्थात गंध, रस और उष्मा। देवता और पितर गंध तथा रस तत्व से तृप्त होते हैं।

पितृपक्ष में कुतुप मुहूर्त में करते हैं श्राद्ध

भाद्रपद की पूर्णिमा से आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तक 16 दिन तक श्राद्ध पक्ष रहता है। श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें।

चार सबसे श्रेष्ठ समय - शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल - कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहूर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

अभिजीत मुहूर्त - अभिजीत मुहूर्त हर दिन के हिसाब से अलग अलग होता है। किसी दिन यह नहीं भी रहता है। यह कुतुप काल के आसपास का ही मुहूर्त होता है।

अभिजीत मुहूर्त - सुबह 11.53 से 12.41 तक।

रोहिणी काल - रोहिणी काल अर्थात रोहिणी नक्षत्र काल के दौरान श्राद्ध किया जा सकता है।

रोहिणी मुहूर्त - दोपहर 12.41 से 01.29 तक।

मध्याह्नकाल - यदि कुतुप, अभिजीत या रोहिणी काल ज्ञात न हो तो मध्याह्नकाल या अपराह्न काल में श्राद्ध करना श्रेष्ठ रहता है। यानी श्राद्ध का समय तब होता है जब सूर्य की छाया पैरों पर पड़ने लगे।

अपराह्न मुहूर्त - दोपहर 01.29 से 03.53 तक

श्राद्ध करने का सही समय

17 सितंबर से श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो गए हैं। पितृपक्ष के इन सोलह दिनों में पितृ-आराधना हेतु श्राद्ध व तर्पण इत्यादि किया जाता है। शास्त्र का वचन है- श्रद्धया इदम् श्राद्धम् अर्थात् पितरों के निमित्त श्रद्धा से किया गया कर्म ही श्राद्ध है।

श्राद्ध पक्ष में पितृगणों (पितरों) के निमित्त तर्पण व ब्राह्मण भोजन कराने का विधान है किंतु जानकारी के अभाव में अधिकांश लोग इसे उचित रीति से नहीं करते जो कि दोषपूर्ण है क्योंकि शास्त्रानुसार पितरो वाक्यमिच्छन्ति भावमिच्छन्ति देवता- अर्थात् देवता भाव से प्रसन्न होते हैं और पितृगण शुद्ध व उचित विधि से किए गए श्राद्धकर्म से।

श्राद्ध पक्ष में तर्पण एवं ब्राह्मण भोजन कराने से पितृ तृप्त होते हैं। श्राद्ध पक्ष में नित्य मार्कण्डेय पुराणान्तर्गत पितृ स्तुति करने से पितृ प्रसन्न होकर अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। श्राद्ध पक्ष में कुतप काल में नित्य तर्पण करना चाहिए। तर्पण सदैव काले तिल, दूध, पुष्प, कुश, तुलसी, नर्मदा/गंगा जल मिश्रित जल से करें। तर्पण सदैव पितृ-तीर्थ (तर्जनी व अंगूठे के मध्य का स्थान) से करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति के लिए श्राद्धकर्म अनिवार्य है, वह करना ही चाहिए लेकिन उससे भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है जीवित अवस्था में अपने माता-पिता की सेवा करना। जिसने जीवित अवस्था में ही अपने माता-पिता को अपनी सेवा से संतुष्ट कर दिया हो उसे अपने पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता ही है। शास्त्र का वचन है- वित्तं शाठ्यं न समाचरेत अर्थात् श्राद्ध में कंजूसी नहीं करना चाहिए, अपनी सामर्थ्य से बढ़कर श्राद्ध कर्म करना चाहिए।

इस समय करेंगे श्राद्ध तो मिलेगा अक्षय पुण्य

श्राद्ध पक्ष के सोलह दिन पितृ स्मरण के दिन होते हैं। इन सोलह दिनों में पितृगणों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान व ब्राह्मण भोजन इत्यादि कराया जाता है। वैसे तो वर्षभर श्राद्ध व तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध के भी कई प्रकार होते हैं जैसे नान्दी श्राद्ध, पार्वण श्राद्ध एवं मासिक श्राद्ध आदि किंतु श्राद्ध पक्ष के सोलह दिनों में तिथि अनुसार श्राद्ध करने से अनंत गुना फ़ल प्राप्त होता है एवं पितृगण संतुष्ट होकर अपने आशीष प्रदान करते हैं।

कुतप-काल में ही करें श्राद्ध कर्म

श्राद्ध पक्ष के सोलह दिनों में सदैव कुतप बेला में ही श्राद्ध संपन्न करना चाहिए। दिन का आठवां मुहूर्त कुतप काल कहलाता है। दिन के अपराह्न 11.36 मिनिट से 12.24 मिनिट तक का समय श्राद्ध कर्म के विशेष शुभ होता है। इस समय को कुतप काल कहते हैं। इसी समय पितृगणों के निमित्त धूप डालकर, तर्पण, दान व ब्राह्मण भोजन कराना चाहिए।

गजच्छाया योग में श्राद्ध का अनंत गुना फ़ल

शास्त्रों में गजच्छाया योग में श्राद्ध कर्म करने से अनंत गुना फ़ल बताया गया है। गजच्छाया योग कई वर्षों बाद बनता है इसमें किए गए श्राद्ध का अक्षय फ़ल होता है। गजच्छाया योग तब बनता है जब सूर्य हस्त नक्षत्र पर हो और त्रयोदशी के दिन मघा नक्षत्र होता है। यदि यह योग महालय (श्राद्ध पक्ष) के दिनों में बन जाए तो अत्यन्त शुभ होता है।

क्या पुनर्जन्म के बाद भी व्यक्ति को श्राद्ध लगता है?

यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। हिन्दू धर्म के अनुसार कर्मों की गति के अनुसार व्यक्ति को दूसरी योनि मिलती है। यदि किसी को नहीं मिली है तो फिर वह प्रेत योनि में चला जाता है या यदि अच्छे कर्म किए हैं तो पितृलोक या देवलोक में कुछ काल रहने के बाद पुन: मनुष्य योनि में आता है। निश्चित ही है कि जिन्हें प्रेत योनि मिली है और जो पितृलोक चले गए हैं उनके लिए भी श्राद्ध कर्म किया जाता है, लेकिन जिन्होंने दूसरा जन्म ले लिया है क्या उन्हें भी श्राद्ध का फल मिलता है?

प्रेत योनि

गति कई प्रकार की होती है। प्रेतयोनि में जाना एक दुर्गति है। पितरों का श्राद्ध करने वाले और उनका तर्पण करने वाले उनकी सद्गति के लिए सहयोग करते हैं। हमारे जो पूर्वज पितृलोक नहीं जा सके या जिन्हें दोबारा जन्म नहीं मिला ऐसी अतृप्त और आसक्त भाव में लिप्त आत्माओं के लिए 'गया' में मुक्ति-तृप्ति का कर्म तर्पण और पिंडदान किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है जहां से आत्मा प्रेत योनी से छूटकर मनुष्य योनी में जन्म ले लेती है या पितृलोक में पितरों के साथ निश्चित काल के लिए चली जाती है।

पितृलोक के पितृ

मान्यता है कि पितृलोक में किसी आत्मा का पहुंचना बहुत ही सौभाग्य की बात होती है। वहां वह अपने सभी पूर्वजों से मिलकर सभी संतापों से मुक्त होकर रहता है और सुख भोगने के बाद एक निश्चित काल के बाद मनुष्य योनी धारण करता है। जब धरती पर पितृपक्ष प्रारंभ होता है तब ऐसी ही हमारे पितृ अपने वंशजों को देखने के लिए धरती पर आते हैं और उनके द्वारा किए जा रहे श्राद्ध कर्म का भोग ग्रहण करके उन्हें आशीर्वाद देकर उनके दुखों को मिटा देते हैं।

पुनर्जन्म लेने वाले पूर्वज

यजुर्वेद में कहा गया है कि शरीर छोड़ने के पश्चात्य, जिन्होंने तप-ध्यान किया है वे ब्रह्मलोक चले जाते हैं अर्थात ब्रह्मलीन हो जाते हैं। कुछ सतकर्म करने वाले भक्तजन स्वर्ग चले जाते हैं। स्वर्ग अर्थात वे देव बन जाते हैं। राक्षसी कर्म करने वाले कुछ प्रेत योनि में अनंतकाल तक भटकते रहते हैं और कुछ पुन: धरती पर जन्म ले लेते हैं। जन्म लेने वालों में भी जरूरी नहीं कि वे मनुष्य योनि में ही जन्म लें। अत: ऐसे पूर्वजों को भी उनके वंशजों द्वारा किया गया श्राद्ध कर्म लगता है। दरअसल, शास्त्रों में कहा गया है कि हम अन्न-जल को अग्नि को दान करते हैं। अग्नि उक्त अन्न-जल को हमारे पितरों तक पहुंचाकर उन्हें तृप्त करती है। श्राद्ध और तर्पण जिसके निमित्त किया गया उस तक जल और अग्नि के माध्यम से यह सुगंध रूप में पहुंचकर उन्हें तृप्त करता है। वास्तव में श्रद्धापूर्वक श्राद्ध में दिए गए भोजन का सूक्ष्म अंश परिणित होकर उसी अनुमात और मात्रा में प्राणी को मिलता है जिस योनि में वह प्राणी वर्तमान में है। इस संबंध में पुराणों में कई जगहों पर उल्लेख मिलता है कि उस जीवित प्राणी को भी श्राद्ध के भोग का अंश मिलता है जिससे कि उसका हृदय तृप्त हो जाता है। जल, अग्नि और वायु उसके अंश को पहुंचाने में माध्यम बनते हैं।

यमलोक की यात्रा

आत्मा सत्रह दिन तक यात्रा करने के पश्चात अठारहवें दिन यमपुरी पहुंचती है। गरूड़ पुराण में यमपुरी के इस रास्ते में वैतरणी नदी का उल्लेख मिलता है। वैतरणी नदी विष्ठा और रक्त से भरी हुई है। जिसने गाय को दान किया है वह इस वैतरणी नदी को आसानी से पार कर यमलोक पहुंच जाता है अन्यथा इस नदी में वे डूबते रहते हैं और यमदूत उन्हें निकालकर धक्का देते रहते हैं।

यमपुरी पहुंचने के बाद आत्मा 'पुष्पोदका' नामक एक और नदी के पास पहुंच जाती है जिसका जल स्वच्छ होता है और जिसमें कमल के फूल खिले रहते हैं। इसी नदी के किनारे छायादार बड़ का एक वृक्ष है, जहां आत्मा थोड़ी देर विश्राम करती है। यहीं पर उसे उसके पुत्रों या परिजनों द्वारा किए गए पिंडदान और तर्पण का भोजन मिलता है जिससे उसमें पुन: शक्ति का संचार हो जाता है।

संक्षिप्त समाचार

सारंडा के जंगल में आईईडी ब्लास्ट, सीआरपीएफ जवान घायल; नक्सलियों ने बिछाया था बम

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार की सुबह नक्सलियों ने आइईडी ब्लास्ट किया है। इस घटना में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया है। जवान को एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए रांची लाया गया है। इलाज उपरांत उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनल, अनमोल, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन अपने दस्ता के सदस्यों के साथ सारंडा के कोल्हान क्षेत्र में भ्रमणशील है।सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों के जवानों ने छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगली क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान प्रारंभ किया। अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के जवानों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से बम लगाया था जिसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया।

झारखंड का अगला डीजीपी कौन होगा यूपीएससी को भेजे गए चार आईपीएस के नाम

रांची, एजेंसी। हेमंत सोरेन सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) के चार वरीय अधिकारियों का नाम पुलिस महानिदेशक पद के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भेजा है। सूत्रों की माने तो इनमें 1990 बैच के आइपीएस अधिकारी अनिल पलटा व अनुराग गुप्ता तथा 1992 बैच के प्रशांत सिंह व आरके मल्लिक शामिल हैं।हालांकि, 1992 बैच के अधिकारी आरके मल्लिक जनवरी, 2025 में ही सेवानिवृत्त होने वाले हैं। 1989 बैच के आइपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह को राज्य सरकार ने गत 26 जुलाई को डीजीपी पद से हटा दिया था। तब से ही यह पद प्रभार में चल रहा है। अजय कुमार सिंह भी अगले वर्ष जनवरी में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।बता दें कि वर्तमान में अनुराग गुप्ता झारखंड के अतिरिक्त डीजीपी का प्रभार संभाल रहे हैं। सूत्रों को मुताबिक फुल टाइम डीजीपी के लिए अनुराग गुप्ता का नाम भी भेजा गया है। अनुराग गुप्ता काफी कड़क आईपीएस अधिकारी माने जाते हैं। झारखंड में नक्सलियों पर नकेल कसने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है।कुछ दिन पहले समीक्षा बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने छह जिलों बोकारो, चाईबासा, चतरा, गिरिडीह लातेहार व पलामू के एसपी को स्पेशल टास्क सौंपा था।

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने नियुक्त किए जिलावार पर्यवेक्षक,

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने सभी जिलों में पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए हैं। ये पर्यवेक्षक जिला के अंतर्गत पड़ने वाले विधानसभा क्षेत्र के लिए पांच नामों की अनुशंसा राज्य मुख्यालय को करेंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि यह कार्य जल्द कर लें। वे जिलों में पड़ने वाले प्रखंडों में 25 सितंबर तक बैठक आयोजित करेंगे।उक्त बैठक में प्रखंड के अग्रणी संगठन, संबंधित प्रखंड के प्रदेश प्रतिनिधि, प्रदेश पदाधिकारी, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद, पूर्व सांसद एवं मंत्री को आमंत्रित करेंगे। उन्होंने बताया कि जिला वार नियुक्त पर्यवेक्षकों को 25 सितंबर तक जिला नामों की अनुशंसा प्रदेश कांग्रेस को सौंप देना है।जिला वार नियुक्त पर्यवेक्षकों में रांची- शिवकुमार भगत, रांची ग्रामीण- सुरेंद्र यादव, खूंटी-आभा सिन्हा, पश्चिमी सिंहभूम- रमा खलखो, सरायकेला खरसावां- रामाश्रय प्रसाद, पूर्वी सिंहभूम- बलजीत सिंह बेदी, बोकारो-अशोक कुमार चौधरी, धनबाद-संजय मुन्नम, गिरिडीह- सुल्तान अहमद शामिल हैं।वहीं, देवघर- रविंद्र झा, गोड्डा -अनुकूल मिश्रा, साहिबगंज- उदय लखमानी, पाकुड़- श्यामल किशोर सिंह, दुमका- राजेंद्र दास, जामताड़ा- फैयाज कैसर, रामगढ़-सुरेंद्र सिंह, हजारीबाग-नरेश वर्मा, कोडरमा- अवधेश कुमार सिंह, चतरा- विजय यादव, लातेहार-आशिक अंसारी, पलामू-विनय सिन्हा दीपू, गढ़वा- चंद्रशेखर शुक्ला, लोहरदगा-भीम कुमार, गुमला- आलोक कुमार दुबे, सिमडेगा - डा.अजय शाहदेव शामिल हैं।

प्रदेश में बारिश से राहत नहीं, कोल्हान में तीन दिन का येलो अलर्ट जारी

रांची, एजेंसी। झारखंड में अभी बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। कोल्हान समेत पूरे राज्य में अभी बारिश का दौर जारी जारी रहेगा। मौसम विभाग रांची केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार अभी झारखंड में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। इस दौरान वज्रपात के साथ तेज हवा भी चलेगी।

मौसम विभाग ने पांच दिन का पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया कि राज्य में 23 सितंबर तक कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। पूर्वानुमान के अनुसार, 23 सितंबर तक रुक-रुक कर कई जिलों में बारिश होगी। इसको लेकर 20, 21 और 22 सितंबर को येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कोल्हान के तीनों जिलों पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और पश्चिम सिंहभूम में वज्रपात के साथ बारिश की संभावना है।

944.5 मिमी के बजाय 936.9 मिमी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून से 17 सितंबर के बीच झारखंड में आमतौर पर 944.5 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन इस अवधि में 936.9 मिलीमीटर बारिश हुई है। यह सामान्य बारिश से एक फीसदी कम है।

पानी उतरने के बाद भी कम नहीं हुई परेशानी

लगातार बारिश के बाद जमशेदपुर के निचले इलाकों में भरा पानी निकलने के बाद भी लोगों की परेशानी कम नहीं हुई है। मानगो हड्डी गोदाम एरिया, शांतिनगर, शंकोसाई रोड नंबर-1, रामनगर, श्यामनगर, लक्ष्मीनगर, संजय पथ, ओल्ड पुरूलिया रोड, कुंवर बस्ती इलाके बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित हुए थे। मानगो के कुछ इलाकों में पानी बुधवार को भी जमा रहा, श्याम नगर, रामनगर इलाके में पानी तो नीचे उतरा लेकिन स्थिति गंभीर बनी हुई है।

लगातार बारिश के बाद जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में बुधवार को मरीजों की संख्या काफी अधिक रही। कई दिनों से हो रही बारिश के कारण मरीज काफी कम पहुंच रहे थे। आम तौर पर सोमवार को काफी भीड़ रहती है, लेकिन सोमवार को मरीजों की संख्या सामान्य से एक तिहाई से भी कम थी। बुधवार को सुबह से शाम तक करीब 1425 मरीज पहुंचे। इनमें 150 मरीज इमरजेंसी के थे।

जमुई में किऊल नदी की तेज धार में समाया मजदूर, बिजली का गिरा तार निकालने के दौरान हुआ हादसा

जमुई, एजेंसी। जमुई में बिजली विभाग का काम कर रहा एक मजदूर नदी में गिरकर लापता हो गया. घटना किऊल नदी में घटी है. जहां बीते दिन क्यूल नदी में गिरे 33 हजार केवीए विद्युत तार को निकालने के लिए मजदूर को बिजली विभाग के अधिकारियों के द्वारा नदी में उतारा गया था. लेकिन मजदूर हादसे का शिकार हो गया. गहरे पानी में डूबकर मजदूर लापता हो गया. मजदूर की खोजबीन जारी है. लापता मजदूर की पहचान खैरा प्रखंड के जीत झिंगोई गांव निवासी विवेक यादव के रूप में हुई है.

किऊल नदी में गिरे बिजली के तार को निकालने का प्रयास कर रहा एक मजदूर नदी में ही डूब गया. उसके शव का भी कोई पता नहीं चल सका है. मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है. मृतक के साथी मजदूर शैलेंद्र कुमार यादव ने इस पूरे घटना को लेकर बताया कि कुल 10 मजदूर तार खींचने के लिए नदी गए थे. बीच नदी में दो पोल गड़े हुए हैं. नीचे गिरे तार को उस पोल पर चढ़ाना था. हम सभी इसी काम के लिए नदी में उतरे थे.बताया कि वो 500 रुपए रोज पर आकर काम करते हैं.

मजदूर ने बताया कि सुबह हमलोग 10 व्यक्ति तार निकालने गए थे. लेकिन पानी अधिक था तो तार को निकालकर केवल वापस आ गए थे.

ट्रक की चपेट में आकर सब्जी विक्रेता घायल, आक्रोशितों ने सड़क जाम की

रांची/बालूमाथ, एजेंसी। शहर के बीचो-बीच स्थित थाना चौक में एक सब्जी विक्रेता ट्रक की चपेट में आकर घायल हो गया. घायल सब्जी बिक्रेता की पहचान उमेश प्रसाद उर्फ ओड़वा के रूप में हुई है. स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायल को बालूमाथ के सरकारी अस्पताल ले गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर कर दिया. दुर्घटना के बाद चालक ट्रक से भागने की कोशिश कर रहा था. लेकिन बालूमाथ पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया. साथ ही ट्रक को भी अपने कब्जे में ले लिया. बताया जाता है कि उमेश काफी लंबे समय से थाना चौक पर सब्जी बेचने का काम करता है.

इधर दुर्घटना के बाद बालूमाथ के अक्रोशित लोगों ने देर रात थाना चौक के समीप एनएच-22 सड़क को जाम कर दिया. सड़क जाम करने की वजह से सड़क की दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी.

पुलिस प्रशासन ने जाम हटवाने का काफी प्रयास किया. लेकिन वे अपनी जिद पर अड़े थे. पुलिस प्रशासन द्वारा इलाज के लिए हर संभव मदद के आश्वासन बाद रात लगभग 11:30 बजे सड़क जाम हटा ली गयी. मौके पर बालूमाथ एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम, पुलिस निरीक्षक परमानंद बिरुआ, बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय, बरियातू थाना प्रभारी राजा दिलावर, गौतम कुमार, संतदेव कुमार, सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

पहले दिन ही लेट पहुंची वंदे भारत, टाटानगर-पटना ट्रेन को नहीं मिले क्षमता के अनुसार यात्री

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर-पटना वंदे भारत ट्रेन पहले दिन ही 20 मिनट देरी से पटना पहुंची। पहले दिन इस ट्रेन को क्षमता के अनुरूप यात्री भी नहीं मिले। बुधवार सुबह टाटानगर से 163 यात्रियों को लेकर ट्रेन रवाना हुई। जबकि टाटानगर-बरहमपुर वंदे भारत में भी यात्रियों की संख्या अपेक्षा से कम थी। इधर, राउरकेला-हावड़ा वंदे भारत पर टाटानगर स्टेशन से दर्जनों यात्री सवार हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 सितबंर को ऑनलाइन तीनों मार्ग की वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन किया था। इसके बाद ट्रेनों को बुधवार से शुरू कर दिया गया। बताया जाता है कि टाटानगर से पटना वंदे भारत ट्रेन पर 163 यात्री सवार हुए, जबकि सौ से ज्यादा टिकट दूसरे स्टेशनों से बुक थे। लेकिन करंट काउंटर में रात डेढ़ बजे तक वंदे भारत ट्रेन की दोनों श्रेणियों (चेयरकार में 240 और 16 एग्जीक्यूटिव क्लास) में 256 सीटें खाली थीं। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से टाटानगर-पटना वंदे भारत ट्रेन को नंबर बदलकर दो मार्गों से चलाने का आदेश है। पांच दिन ट्रेन बोकारो-गोमो व गया के रास्ते पटना जाएगी तो एक दिन डाल्टनगंज, गढ़वा एवं बरकाकाना से गया होकर पटना से अप-डाउन करेगी।

पहले ही दिन 20 मिनट हुई देर, यात्री रहे परेशान : पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस को पहले दिन ही गुवा मेमू ट्रेन ने फंसा दिया। गम्हरिया में वंदे भारत एक्सप्रेस को करीब 15 मीनट रोककर पहले गुवा-टाटा मेमू ट्रेन को सिग्नल दे दिया। इससे वंदे भारत ट्रेन पर सवार यात्री परेशान हो गए। बताया जाता है कि टाटानगर से वंदे भारत ट्रेन समय से पहले पटना पहुंच गई थी। ट्रायल रन के दौरान भी वंदे भारत एक्सप्रेस टाटानगर देर से पहुंची थी, क्योंकि चांडिल के बाद रफ्तार कम होने के साथ कांड्रा, गम्हरिया एवं आदित्यपुर स्टेशन पर रोका गया था। पहले ही दिन यह ट्रेन बीस मिनट देर से पहुंची।

यात्री सुरक्षा में आरपीएफ की तैनाती : टाटानगर से तीनों वंदे भारत ट्रेन में आरपीएफ के एक अफसर और तीन जवानों को तैनात करने का आदेश गार्डेनरीच से आया है। इससे टाटानगर से आरपीएफ जवानों ने पटना की ट्रेन में गोमो स्टेशन तक सुरक्षा ड्यूटी की। वहीं, बरहमपुर वंदे भारत ट्रेन में क्योंझर तक एस्कॉर्ट करने के साथ राउरकेला भी गए। बताया जाता है कि वंदे भारत ट्रेन में यात्री सुरक्षा के मद्देनजर मंडल के बड़े स्टेशनों से आरपीएफ जवानों की ड्यूटी लगेगी। रांची-हावड़ा वंदे भारत को आरपीएफ पहले से एस्कॉर्ट कर रही है।

साहिबगंज के बरहरवा में पुलिस के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग, बाजारों को कराया बंद

बरहरवा, एजेंसी। साहिबगंज के बरहरवा में पुलिस के विरोध में लोगों ने सड़क जाम कर दिया. बुधवार सुबह 8 बजे से लोगों ने बाजार को बंद कराया इसके बाद स्टेशन चौक पर इकट्ठा होकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया. दरअसल बिंदुधाम मंदिर के मुख्य पुजारी गंगा बाबा और बरहरवा आरएसएस के नगर कार्यवाहक अनुराग आनंद के कथित जेवरात की हेरा फेरी के मामले में पुलिस ने अनुराग की बेरहमी से पिटाई कर दी थी. जिसके बाद से वे मालदा के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं.

स्थानीय लोगों का कहना है कि साहिबगंज के रांगा थाना की पुलिस ने आरएसएस के नगर कार्यवाहक अनुराग आनंद को पीटा है. जिससे वह गंभीर रूप से घायल है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पुलिस राजनीतिक दबाव के कारण ऐसा कर रही है. मंदिर के मुख्य पुजारी गंगा बाबा को जबरन मंदिर से उठाकर थाना लाया जाता है और दिनभर रखकर उनसे पूछताछ कर शाम में छोड़ देती है. लोगों ने सवाल उठाया है कि अगर पुलिस को लगता है कि चोरी हुई है, तो क्या-क्या सामानों की चोरी हुई, आज तक पुलिस ने क्यों नहीं उजागर किया.

स्थानीय लोगों का कहना था कि अगर कोई चोरी में शामिल है तो इसकी भी जानकारी हमें भी दें. प्रदर्शन करने वालों कमल कृष्ण भगत, श्यामल दास पांचू सिंह, रविंद्र भगत, आनंद भगत, परमानन्द कुशवाहा, बृजमोहन भगत सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

झारखंड में युवक को पीटने लगी गुस्साई भीड़, रेप और हत्या के शक में मार डाला

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के प. सिंहभूम जिले के गोईलकेरा में ग्रामीणों ने दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या के संदेह में एक युवक को पीट-पीटकर मार डाला। घटना मंगलवार दोपहर लगभग चार बजे नक्सल प्रभावित कुरकुटिया गांव की है। युवक टूटे हेम्ब्रम (30) कुरकुटिया का ही रहने वाला था। बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल, पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती 10 सितंबर को मवेशी चराने बाईहातु जंगल गयी थी। वह देर शाम तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी। अगले दिन 11 सितंबर को गांव से तीन किमी दूर जंगल में उसकी अर्द्धनग्न अवस्था में लाश मिली। ग्रामीणों द्वारा युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई गई। इस मामले में पुलिस अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर छानबीन कर रही थी।

इस बीच मंगलवार को ग्रामीणों ने कुरकुटिया के टूटे हेम्ब्रम को संदेह में उसके गांव के पास ही पकड़ लिया। ग्रामीणों ने उसकी पिटाई की और पैदल थाना ले जाने लगे। इधर, सूचना मिलते ही गोईलकेरा थाना प्रभारी कमलेश राय एम्बुलेंस के साथ कुरकुटियां के लिए निकल पड़े। रास्ते में ही सरबिल गांव के पास ग्रामीण मिल गये। पुलिस ने घायल टूटे हेम्ब्रम को ग्रामीणों से बचा एम्बुलेंस से सीएचसी ले जाकर भर्ती कराया। जांच के बाद चिकित्सक ने देर शाम युवक को चाईबासा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन सदर अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा युवक को कब्जे में लेने के बाद भी आक्रोशित ग्रामीण करीब बीस किमी पैदल चल गोईलकेरा थाना पहुंच गये।

सिसई थाना क्षेत्र में 15 साल की नाबालिग लड़की का उसके गांव से अपहरण, फिर उसके साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को लोहरदगा के कुडू थाना क्षेत्र स्थित गढ़ाटोली निवासी आरोपी इरफान अंसारी को गिरफ्तार कर गुमला जेल भेज दिया। सिसई थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, नाबालिग 12 सितंबर को रात आठ बजे किसी काम से घर से बाहर निकली थी। उसी बीच इरफान अंसारी ने उसका अपहरण कर गांव से कुछ दूर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इरफान ने उसे रातभर अपने कब्जे में रखा और धमकी दी कि इस बारे में किसी को जानकारी दी तो वह उसकी हत्या कर देगा। उधर, ग्रामीणों को जब अपहरण की सूचना मिली तो वे लोग उसे ढूंढ़ने निकले। कुछ दूर आगे जाने पर लड़की के साथ आरोपी को देखा तो चारों ओर से घेर लिया और फिर उसे पकड़कर सिसई पुलिस के हवाले कर दिया।

धुर्वा डैम से बरामद हुआ लापता युवती का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

रांची, एजेंसी। धुर्वा डैम से लापता युवती का शव मंगलवार को बरामद हुआ है. युवती 14 सितंबर की देर रात से लापता थी. इस मामले में युवती के परिजनों ने अपहरण कर हत्या की आशंका जताई है. गौरतलब है कि धुर्वा थाना क्षेत्र की रहने वाली आयशा नाम की युवती 14 सितंबर की रात में ढाई बजे अपने घर से बिना किसी को कुछ बताये स्कूटी लेकर निकली थी. उसके घर से निकलने की जानकारी होते ही परिजन उसे आसपास खोजने लगे. खोजते हुए जब वे डैम की ओर गये तो उन्हें युवती की चप्पल और स्कूटी खड़ी मिली.

परिजन डैम में युवती द्वारा छलांग लगाने की आशंका से घबराकर धुर्वा थाना पहुंचे. वहां उन्हें बताया गया कि मामला नगड़ी थाना का है. इसके बाद वे 15 सितंबर की सुबह साढ़े चार बजे नगड़ी थाना पहुंचे और घटना की जानकारी दी. कहा जा रहा है कि युवती वहीं के एक युवक से प्रेम करती थी. वह ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी कर घर में ही रहकर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी.

पिता ने धुर्वा थाना में बेटी के अपहरण और उसकी हत्या करने किये जाने मामला दर्ज कराया : युवती के पिता ने धुर्वा थाना में अपनी बेटी के अपहरण और उसकी हत्या किये जाने का मामला दर्ज कराया है. धुर्वा थाना में दिये आवेदन में युवती के पिता ने लिखा है कि उनका बेटा जो चंडीगढ़ में पढ़ाई करता है, उसने रविवार की रात 2.45 बजे फोन कर यह बताया कि उसे कुणाल सिंह नाम के एक व्यक्ति ने फोन पर बताया है,कि उसकी बहन धुर्वा डैम में कूदने के लिए गयी है.

झारखंड के होटल में अचानक पहुंची पुलिस, आपत्तिजनक हालत में मिलीं लड़कियां, मची अफरा-तफरी

रांची, एजेंसी। रांची के चुटिया थाने की पुलिस ने स्टेशन रोड पटेल चौक के पास होटल उगा में बुधवार को छापेमारी कर नाबालिग समेत दो लड़कियों का मुक्त कराया। पुलिस की टीम ने होटल संचालक अविनाश कुमार को मौके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अविनाश कुमार चुटिया इलाके का रहने वाला है।

नौकरी दिलाने के बहाने देह व्यापार : होटल से बरामद लड़कियों से पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि संचालक दोनों लड़कियों को काम दिलाने का झांसा देकर रांची लाया था। इसके बाद दोनों से देह व्यापार कराने लगा था।

मानव तस्करी की मिली थी सूचना : बताया जा रहा है कि एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को स्टेशन रोड स्थित एक होटल में मानव तस्करी की जानकारी मिली। इसके बाद सिटी डीएसपी केवी रमन और चुटिया थानेदार लक्ष्मीकांत पुलिस बल के साथ होटल में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस की टीम ने दोनों लड़कियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा। छापेमारी के दौरान होटल संचालक समेत अन्य लोग भागने लगे। पुलिस के जवानों ने संचालक को खदेड़ कर पकड़ लिया। इसके बाद महिला पुलिस पदाधिकारी के समक्ष नाबालिग समेत दो लड़कियों का बयान दर्ज हुआ। मामले में एसआई जितेंद्र कुमार मिश्रा के बयान पर चुटिया थाने में संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

पुलिस के अनुसार, बरामद दोनों लड़कियां चुटिया इलाके की रहने वाली है। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि उन्हें काम करने के बहाने लाया गया था। लेकिन, होटल में उससे गलत काम करवाया जाने लगा। होटल मालिक उससे देह व्यापार करवा रहा था। उन्हें होटल में रखा गया था।

मैं दुनिया छोड़कर जा रही हूं, फेसबुक लाइव पर ऐसा बोलकर नदी में कूद गई दो बच्चों की मां

रजरप्पा, एजेंसी। झारखंड के रजरप्पा में दो बच्चों की मां ने फेसबुक पर लाइव आकर मां छिन्नमास्तिका मंदिर के पास दामोदर नदी में छलांग लगा दी। इस दौरान महिला ने फेसबुक पोस्ट कर अपनी आत्महत्या के लिए पति व सास-ससुर को जिम्मेवार ठहराया। घटना बुधवार की सुबह लगभग 11 बजे की है। महिला बालीडीह थाना अंतर्गत कराड़िया जैनामोड़ की रहने वाली बताई जा रही है। महिला का पति देवेंद्र धर रामगढ़ में वन विभाग में हैं। महिला की दो छोटी-छोटी बेटियां हैं।

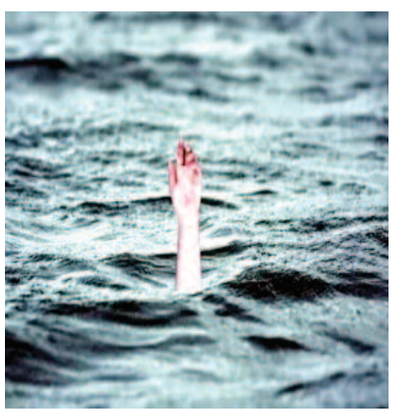

महिला की पहचान बालीडीह थाना के कराड़िया जैनामोड़ निवासी देवेन्द्र धर की पत्नी राखी कुमारी (25 वर्ष) के रूप में हुई है। इस दौरान वहां मौजूद मछुआरों ने उसे बचाने का प्रयास किया पर लेकिन उसे बचाया नही जा सका। वह गहरे पानी के अंदर समा गई। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने रजरप्पा पुलिस को दिया।घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय व अवर निरीक्षक विकास कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पहुंचे और उसकी खोजबीन शुरू की। काफी प्रयास के बावजूद महिला नहीं मिली। वर्ष 2020 में उसकी शादी बालीडीह थाना अंतर्गत कराड़िया जैनामोड़ निवासी देवेन्द्र धर के साथ हुई थी। बड़ी बेटी की उम्र दो वर्ष व छोटी की उम्र 8 माह है। शादी के बाद से ही उनके बीच खटपट शुरू हो गई। इसके कारण तीन वर्ष पूर्व वर्ष 2021 में महिला के पिता ने भी आत्महत्या कर ली थी। पति ने किसी भी तरह की आपसी मनमुटाव की बात को सिरे से नकार दिया है।दामोदर नदी में छलांग लगाने से पूर्व महिला तांत्रिक घाट पहुंची। काफी देर तक वहां चुपचाप बैठी रही। उसके बाद उसने फेसबुक पर एक पोस्ट डाला। आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप अपने पति के अलावा सास-ससुर पर लगाया। उसने लिखा कि मैं इस दुनिया को छोड़कर जा रही हूं। मेरी मौत का जिम्मेवार मेरे पति व सास-ससुर है। इसके बाद वह फेसबुक में लाइव आकर नदी में छलांग लगा दी।

कोविंद कमेटी की रिपोर्ट और दावे संदिग्ध : कमलेश

रांची, एजेंसी। झामुमो के बाद कांग्रेस ने भी 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के प्रस्ताव का विरोध किया है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' भाजपा का चुनावी मुद्दा है. लोगों का ध्यान भटकाने के लिए यह चुनावी मुद्दा है. कोविंद कमेटी की रिपोर्ट रिपोर्ट, सिंह और मिश्रा के पेपर के दावे, पूरे तरह से संदिग्ध हैं. उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने पर देश की जीडीपी में वृद्धि होगी, सरकारी खर्च की गुणवत्ता बढ़ेगी, अपराध कम होंगे, शैक्षणिक परिणाम बेहतर होंगे, ये सारे दावे संदिग्ध हैं. क्योंकि यह केवल छह राज्य कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हरियाणा, झारखंड और ओडिशा के अध्ययन पर आधारित हैं.

कमलेश ने कहा कि सिंह और मिश्रा के पेपर का दावा है कि विभिन्न चुनावों के बाद आर्थिक विकास दर में अंतर राज्य की जीडीपी वृद्धि को प्रभावित करता है. लेकिन यह तर्कसंगत नहीं है, क्योंकि कई कारक जीडीपी वृद्धि को प्रभावित करते हैं. लेखक सिंह और मिश्रा खुद कहते हैं कि उनके निष्कर्ष अन्य राज्यों या अवधि पर लागू नहीं हो सकते, इसलिए इन अस्थायी निष्कर्षों पर नीति बनाना अनुचित है. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने हमारा देश में पंचायती राज है. मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद, पार्षद, सभी का चुनाव एक साथ कराना संभव नहीं है. यह संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ है. उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस की यही मानसिकता रही है कि किसी भी तरह से संविधान एवं आरक्षण को खत्म कर दें.

स्टार इंडिया ने जी एंटरटेनमेंट पर किया 94 करोड़ डॉलर का दावा, क्रिकेट प्रसारण से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉल्ट डिज्नी की भारतीय इकाई स्टार इंडिया ने लंदन की मध्यस्थता अदालत में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज से 94 करोड़ डॉलर का हर्जाना मांगा है। स्टार इंडिया के अनुसार पुनीत गोयनका की कंपनी ने क्रिकेट प्रसारण अधिकारों के लिए भुगतान में चूक की है। स्टार ने इस मामले में पूर्ण भुगतान किए जाने तक लागत, व्यय और उस पर लागू ब्याज की भी मांग की है। उधर, जी ने स्टार इंडिया के हर्जाने के दावों का खंडन करते हुए कहा है कि वह इस दावे का विरोध करेगा। मुंबई में सूचीबद्ध प्रसारक ने एक विनियामक फाइलिंग में कहा, मध्यस्थता अपने शुरुआती चरण में है और लंदन न्यायाधिकरण को अभी यह निर्धारित करना है कि कंपनी किसी भी तरह से उत्तरदायी है या नहीं। इस साल मार्च में, स्टार ने लंदन कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन का रुख किया था, क्योंकि जी 26 अगस्त 2022 के एक समझौते का पालन करने में विफल रहा था। इस समझौते के तहत उसे (स्टार इंडिया को) आईसीसी के लिए टेलीविजन प्रसारण लाइसेंस जी को देना था। टूर्नामेंटों की मेजबानी चार वर्षों के लिए, अर्थात् 2024 से 2027 तक, उसे सौंप दी गई है। हालांकि, छह महीने बाद सितंबर में, स्टार ने जी के साथ समझौता समाप्त कर दिया और अन्य शुल्कों के साथ 31 अगस्त तक 94 करोड़ डॉलर का हर्जाना निर्धारित मांग। ज़ी ने बुधवार को कहा, हम, योग्यता के आधार पर, स्टार के सभी निराधार दावों का दृढ़ता से विरोध करेंगे और अपने सभी अधिकार सुरक्षित रखेंगे। जी के अनुसार स्टार ने ही समझौते का उल्लंघन किया है और उसे 68.5 करोड़ डॉलर चुकाने चाहिए। इस साल जनवरी में, जी ने स्टार को अपना पहला भुगतान नहीं किया था क्योंकि वह कथित तौर पर भुगतान करने की स्थिति में नहीं था।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लाएगी 10,000 करोड़ का इश्यू

कंपनी ने इसके लिए सेबी के पास ड्राफ्ट दाखिल किया, इसके तहत पूरी तरह से नए शेयर जारी किए जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पावर सेक्टर की सरकारी कंपनी एनटीपीसी के शेयरों में आज कारोबार के दौरान 3.5त्न से अधिक तेजी आई। यह बीएसई पर 431.85 रुपये के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। एनटीपीसी की सहायक कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने बुधवार को 10,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट दाखिल किया। इसके मुताबिक कंपनी केवल नए शेयर जारी करेगी और मौजूदा शेयरधारक कोई हिस्सेदारी नहीं बेचेंगे। यह फाइलिंग ऐसे समय में हुई है जब बिजली उत्पादक कंपनियां ग्रीन एनर्जी पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इस ऑफर का एक हिस्सा कंपनी के कर्मचारियों के लिए रिजर्व होगा और उन्हें डिस्काउंट मिलेगा। इश्यू का 75 फीसदी हिस्सा क्यूआईबी के लिए, 15 फीसदी नॉन इंस्टीट्यूशनल निवेशकों और 10 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए होगा।

यह आईपीओ इसलिए अहम है क्योंकि भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी प्राप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उसे सालाना लगभग 50 गीगावॉट क्षमता जोड़ने की आवश्यकता है। भारत में आईपीओ बाजार में तेजी है। इस

साल अब तक लगभग 235 कंपनियों ने 8.6 अरब डॉलर से अधिक जुटाए हैं। यह पिछले साल जुटाई गई कुल राशि से अधिक है। एनटीपीसी ग्रीन पूरी तरह एनटीपीसी के स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह परिचालन क्षमता और बिजली उत्पादन के मामले में सरकारी सेक्टर की सबसे बड़ी ग्रीन एनर्जी कंपनी है।

कंपनी का कामकाज

इस कंपनी के ग्रीन एनर्जी पोर्टफोलियो में छह से अधिक राज्यों में मौजूदगी के साथ सौर और पवन ऊर्जा एसेट्स शामिल हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की परिचालन क्षमता 31 अगस्त तक 4,071 मेगावॉट थी। इसमें 3,071 मेगावॉट सोलर और 100 मेगावॉट विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इस आईपीओ से होने वाली इनकम में से 7,500 करोड़ का उपयोग एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी का कर्ज कम करने और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स, एचडीएफसी बैंक, आईआईएफएल सिक्योरिटीज और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट इस इश्यू के बैंकर हैं।

एनटीपीसी ने 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 4510.98 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 11त्न अधिक है। इस अवधि में कंपनी का परिचालन से राजस्व 44,419.22 करोड़ रुपये हो गया। परिचालन से राजस्व साल-दर-साल आधार पर 13.5त्न बढ़ा जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 39,122.25 करोड़ रुपये था। पिछले एक साल में एनटीपीसी के शेयरों में 78.4त्न की तेजी आई है जबकि पिछले 6 महीनों में शेयर में 37.3त्न की वृद्धि हुई है। साल-दर-साल आधार पर शेयर में 39त्न की वृद्धि हुई है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने ढाई साल में पहली बार घटाई ब्याज दरें

पूरी दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखेगा असर

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बुधवार को ब्याज दरों में 50 बेसिस अंकों की कटौती का ऐलान कर दिया है। फेडरल रिजर्व ने इस कटौती के लिए महंगाई कम होने को लेकर कॉन्फिडेंस ज्यादा बढ़ने को मुख्य कारण बताया है। मार्च 2020 के बाद पहली बार ब्याज दरों में कमी की गई है। अमेरिकी ब्याज दरों में कमी का असर गुरुवार को भारत समेत दुनिया के शेयर बाजार में दिखाई देगा। माना जा रहा है कि इससे शेयर मार्केट में तेजी आ सकती है। इस कटौती से पहले फेड रिजर्व की दरें 5.25 से 5.5 फीसदी के बीच थीं जो 23 साल में सबसे ज्यादा रहीं। ब्याज दरों में कमी की घोषणा के बाद नई ब्याज दर 4.75 से 5 फीसदी के बीच हो गई हैं। महंगाई के बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक पर ब्याज दरें कम करने का दबाव भी था। विशेषज्ञ उम्मीद जता रहे हैं कि इस साल अभी और 50 बेसिस अंकों की कटौती ब्याज दरों में हो सकती है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीति निर्माताओं ने कटौती की घोषणा के साथ एक बयान में कहा, कमेटी इस बात को लेकर ज्यादा आश्वस्त है कि महंगाई 2 फीसदी के आसपास रहने की ओर बढ़ रही है। इसके साथ ही हमें अपने रोजगार और महंगाई लक्ष्यों में संतुलन बने रहने की भी उम्मीद है।

अपना कर्ज कम करने में लगी है रिलायंस पावर

3,872 करोड़ की पूरी देनदारी का भुगतान किया

गौतम अडानी की नजर उसके एक प्लांट पर है

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में लगातार तीसरे दिन अपर सर्किट लगा है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि उसने अपनी सब्सिडियरी रही कंपनी विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर के लिए गारंटर के तौर पर 3,872 करोड़ रुपये की पूरी देनदारी चुका दी है। विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर के पास नागपुर के बुटीबोरी में 600 मेगावाट का पावर प्लांट है। अडानी ग्रुप की नजर इसी पावर प्लांट पर है। मुंबई को बिजली सप्लाई में इस प्लांट की अहम भूमिका है। अब रिलायंस पावर के कर्ज चुकाने से इस डील की बड़ी बाधा दूर हो गई है।

इससे पहले खबर आई थी कि अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर ने बुटीबोरी प्लांट को खरीदने के लिए सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ बातचीत शुरू कर दी है। सीएफएम ने बुटीबोरी प्रोजेक्ट का सारा लोन 1,265 करोड़ रुपये में खरीद लिया था। अडानी ग्रुप देश का सबसे बड़ा प्राइवेट थर्मल पावर प्रॉड्यूसर है। उसकी

नजर बुटीबोरी प्लांट पर है। माना जा रहा है कि यह डील 2,400 से 3,000 करोड़ रुपये में हो सकती है। देश में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है और अडानी ग्रुप इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहता है। इस डील के पूरे होने के बाद गौतम अडानी पावर सेक्टर में अपनी पकड़ और मजबूत कर लेंगे।

क्यों जरूरी है प्रोजेक्ट

बुटीबोरी प्लांट में 300-300 मेगावाट की दो यूनिट हैं लेकिन कोयले आपूर्ति नहीं होने के कारण दोनों यूनिट बंद पड़ी हैं। अगर यह प्लांट अडानी के पास जाता है तो इससे उत्पादन शुरू हो सकता है। अडानी ग्रुप के पास नागपुर से करीब 125 किमी दूर तिरोदा में 3.3 गीगावाट का कोयला आधारित सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट है। ग्रुप की योजना तिरोदा प्लांट को बुटीबोरी प्रोजेक्ट से जोड़ने की है। 2019 तक बुटीबोरी प्रोजेक्ट मुंबई में बिजली सप्लाई का अहम सप्लायर था। सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाली जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने शुरू में इस प्रोजेक्ट में रुचि दिखाई थी। लेकिन वैल्यूएशन और ऑपरेशनल संबंधी मुद्दों के कारण उसने हाथ पीछे खींच लिए।

एक सिगरेट के बराबर पहुंची वोडाफोन आइडिया की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का शेयर गुरुवार को एनएसई पर 15 फीसदी टूटकर 10.96 रुपये के निचले सर्किट पर पहुंच गए। बीएसई पर भी यह 15त्न की गिरावट के साथ 10.33 पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। सुप्रीम कोर्ट ने एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू की नए सिरे से गणना करने के टेलिकॉम कंपनियों के अनुरोध को गुरुवार को खारिज कर दिया था। एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट से पिछले आदेश के खिलाफ क्यूरेटिव पिटीशन दायर की थी। इन कंपनियों की दलील थी कि टेलिकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट ने एजीआर बकाया की गणना में गलतियां की थी जिन्हें सुधारा जाना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

विभाग ने वोडाफोन आइडिया से 2019 में 58,000 करोड़ रुपये की डिमांड की थी। ब्याज लगाने के साथ यह रकम वित्त वर्ष 2024 के अंत तक 70,320 करोड़ रुपये हो गया है। हाल में वैश्विक ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैश ने वोडाफोन आइडिया के शेयर का टारगेट प्राइस 2.5 रुपये रखा है। यानी कंपनी का शेयर अभी 83 प्रतिशत तक गिर सकता है। गोल्डमैन ने एक रिपोर्ट में कहा कि वोडाफोन आइडिया वित्त वर्ष 26ई ईवी/ईबीआईटीडीए के 24 गुना पर कारोबार कर रहा है। यह भारती एयरटेल तथा जियो से लगभग 100 प्रतिशत प्रीमियम है।

शेयर की चाल

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि कमजोर ग्रोथ, मार्जिन रिटर्न तथा प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बैलेंस शीट प्रोफाइल को देखते हुए हमें इस प्रीमियम के सीमित कारण दिखाई देते हैं। वोडाफोन आइडिया देश की तीसरी बड़ी टेलिकॉम कंपनी है लेकिन लंबे समय से यह वित्तीय परेशानी से जूझ रही है। कंपनी का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 19.15 रुपये है। 28 जून को यह इस स्तर पर पहुंचा था। कंपनी का मार्केट कैप अब करीब 74,055 करोड़ रुपये रह गया है।

घर में शुरू की कीड़ा जड़ी की खेती, सालाना 30 लाख रुपये पहुंची कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। आपने घर में खेती करना सुना होगा। लेकिन क्या घर में जड़ी-बूटी उगाना सुना है अगर सुना होगा तो काफी कम। दिल्ली की रहने वाली सुमन सुखीजा आज एक खास जड़ी-बूटी का बिजनस करके लाखों रुपये कमा रही हैं। सुमन कॉर्डिसेप्स मशरूम की खेती करती हैं। इसे हिंदी में कीड़ा जड़ी के नाम से भी जानते हैं। कीड़ा जड़ी अपने औषधीय गुणों के लिए काफी फेमस है। सुमन इसकी खेती के अलावा लोगों को इसे उगाने की ट्रेनिंग भी देती हैं।

सुमन बताती हैं कि घर में वह ज्यादातर समय खाली रहती थीं। ऐसे में उन्होंने सोचा कि इस खाली समय में कुछ बिजनेस किया जाए। साल 2018 में उन्होंने हरियाणा के मुरथल में एचएआईसी मशरूम और कृषि विकास केंद्र से मशरूम की खेती की ट्रेनिंग ली। बटन मशरूम की खेती के बारे में सीखते समय उन्होंने कॉर्डिसेप्स मिलिटेरिस के बारे में भी सुना। यह हिमालय में पाया जाने वाला औषधीय गुणों वाला एक कवक है। इसे प्रयोगशाला में भी उगाया जा सकता है। इसे हिंदी में कीड़ा जड़ी के नाम से जाना जाता है।

घर पर की शुरुआत- ट्रेनिंग पूरी करने के बाद सुमन ने अपने घर के एक कमरे में एक लैब बनाई। वह कहती हैं कि साल 2018 में 200 वर्ग फीट में लैब बनाने में

करीब 4 लाख रुपये का खर्च आया। उन्होंने थाईलैंड से कल्चर खरीदा। यह कल्चर कॉर्डिसेप्स उगाने का आधार या बीज है। यह ठोस होता है और 3 इंच की पेट्री डिश में आता है। सुमन अब इसे 93 हजार रुपये प्रति किलो की कीमत में बेचती हैं। इसे बेचकर वह करीब 30 लाख रुपये साल की कमाई कर रही हैं।

ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं

इस खेती को करने में ज्यादा मेहनत या समय की जरूरत नहीं पड़ती। सुमन बताती है कि इसकी शेल्फ लाइफ लंबी होती है और इन्हें ताजा बेचने का कोई दबाव नहीं होता। कॉर्डिसेप्स को एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर माना जाता है। साथ ही यह ऑटोइम्यून बीमारियों, सांस से संबंधी समस्याओं, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल कम करने, किडनी को हेल्दी रखने आदि में कारगर है।

हर महीने काफी लोगों को ट्रेनिंग

सुमन हर महीने लगभग 20 से 30 लोगों को इसकी खेती की ट्रेनिंग देती हैं। साथ ही उनके लिए लैब स्थापित करने में मदद भी करती हैं। ट्रेनिंग के लिए प्रति व्यक्ति 15 हजार रुपये लेती हैं। सुमन बताती हैं कि जो भी शख्स कॉर्डिसेप्स की खेती करना चाहता है, उसके पास कम से कम 100 वर्ग फुट का स्पेस होना जरूरी है। इसमें शुरुआती निवेश करीब 3 लाख रुपये का होता है।

सहारा में निवेश कर फंसे लोगों के लिए राहत भरी खबर, पैसों की वापसी पर सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने सहारा समूह की सहकारी समितियों के छोटे जमाकर्ताओं के लिए धन वापसी की सीमा को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया है। सहकारिता मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ने अब तक सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से सहारा समूह के सहकारी समितियों के 4.29 लाख से अधिक जमाकर्ताओं को 370 करोड़ रुपये जारी किए हैं। अधिकारी ने कहा, रिफंड राशि की सीमा बढ़ाकर 50,000 रुपये करने से अगले 10 दिनों में लगभग 1,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह छोटे जमाकर्ताओं के लिए रिफंड राशि की सीमा 10,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई थी। सरकार रिफंड जारी करने से पहले जमाकर्ताओं के दावों की सावधानीपूर्वक जांच कर रही है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, सहारा समूह की चार बहु-राज्य सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं को पैसे लौटाने के लिए 18 जुलाई, 2023 को सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल शुरू किया गया।

ये समितियां हैं – सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, लखनऊ; सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड, भोपाल; हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, कोलकाता; तथा स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, हैदराबाद।

टीसीएस ने मैकडॉनल्ड्स से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने फिलीपींस में मैकडॉनल्ड्स के मास्टर फ्रैंचाइजी होल्डर के साथ दो साल का अनुबंध किया है। हालांकि इस डील की फाइनेंशियल डिटेल का खुलासा नहीं किया गया। फिलीपींस के जॉर्ज यांग के नेतृत्व वाली गोल्डन आर्चेस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के साथ पार्टनरशिप एशिया प्रशांत क्षेत्र में फास्ट-फूड इंडस्ट्री में टीसीएस की पहली साझेदारी है। टीसीएस ने बुधवार को एक रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.27त्न तेजी के साथ 4402 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

टीसीएस ने कहा कि डील की शर्तों के तहत वह फिलीपींस में 760 से अधिक मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां में आईटी ऑपरेशन को डिजिटाइज करेगी। इसमें जीएडीसी में मौजूदा सिस्टम को अपग्रेड करना और क्लाउड पर शिफ्ट करना शामिल होगा। जीएडीसी के एमडी मार्गोट टोरेस ने कहा कि टीसीएस के साथ यह साझेदारी हमारे निरंतर डिजिटल ट्रांजिशन की ओर एक और कदम है। इससे हमारा कामकाज बेहतर होगा और हम ग्राहकों तथा कर्मचारियों के अनुभव को लगातार बेहतर बना सकेंगे।

फिलीपींस में टीसीएस का कामकाज

टीसीएस का कहना है कि अपग्रेडेशन प्रक्रिया से कंपनी की कार्यकुशलता बढ़ेगी, परिचालन लागत में सुधार होगा, डिजिटल ट्रांजिशन और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा, फ्रैंचाइजी अनुभव को बेहतर होगा। इससे स्टेकहोल्डर्स को फायदा होगा और कामकाज में सुधार आएगा। टीसीएस जीएडीसी की प्रोसेस को भविष्य के लिए भी तैयार करेगी ताकि उनकी विकास योजनाओं को सपोर्ट मिल सके। टीसीएस फिलीपींस में 2008 से काम कर रही है। वर्तमान में इसके 5,000 से अधिक कर्मचारी दूरसंचार, बैंकिंग और वित्त, रियल एस्टेट और एयरलाइंस जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

नवंबर से दिसंबर मध्य तक होनी हैं 35 लाख शादियां, 4.25 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में त्योहारी सीजन के साथ ही शादियों का भी सीजन भी शुरू होने वाला है। यह नवंबर से शुरू होकर अगले साल फरवरी मार्च तक चलेगा। हाल ही में मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अबानी की शाही शादी लोगों ने देखी है, उसका असर देश के वेडिंग मार्केट पर भी दिखेगा। देश का धनाढ्य वर्ग अंबानी जैसी शादी तो भले न करे नहीं लेकिन खर्च करने में वे पीछे भी नहीं हटेंगे। नवंबर से लेकर दिसबंर 2024 के मध्य तक 35 लाख शादियां होनी है, जिसमें 4.25 लाख करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। रिसर्च कंपनी प्रभुदास लीलाधर (पीएल कैपिटल) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल लगभग 1 करोड़ शादियां होती है, जिससे भारतीस विवाह उद्योग दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा उद्योग बन गया है।

द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार विवाह उद्योग भारत का चौथा बड़ा उद्योग है, जिसमें प्रति वर्ष 139 बिलियन डॉलर का भारी खर्च होता है। इससे लाखों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलते हैं। रिपोर्ट के अनुसार कोविड जैसी महामारी की चुनौतियों से उबरने के बाद उद्योग ने पिछले तीन सालों में डिजिटल इनोवेशन को अपनाया है। जिसकी वजह से इस स्तर पर भी बदलाव देखा जा रहा है। पिछले कुछ डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में भारत के प्रमुख बाजार बनकर उभरा है। जिसको देखते सरकार पर्यटन क्षेत्र में डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में आगे बढ़ाने पर विचार भी कर रही है।

प्रभुदास लीलाधर के प्रमुख सलाहकार विक्रम कासट बताते हैं कि देश में नवंबर से लेकर दिसबंर 2024 के मध्य तक 35 लाख शादियां होनी है, जिसमें 4.25 लाख करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। इसके साथ ही सोने और चांदी के आयात शुल्क में हाल ही में 15 प्रतिशत से 6 प्रतिशत कटौती से देश भर में सोने की खरीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, विशेषकर आगामी त्योहारों और शादियों के मौसम के साथ ही धार्मिक महत्व को देखते हुए भी इसमें खरीदारी बनी रहेगी। निवेशक भी सोने और चांदी में निवेश को बढ़ावा दे रहे है।

विक्रम का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार में अक्सर त्योहारी और शादी के मौसम के दौरान तेजी देखी जाती है, जो काफी हद तक उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होने की वजह से होती है। रिटेल, हॉस्पिटालटी, आभूषण और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों को इस बढ़ी हुई मांग से काफी लाभ मिलता है। हालांकि प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में अलग अलग हो सकता है, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था पर संपूर्ण प्रभाव देखने को मिलता है।

विवाह उद्योग को बढ़ावा देने पर हो रहा विचार

रिपोर्ट के अनुसार भारत सरकार का लक्ष्य देश को अंतरराष्ट्रीय विवाह स्थल यानी डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में स्थापित करके भारत में पर्यटन को रणनीतिक रूप से बढ़ावा देना है। इसके लिए सरकार एक अभियान की तैयारी कर रही है, जिसमें देश भर के लगभग 25 प्रमुख शहरों के स्थलों की रूपरेखा को तैयार किया जाएगा। मेक इन इंडिया के अभियान से प्रेरित होकर इस अभियान का उद्देश्य लगभग 12.1 बिलियन डॉलर (1 लाख करोड़ रुपये) को आकर्षित करना होगा, जो मौजूदा समय में विदेशों के वेडिंग डेस्टिनेशन पर खर्च किया जाता है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक सर्वेक्षण के अनुसार 2024 में 15 जनवरी से 15 जुलाई तक उद्योग में पहले से ही 42 लाख से अधिक शादियां हो चुकी है, जिस पर 5.5 लाख करोड़ रुपये का खर्च किया जा चुका है। कैट ने सरकार की मेक इन इंडिया पहल स्वागत करते हुए कहा है कि यह देश में एक नए पर्यटन को बढ़ावा देने और दूसरे देशों में डेस्टिनेशन वेडिंग के खर्च को रोकने का बेहतर प्रयास साबित होगा।

मालविका ने क्रिस्टी गिलमोर को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंची

चांग्झू (चीन)- भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए ऊंची रैंकिंग वाली क्रिस्टी गिलमोर को हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज मालविका ने दो बार की राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता और स्कॉटलैंड की 25वीं रैंकिंग वाली गिलमोर के खिलाफ एक घंटे पांच मिनट तक चले मुकाबले में 21-17 19-21 21-16 से जीत दर्ज की। जीत के बाद मालविका ने कहा, 'मै पहली बार किसी सुपर 1000 टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल खेलूंगी। यह सपना सच होने जैसा है और अब तक कैरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इससे एक दिन पहले मालविका ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ग्रेगोरिया मारिस्का को हराया था। मालविका टूर्नामेंट में अकेली भारतीय खिलाड़ी बची हैं। अब उनका सामना दो बार की विश्व चैम्पियन चौथी वरीयता प्राप्त जापान की अकाने यामागुची से होग।

समरवीरा पर बड़ा एक्शन, कोचिंग से 20 साल के लिए लगा बैन

मेलबर्न -श्रीलंका के पूर्व खिलाड़ी और विक्टोरिया महिला टीम के कोच रहे दुलीप समरवीरा को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने कोचिंग से 20 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। उन्हें विक्टोरिया की महिला टीम के साथ दुर्व्यवहार के लिए आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है।

श्रीलंका की तरफ से सात टेस्ट एवं पांच वनडे खेलने वाले और 2008 में पहली बार विक्टोरिया के बल्लेबाजी कोच बने समरवीरा पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के 'इंटीग्रिटी विभाग की जांच के बाद प्रतिबंध लगाया गया। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार इस दौरान 52 वर्षीय समरवीरा को अगले दो दशक तक ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के अंतर्गत कोई पद संभालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। क्रिकेट विक्टोरिया के सीईओ निक कमिंस ने एक बयान में इस प्रतिबंध का समर्थन किया।

कमिंस ने कहा, हमारा मानना है कि यह आचरण पूरी तरह से निंदनीय है और हम क्रिकेट विक्टोरिया के साथ हैं। समरवीरा ने अभी तक इस फैसले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले वह महिला बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स टीम के सहायक कोच भी थे। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ ने भी सीईओ के फैसले का समर्थन किया।

बांग्लादेश के खिलाफ अश्विन ने जड़ा शतक

रवींद्र जडेजा 86 पर नाबाद, ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 56 रन बनाए, ऋषभ पंत ने 39 रन की पारी खेली

नईदिल्ली (एजेंसी)। नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में वापसी कर ली है। चेन्नई में खेले जा रहे इस मुकाबले के पहले दिनभारतीय टीम 6 विकेट पर 339 रन बना चुकी है। रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन क्रीज पर हैं। अश्विन ने अपनी सेंचुरी पूरी की। वहीं जडेजा फिफ्टी लगाकर नाबाद हैं। दोनों ने 7वें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी भी पूरी कर ली है। एक समय टीम इंडिया ने 144 पर 6 विकेट विकेट गंवा दिए थे।

इससे पहले, ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 56 रन बनाए। ऋषभ पंत ने 39 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के लिए हसन महमूद ने 4 विकेट लिए। मेहदी हसन मिराज और नाहिद राणा ने 1-1 विकेट लिया है।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। बांग्लादेशी पेसर्स ने शुरुआत से भारतीय पारी को दबाव में रखा। कप्तान रोहित शर्मा 6, शुभमन गिल 0 और विराट कोहली 6 रन बनाकर आउट हुए। इन तीनों का विकेट हसन ने लिया। यहां से जायसवाल और पंत ने चौथे विकेट के लिए 62 रन जोड़े। हसन ने पंत को आउट कर इस पार्टनरशिप को तोड़ा। राहुल का विकेट मिराज ने और जायसवाल का विकेट नाहिद ने लिया।

ऋषभ पंत ने टेस्ट में हासिल किया खास मुकाम, धोनी के बाद ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय विकेटकीपर बने

चैन्नई, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट मैच के जरिए ऋषभ पंत ने क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में 634 दिन के बाद वापसी की। टेस्ट में वापसी से पहले पंत ने दलीप ट्रॉफी 2024 में भी अपना हाथ आजमाया था और अच्छा प्रदर्शन किया था। पंत को पहले टेस्ट मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका दिया गया और उन्होंने पहली पारी में कठिन परिस्थिति में भारत के लिए संघर्षपूर्ण पारी खेली। हालांकि पंत अपनी इस पारी को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए, लेकिन प्रभावी साबित हुए। अपनी इस पारी के जरिए पंत ने बतौर भारतीय विकेटकीपर 4000 रन पूरे किए और एमएस धोनी के बाद ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय विकेटकीपर बने।

पंत ने पूरे किए 4000 रन

ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 52 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 39 रन की पारी खेली और बतौर विकेटकीपर उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर लिए। भारत की तरफ से इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे करने वाले पंत दूसरे विकेटकीपर बन गए। पंत का बतौर विकेटकीपर इंटरनेशनल क्रिकेट में अब टोटल स्कोर 4014 रन हो गया। भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 4000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज एमएस धोनी थे। पंत अब धोनी की लिस्ट में शामिल हो गए।

धोनी के नाम सबसे ज्यादा रन

भारत की तरफ से इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड एमएस धोनी के नाम पर दर्ज है। उन्होंने भारत के लिए बतौर विकेटकीपर कुल 17,092 रन बनाए थे और इस लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। ऋषभ पंत इस लिस्ट में 4014 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं जबकि सैयद किरमानी 3132 रन के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। इस लिस्ट में राहुल द्रविड़ 2300 रन के साथ छठे नंबर पर जबकि केएल राहुल 1804 रन के साथ 8वें स्थान पर हैं।

मोहन बागान ने ड्रॉ के साथ की एफसी चैंपियंस लीग 2 की शुरुआत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के कोलकाता का फुटबॉल क्लब मोहन बागान के लिए एफसी चैंपियंस लीग 2 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही. भारतीय फुटबॉल क्लब को पहला मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त करना पड़ा. मुकाबले में मोहन बागान के सामने तजाकिस्तान के रावशन कुलोब की चुनौती थी. दोनों के बीच यह मुकाबला बुधवार (18 सितंबर) को खेला गया.

दोनों टीमों ने गंवाए मौके

मुकाबले में मोहन बागान की तरफ से कई मौके मिस किए गए. पहला मौका 19वें मिनट पर मिला. हालांकि इस मौके को भुनाया नहीं जा सका. फिर 27वें मिनट पर रावशन कुलोब को लगभग गोल करने का मौका मिल ही गया था, लेकिन बागान के गोलकीपर विशाल कैथ ने उसे सेव कर लिया. इसके अलावा भी रावशन कुलोब की तरफ से कुछ अटैक किए गए, लेकिन मोहन बागान के सामने वो विफल रहे.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोहन बागान और रावशन कुलोब के बीच खेले गए मुकाबले को देखने के लिए करीब 18 हजार लोग पहुंचे थे.

ग्रुप ए में मौजूद है मोहन बागान

बता दें कि मोहन बागान एफसी चैंपियंस लीग 2 के ग्रुप ए में मौजूद है. 4 टीमों वाले ग्रुप में मोहन बागान पहले ड्रॉ के साथ तीसरे पायदान पर है, जबकि तजाकिस्तान की रावशन कुलोब दूसरे नंबर पर है. वहीं 1 में 1 जीत के साथ ईरान का ट्रैक्टर एस सी क्लब पहले नंबर पर है. एक जीत के साथ ट्रैक्टर एस सी के पास 3 प्वाइंट्स मौजूद हैं. वहीं मोहन बागान और रावशन कुलोब के पास ड्रॉ के बाद 1-1 प्वाइंट मौजूद है. ग्रुप में कतर का अल-वकरा क्लब एससी बिना किसी जीत के सबसे नीचे यानी चौथे पायदान पर है.

ईरान के ट्रैक्टर एस सी से होगी भिड़ंत

गौरतलब है कि पहला मैच ड्रॉ पर खत्म करने वाले मोहन बागान की अगली भिड़ंत ईरान के ट्रैक्टर एस सी से होगी. दोनों के बीच यह मुकाबला 02 अक्टूबर, बुधवार को खेला जाएगा. टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए मोहन बागान के लिए यह मैच जीतना बहुत जरूर होगा.

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास

साउथ अफ्रीका को 106 पर समेटा, अफ्रीकी टीम पर तीनों फॉर्मेट में पहली जीत

शारजाह, एजेंसी। अफगानिस्तान ने इतिहास रचते हुए साउथ अफ्रीका को किसी भी फॉर्मेट में पहली बार हरा दिया है। बुधवार को शारजाह के मैदान पर पहले वनडे में टीम ने साउथ अफ्रीका को 106 रन पर ऑलआउट किया। फिर 26 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल भी कर लिया।

अफगानिस्तान से तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने 4, अल्लाह घजनफर ने 3 और राशिद खान ने 2 विकेट लिए। बैटिंग में गुलबदीन नईब ने 34 और अजमतुल्लाह ओमरजई ने 25 रन बनाकर टीम को आसानी से जीत दिला दी। इसी के साथ अफगानिस्तान से 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अफगानिस्तान की ऐतिहासिक जीत अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को तीनों फॉर्मेट में पहली बार ही हराया। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 3 टी-20 और 2 वनडे खेले गए थे। सभी में साउथ अफ्रीका को जीत मिली थी। अफगानिस्तान ने अब इतिहास पलटा और साउथ अफ्रीका को हरा दिया।

अफगानिस्तान के लिए राशिद खान ने 2 विकेट लिए।

टी-20 वर्ल्ड कप की हार का हिसाब बराबर किया दोनों टीमें आखिरी बार इसी साल 26 जून को टी-20 वर्ल्ड कप के

सेमीफाइनल में आमने-सामने हुई थीं। तब साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 56 रन पर ऑलआउट कर दिया था। साउथ अफ्रीका ने फिर 9 ही ओवर में मुकाबला जीत लिया था। अफगानिस्तान ने अब हिसाब बराबर किया और साउथ अफ्रीका को वनडे में 106 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 26 ही ओवर में मैच भी जीत लिया।

वायन मुल्डर ने लगाई फिफ्टी टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 36 रन के स्कोर पर ही 7 विकेट गंवा दिए। टोनी डी जॉर्जी 11, काइल वेरियन 10 और रीजा हेंड्रिक्स 9 ही रन बना सके। 3 बैटर खाता भी नहीं खोल सके, जबकि कप्तान ऐडन मार्करम 2 ही रन बना पाए।वायन मुल्डर ने फिर फिफ्टी लगाई और टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। उनके साथ बोर्न फोर्च्यून ने 16 रन बनाए। नांद्रे बर्गर ने एक रन बनाया, जबकि लुंगी एनगिडी खाता भी नहीं खोल सके।

फजलहक फारूकी पावरप्ले में ही झटक लिए थे 3 विकेट

फारूकी को 4 विकेट अफगानिस्तान से तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने 35 रन देकर 4 विकेट लिए। ऑफ स्पिनर अल्लाह घजनफर ने महज 20 रन देकर 3 विकेट झटक लिए। जबकि राशिद खान ने 30 रन देकर 2 विकेट लिए। एक बैटर रनआउट भी हुआ।

अफगानिस्तान की भी खराब शुरुआत 107 रन के टारगेट का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने 35 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। रियाज हसन 16 और रहमत शाह 8 ही रन बना सके, रहमानुल्लाह गुरबाज तो खाता भी नहीं खोल पाए। टीम का स्कोर 50 रन के पार ही पहुंचा था कि कप्तान हशमतुल्लाह शहीदी भी 16 रन बनाकर आउट हो गए।ओमरजई-गुलबदीन ने जीत के पार पहुंचाया 60 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद अजमतुल्लाह ओमरजई और गुलबदीन नईब ने अफगानिस्तान को संभाला। दोनों ने टीम को 100 रन के पार पहुंचाया और 26 ओवर में जीत दिला दी। ओमरजई 25 और नईब 34 रन बनाकर नॉटआउट रहे। साउथ अफ्रीका से बोर्न फोर्च्यून ने 2 विकेट लिए। जबकि ऐडन मार्करम और लुंगी एनगिडी को 1-1 सफलता मिली।दूसरा वनडे 20 सितंबर को पहले वनडे में जीत के साथ अफगानिस्तान ने 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 20 सितंबर को शारजाह में ही खेला जाएगा।

चीन को हराने के अगले ही दिन हैक हुआ हॉकी इंडिया का अकाउंट, हैकर्स ने किया ये काम

नईदिल्ली, एजेंसी। हॉकी के एशियन चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट की मेजबानी इस बार चीन के हाथों में थी. 17 सितंबर को हुए फाइनल में भारतीय हॉकी टीम ने चीन को 1-0 से मात देकर पांचवीं बार खिताब अपने नाम किया था. इसके अगले ही दिन यानि बुधवार 18 सितंबर की देर रात हॉकी इंडिया 'एक्स' (पहले ट्विटर) का अकाउंट हैक हो गया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर भारत के हॉकी टीम की जानकारी 'हॉकी इंडिया' के जरिए ही दी जाती हैं. हैकर्स ने रात के करीब 11.30 बजे इस अकाउंट पर क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ा एक पोस्ट किया. हालांकि, फिलहाल इसे रिकवर कर लिया गया है और पोस्ट को भी हटा दिया गया है.

हॉकी इंडिया के एक्स अकाउंट के जरिए हैकर्स ने क्रिप्टकरेंसी की एक लिंक दी और इसके जरिए

प्रोफिट कमाने की कोशिश की. पोस्ट में हैकर्स ने लिखा कि 'यह अकाउंट हो चुका है. हम जिस भी अकाउंट को हैक करते हैं, उस पर एक टोकन एड्रेस पब्लिश करते हैं और साथ में प्रोफिट कमाते हैं.' भारतीय फैंस ने इस पोस्ट को तुरंत संज्ञान में लिया और जानकारी फैलानी शुरू कर दी.

टीम इंडिया लौटी भारत

टीम इंडिया चीन में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को अपने नाम करने के बाद से भारत लौट चुकी है. 19 सितंबर की सुबह टीम ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड किया. भारत ने पांचवीं बार ये खिताब अपने नाम किया है. फाइनल में चीन ने भारत को कड़ी टक्कर दी थी. भारतीय टीम को फॉर्म को देखते हुए फैंस को उम्मीद थी कि आसानी से जीत मिल जाएगी. लेकिन ऐसा नहीं हुआ, 50 मिनट तक चीन के खिलाड़ी दीवार बनकर खड़े रहे. 51वें मिनट में भारत की ओर से जुगराज सिंह ने एक गोल दागा. इसकी बदौलत भारत ने 1-0 से मुकाबले को अपने नाम किया.

इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2011 में हुई थी. पहले ही सीजन में टीम इंडिया ने खिताब पर कब्जा किया था. इसके बाद 2016 में भी खिताब पर भारत का ही कब्जा रहा था. 2018 में भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता बने थे. फिर 2023 में टीम इंडिया चौथी बार चैंपियन बनी और अब लगातार दूसरी बार जीतकर इस टाइटल को डिफेंड किया है. इस तरह पेरिस ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर टीम इंडिया ने अपनी सफलता के सिलसिले को बरकरार रखा है.

जुबली अभिनेत्री

वामिका ने नई शुरुआत के बारे में दिए संकेत

जुबली और खुफिया में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर अभिनेत्री वामिका गब्बी ने एक दिलचस्प तस्वीर साझा की है, जिसने उनके प्रशंसकों को संदेह में डाल दिया। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वामिका के नाम से छपी एक काली नोटबुक का स्नैपशॉट शेयर किया, जिस पर मुकुट का प्रतीक बना हुआ था। वामिका की दिलचस्प पोस्ट उनके अगले रोमांचक प्रोजेक्ट की शुरुआत की ओर इशारा करती है, जो किसी आगामी ओटीटी शो, किसी अन्य फीचर फिल्म या कुछ अलग से भी संबंधित हो सकता है। बाद में, वामिका ने फिर से मोनोक्रोम इफेक्ट में एक स्नैपशॉट शेयर किया, लेकिन इस बार कुछ संकेतों के साथ उन्होंने प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट राजकुमारी कोको और फोरम गोटेचा का उल्लेख किया, जिनके साथ उन्होंने कई बार सहयोग किया है। वामिका ने 2013 में पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 में गायक यो यो हनी सिंह और अमरिंदर गिल के साथ अभिनेत्री के रूप में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की थी। बाद में, अभिनेत्री को गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ इश्क ब्रांडी और इश्क हाजिर है नामक दो अन्य वीडियो में देखा गया।

मेरा हसबैंड कोयले में हीरे की तरह है: सना खान

सना खान ने इंडस्ट्री छोड़ दी और अब अपने पुराने ग्लैमरस अवतार से उन्हें नफरत हो गई हैं। रुबीना दिलैक के शो में उन्होंने बताया कि कैसे छोटे कपड़े पहनने पर उन्हें गिल्ट होता है और इसे शैतान से तुलना की। उन्होंने अपने हसबैंड की तारीफ भी की और कहा कि वो कोयले में हीरे की तरह हैं।

सना खान ने कुछ साल पहले अचानक इंडस्ट्री छोड़ दी और फिल्मों और टीवी शो से संन्यास ले लिया। बिग बॉस और खतरों के खिलाड़ी जैसे कई सीरियलों में नजर आ चुकीं सना बॉम्बे टू गोवा, टॉयलेट एक प्रेम कथा जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। आज जब सना अल्लाह की राह पर चलते हुए ग्लैमर इंडस्ट्री से तौबा कर चुकी हैं तो अब जब वो पीछे मुड़कर देखती हैं तो उन्हें अपने उन कामों से नफरत होती है।

सीरियल अनुपमा छोड़ सकती है मदालसा शर्मा

टी वी की पॉपुलर शो 'अनुपमा' में काफी कुछ ट्विस्ट देखने के लिए मिलने वाला है। ऐसे में चर्चा जोरों पर रही है कि एक्ट्रेस मदालसा शर्मा ने सीरियल को छोड़ दिया है। इसके पीछे की वजह को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि शो की 'अनुपमा' यानी कि रूपाली गांगुली के साथ विवादों के चलते उन्होंने इस शो को अलविदा कह दिया है। उनके कुछ दिनों पहले ही सीरियल में वनराज शाह का किरदार निभाने वाले सुधांशु पांडे ने इसे छोड़ दिया था। ऐसे में अब इन चर्चाओं के बीच एक्ट्रेस मदालसा शर्मा ने विवादों और शो छोड़ने का सच बताया है। चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा। दरअसल, मदालसा शर्मा हाल ही में बात की। इस दौरान उन्होंने शो छोड़ने के पीछे चल रहे तमाम रूमर्स को लेकर बात की। बातचीत के दौरान एक्ट्रेस से पूछ गया था कि उन्होंने इस शो को रूपाली गांगुली से ना बनने की वजह से छोड़ा है? तो इस पर एक्ट्रेस ने बेझिझक जवाब दिया कि ऐसा कुछ नहीं था। उन्होंने ईमानदारी से जवाब दिया कि लंबे समय से एक जगह जब काम किया जाता है तो कभी ना कभी, कहीं ना कहीं, किसी के साथ कुछ ना कुछ तो ऊपर नीचे होता है। इसलिए इन सबसे उन्हें कोई परेशानी नहीं रही।

इसके बाद मदालसा शर्मा से रूपाली गांगुली के साथ अपने बॉन्ड को लेकर कहा कि वो उन्हें अपनी अपनी अच्छी दोस्त और कुलीग मानती हैं। उन्होंने उन्हें 4 साल देखा और उनके साथ काम किया है। इसलिए वो उनकी दोस्त हैं।

प्रतीक बब्बर के करियर में मदद कर रहे सलमान खान

सलमान खान इस वक्त अपनी नई फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं, जिसकी अभी शूटिंग चल रही है। फिल्म में बाहुबली के कटप्पा यानी सत्यराज और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगे। एक्टर प्रतीक बब्बर भी सिकंदर का हिस्सा हैं। इस फिल्म में वह एक दमदार नेगेटिव रोल में नजर आएंगे, जिसे लेकर प्रतीक एक्साइटेड हैं। प्रतीक बब्बर ने हाल ही सलमान संग सिकंदर का शूटिंग एक्सपीरियंस शेयर किया और खुलासा किया कि एक्टर उनके करियर में सपोर्ट कर रहे हैं। इंटरव्यू में बताया कि वह सलमान के साथ काम करने में घबरा रहे थे, पर वह खुद को धन्य मानते हैं कि एक्टर संग काम का मौका मिला। प्रतीक ने कहा कि सलमान उनके करियर को सपोर्ट कर रहे हैं।

प्रतीक बब्बर बोले- सलमान करियर में हेल्प कर रहे, नेगेटिव रोल दिया: प्रतीक बब्बर से जब सिकंदर में उनके रोल के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मुझे अभी यह बताना नहीं चाहिए, पर मैं सिकंदर में नेगेटिव रोल प्ले कर रहा हूं। फिल्म में जो भी नेगेटिव लीड किरदार हैं, उनमें से एक मेरा है। हाल ही हमने एक बेहद इंटेंस प्लेन सीक्वेंस शूट किया था। मैं बहुत ही नर्वस था और डरा हुआ था। मैं एकटक उन्हें देख रहा था।

सलमान संग शूट किया था एक्शन सीन: कुछ महीने पहले ही प्रतीक बब्बर और सलमान खान ने एक दमदार एक्शन सीक्वेंस शूट किया था। इसे एक प्लेन पर फिल्माया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान और प्रतीक के बीच यह एक्शन सीक्वेंस बांद्रा के ताज लैंड्स एंड में शूट किया गया। एक प्लेन भी इस एक्शन सीन का हिस्सा था। इस सीन के लिए स्पेशल सेट तैयार किया गया था।

राज कपूर की बेटी से सगाई फिर भी

मुझसे शादी करना चाहते थे कुमार गौरव: विजयता पंडित

एक्ट्रेव विजयता पंडित याद हैं? कुमार गौरव के साथ फिल्म लव स्टोरी से एक्टिंग डेब्यू करने वालीं स्टार रातोंरात स्टार बन गई थीं। कुमार गौरव भी छा गए थे। दोनों की जोड़ी की हर तरफ चर्चा होने लगी थी। यह तक कहा जाने लगा था कि विजयता पंडित का कुमार गौरव के साथ अफेयर है, और इसी वजह से एक्टर की राज कपूर की बेटी रीमा के साथ सगाई टूटी थी। लेकिन अब विजयता पंडित ने उन अफवाहों पर रिएक्ट किया है। विजयता की म्यूजिक कंपोजर आदेश श्रीवास्तव से शादी हुई थी। उनका कहना है कि कुमार गौरव और रीमा की सगाई टूटने में उनका कोई हाथ नहीं था।

विजयता ने यह भी कहा कि कुमार गौरव पहले लड़के थे, जिन्हें उन्होंने गले लगाया था। उन्होंने लहरें रेट्रो को दिए इंटरव्यू में इस बारे में बात की। यह भी खुलासा किया कि कुमार गौरव, रीमा से सगाई करने के बाद भी उनसे शादी करने को तैयार थे।

पहली बार किसी लड़के ने छुआ, हम दोनों को प्यार हो गया: विजयता पंडित ने कहा, बंटी (कुमार गौरव) पहले लड़के थे, जिन्हें मैंने लव स्टोरी की शूटिंग के दौरान गले लगाया था। आप कोई भी लव स्टोरी देख लीजिए।

चाहे ऋषि कपूर-डिंपल कपाड़िया की बॉबी, सनी देओल-अमृता सिंह की बेताब या फिर संजय दत्त और टीना मुनीम की रॉकी...इन सभी एक्टर्स को रियल लाइफ में भी प्यार हो गया था। इस तरह की फिल्मों में काम करते हुए आपको रोमांस फील करना पड़ता है। वो पहली बार था, जब एक लड़का मुझे छू रहा था, तो हम दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया।

कुमार गौरव करते थे विजयता पंडित का पीछा, राजेंद्र कुमार थे नाराज: विजयता पंडित ने आगे बताया, बंटी मुझसे बहुत प्यार करता था। वह हर जगह मेरा पीछा करता रहता था। मेरा हाथ पकड़ता था और नाचता था।

वह बहुत आकर्षक थे, लेकिन उनके पिता और फिल्म के प्रोड्यूसर राजेंद्र कुमार हमारे रिश्ते से काफी नाराज थे। वह शराब पीते और बंटी से बोलते कि तुम मेरे राजकुमार हो और तुम्हें राजकुमारी से ही शादी करनी चाहिए।

राजेंद्र कुमार बोलते- अच्छे खानदान की लड़की ढूंढूंगा: विजयता पंडित के मुताबिक, राजेंद्र कुमार ने बेटे कुमार गौरव से कहा था कि वह उनके लिए किसी अच्छे और रसूख वाले खानदान की लड़की ढूंढेंगे। वह बोलीं, जब मैं ये सारी बातें सुनती तो डर जाती थी।

हंसल मेहता बोले- वे लोग टिप्पणीकार बन जाते हैं, जिनका फिल्म निवेश से लेना-देना नहीं

द बकिंघम मर्डर्स को सिनेमाघरों में आने के बाद आलोचकों की सराहना तो मिली, लेकिन इसका टिकट खिड़की पर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है और अब तो इसे एक-एक करोड़ रुपये कमाने के लिए भी बहुत मशक्कत करनी पड़ रही है। फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता ने एक हालिया साक्षात्कार में इसकी कम कमाई को लेकर बात की है। हंसल मेहता ने कहा कि फिल्मों को केवल एक संख्या तक सीमित कर दिया जाता है। उन्हें लगता है कि इससे काम को काफी कम करके आंका जाता है।

हंसल ने कहा कि उनका मानना है कि फिल्म आने वाली पीढ़ियों के लिए होती है, इसलिए वक्त पर सोच-विचार किया जा सकता है, लेकिन अब हम फिल्म को समय ही नहीं देते। हंसल नेआगे कहा कि वे लोग जिनका फिल्म और उसमें हुए निवेश से कोई नाता नहीं है, वे भी टिप्पणीकार बनकर ऐसा बर्ताव करते हैं, जैसे वे हितधारक हो और वो भी बगैर ये जानें कि फिल्मों का बिजनेस मॉडल काम कैसे करता है। हंसल मेहता ने कहा कि मैं अब फिल्म रिलीज होने से पहले ही उसे छोड़ देता हूं, ताकि आगे बढ़ा जा सके, नहीं तो आप इसमें फंस सकते हैं। उन्होंने बताया कि अगर वो ऐसा कहेंगे कि वो घबराते नहीं हैं, तो ये झूठ होगा।

उन्होंने कहा कि ये दुर्भाग्य है कि फिल्मों को एक बहुत छोटा खेल बना दिया गया है, एक वीकेंड गेम। द बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर को रिलीज हुई थी। इसमें करीना कपूर, रणवीर बरार, कीथ एलन, प्रभलीन संधू और एश टंडन समेत कई कलाकारों ने काम किया है।

पामेला एंडरसन 'गोल्डन आई पुरस्कार' से होंगी सम्मानित

द लास्ट शोगर्ल के लिए मिलेगा अवॉर्ड

कनाडाई अभिनेत्री पामेला एंडरसन को उनकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए '20वें ज्यूरिख फिल्म फेस्टिवल' (जेडएफएफ) में 'गोल्डन आई पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, पुरस्कार समारोह 4 अक्टूबर को होगा। इस दौरान एंडरसन की फिल्म द लास्ट शोगर्ल प्रस्तुत की जाएगी। द लास्ट शोगर्ल में एंडरसन टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी प्रीमियर हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन जिया कोपोला ने किया है। द लास्ट शोगर्ल में एंडरसन ने 50 वर्षीय शोगर्ल शेली की भूमिका निभाई है। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, 'जेडएफएफ' के कलात्मक निदेशक क्रिश्चियन जुंगेन ने पामेला के लिए कहा, 'उन्होंने खुद को पूरी तरह से अपने किरदार में उतार दिया। अपने चेहरे के हाव-भाव से शेली के किरदार को इस तरह से पर्दे पर उकेरा कि लोगों को उससे सहानुभूति हो जाए।

उन्होंने आगे अभिनेत्री के प्रदर्शन के लिए कहा, 'एक शानदार प्रदर्शन, शायद उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, जो ऑस्कर नामांकन का हकदार है।' द लास्ट शोगर्ल में कई कलाकार हैं, जिसमें शेली की सहकर्मी एनेट के रूप में जेमी ली कर्टिस शामिल हैं, जो उसे अनिश्चित भविष्य में आगे बढ़ने में मदद करती है। फिल्म में बिली लौर्ड भी शेली की अलग हो चुकी बेटी हन्ना के रूप में हैं, साथ ही कीरन शिपका और ब्रेंडा सॉन्ग भी युवा शोगर्ल सहकर्मियों के रूप में मौजूद हैं। वहीं, डेव बॉतिस्ता एडी की भूमिका में हैं, जो शो के स्टेज मैनेजर हैं और शेली से व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए हैं। गोल्डन आई पुरस्कार समारोह के बाद, एंडरसन और निर्देशक जिया कोपोला की द लास्ट शोगर्ल फेस्टिवल के दर्शकों के पेश होगी। इस साल के 'ज्यूरिख फिल्म फेस्टिवल' में एलिसिया विकेंडर, जूड लॉ और केट विंसलेट सहित इंडस्ट्री की अन्य बड़ी हस्तियों को भी सम्मानित किया जाएगा। '20वां ज्यूरिख फिल्म फेस्टिवल' 3 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक चलेगा।

हास्य की गहरी समझ रखती हैं अर्चना पूरन सिंह : सुनील ग्रोवर

द कपिल शर्मा शो के सीजन-2 की शुरुआत से पहले मशहूर हास्य अभिनेता सुनील ग्रोवर ने जज अर्चना पूरन सिंह की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि अर्चना पूरन सिंह को हास्य की गहरी समझ है। उनके सेट पर होने से काम को बेहतर करने में मदद मिलती है।

सुनील ने बात करते हुए बताया कि हास्य के बारे में उनकी समझ एक शैली तक सीमित नहीं है, वह सभी प्रकार के हास्य को समझती हैं और उसका आनंद लेती हैं। उन्होंने आगे कहा, वह एक शानदार अभिनेत्री हैं और उन्होंने सभी तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। हास्य में उनकी समझ अलग लेवल की है। शो में कलाकारों के रूप में हमारे लिए, उनकी यह गुणवत्ता एक विशेषाधिकार बन जाती है क्योंकि हम जानते हैं कि हम किसी भी शैली का मजाक बना सकते हैं और वह फिर भी इसे समझ लेंगी। इसके अलावा किकू शारदा ने बताया कि उनके पास बहुत अनुभव है, इसलिए अगर कोई तकनीकी गड़बड़ी होती है तो वे तुरंत समझ जाती हैं कि हम किस स्थिति से गुजर रहे हैं।

इससे हमारा मनोबल भी बढ़ता है क्योंकि हमारे पास अर्चना के रूप में एक सुरक्षा कवच है। कपिल शर्मा शो के दूसरे सीजन का ट्रेलर हाल ही में जारी किया गया है। इस सीजन में सिनेमा और क्रिकेट जगत की हस्तियों को दिखाने का वादा किया गया है। इनमें सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, एनटीआर जूनियर, करण जौहर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर जैसे मेहमान शामिल होंगे।

शो में कृष्णा अभिषेक भी हैं। पहले सीजन की शुरुआत में रणबीर कपूर, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी शो में नजर आए थे। इस बार दूसरे सीजन में आलिया भट्ट इस शो की शुरुआत करेंगी। शो के पहले एपिसोड में अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' की टीम आलिया भट्ट, वेदांग रैना और करण जौहर नजर आएंगे। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' सीजन 2 नेटफ्लिक्स पर 21 सितंबर से स्ट्रीम होगा।

साभार-एजेंसी

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने शेयर किया बूमरैंग वीडियो

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने इंस्टाग्राम पर मोनोक्रोम में एक बूमरैंग वीडियो शेयर किया और अपनी भावनाएं शेयर की। क्लिप में अभिनेत्री गाउन पहने बैठी हुई हैं और कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रही हैं।

हालांकि, अभिनेत्री ने यह नहीं बताया कि वह किस बात के लिए नर्वस और उत्साहित हैं। उन्होंने बूमरैंग क्लिप के बैकग्राउंड स्कोर के तौर पर पॉप क्वीन मैडोना के गाने ट्रू ब्लू का इस्तेमाल किया। हाल ही में घोषणा की गई थी कि चित्रांगदा, अक्षय कुमार अभिनीत हाउसफुल 5 के कलाकारों में शामिल हो गई हैं। चित्रांगदा एक बार फिर अक्षय के साथ देसी बॉयज और खेल खेल में के बाद स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। उन्होंने स्टार की प्रशंसा की और उन्हें कॉमेडी का सच्चा मास्टर कहा। हाउसफुल 5 की शूटिंग के लिए लंदन जा रहीं अभिनेत्री ने को बताया, अक्षय अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली हैं और कॉमेडी के सच्चे मास्टर हैं।